दैनिक

बढ़ता राजस्थान

संस्करण : जयपुर, टोंक, अलवर एवं कोटा

Since : 2004 /// कदम बढ़ाएं, सच के साथ

वर्ष : 15 | अंक : 275 | जयपुर | शुक्रवार, 08 अगस्त, 2025 | श्रावण, शुक्ल पक्ष-चतुर्दशी संवत्-2082 | भारत व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | मूल्य : ₹2.00 | पृष्ठ : 10

www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

पाकिस्तान की भाषा बोल रहे कांग्रेसी नेता : सीएम शर्मा

उन्हें सद्बुद्धि दे भगवान, अमेरिका के सुर में सुर मिला रहे नेता प्रतिपक्ष

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को बताने के लिए अब राजस्थान में बीजेपी हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत करने जा रही है। गुरुवार को प्रदेश बीजेपी ने अभियान की शुरुआत को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समेत प्रदेशभर के कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आज कांग्रेसी नेता पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। इन लोगों ने आजादी के वक्त देश को तोड़ने का काम किया था। दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद बीजेपी अब हर घर तिरंगा यात्रा के जरिए आम जनता के बीच अपनी पहुंच को मजबूत करने की तैयारी में जुटी है। इनको लेकर राजस्थान बीजेपी ने प्रदेश और जिला स्तर पर टीम बना कर तैयारियां शुरू कर दी।

इसके तहत 15 अगस्त से पहले राजस्थान में 10 लाख घरों पर बीजेपी पार्टी कार्यकर्ता तिरंगा फहराएंगे। इसके साथ इस अभियान में शहीदों की स्मारकों, शहीदों की प्रतिमाओं पर सफाई अभियान चलाया जाएगा। जिसमें शहीदों के परिजनों को सम्मानित भी किया जाएगा। गुरुवार को बीजेपी मुख्यालय पर प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और मध्य प्रदेश भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी की दृढ इच्छा शक्ति से भारतीय सेना विश्व की सबसे मजबूत सेना बनकर उभरी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ इच्छा शक्ति एवं निर्णायक नेतृत्व के चलते भारतीय सेना आज विश्व में सबसे मजबूत सेना बनकर उभरी है। इन 11 सालों में देश ने विकास के नए आयाम स्थापित किए और देश के परिवर्तन को आज हर भारतीय महसूस कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जिस तरह देशभर में विजयोत्सव मनाया गया, लोगों ने तिरंगा यात्राएं निकालकर सेना के शौर्य को सलाम किया। उसी देशभक्ति के जज्बे को कायम रखने के लिए भाजपा ने हर घर तिरंगा अभियान शुरू किया है।

जिस अभियान में भाजपा बूथ, शक्ति केंद्र, मंडल, जिला और संभाग स्तर पर वृहद कार्यक्रम करेगी। सीएम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम जनता से जुड़ने का सर्वोत्तम माध्यम है। संगठन की सबसे छोटी इकाई में कार्यरत कार्यकर्ता भी इन कार्यक्रमों के माध्यम से अपने क्षेत्र की जनता से सीधे जोड़ता है। संवाद करता है और जनसेवा का अवसर प्राप्त करता है। ऐसे में हमारे सभी कार्यकर्ता, पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि संगठन के सभी कार्यों में अधिक से अधिक सहभागिता निभाकर जनता से सीधे जुड़ सकते है। इस दौरान शर्मा ने विपक्षी नेताओं के अनर्गल बयानबाजी पर कहा कि इस कांग्रेस ने ही देश को तोड़ने का काम किया था और आज कांग्रेसी नेता पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। आज अगर कोई हमारे देश के खिलाफ बोलता है, हमारी संस्कृति के खिलाफ बोलते हैं। तो इससे उसकी मनोवृत्ति की स्थिति का पता चलता है। मैं ईश्वर से कामना करता हूं कि ईश्वर देश के खिलाफ बोलने वालों को सद्बुद्धि प्रदान करें। सीएम ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान और विभाजन विभीषिका भी ऐसे ही अवसर हैं। जो हमें आमजन से जुड़ने का अवसर प्रदान करते है, इसके साथ विपक्ष की ओर से बनाई जा रही नकारात्मकता को आमजन तक पहुंचाया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान में भूकंप के झटके, प्रतापगढ़ में धरती हिली

दहशत में घरों से बाहर निकले लोग, स्कूली बच्चों को ग्राउंड में ले गए टीचर

बढ़ता राजस्थान

प्रतापगढ़। राजस्थान के प्रतापगढ़ में गुरुवार सुबह 10.07 बजे भूकंप के झटके महसूस किए। दहशत में आए लोग घरों, दफ्तरों और दुकानों से बाहर निकल गए। झटकों के बाद कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। भूकंप के झटके सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गए। मौसम केंद्र के मुताबिक भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.9 रही। केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर अंदर था।

जानकारी के मुताबिक शहर के श्रीराम मार्केट, अकबरी मार्केट, गांधी चौराहा, बस स्टेशन, शुभम कलेक्शन, तलाक खेड़ा समेत कई हिस्सों में धरती हिली। उंडा खोरा क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल में जब जमीन में हलचल हुई, तो टीचर तुरंत बच्चों को क्लास रूम से बाहर लेकर आए।

आई लव यू नहीं बोली तो युवती को मारे चाकू

5 दिन पहले दी थी धमकी- बातें नहीं की तो चाकू से काट दूंगा, युवक ने खाया जहर

बढ़ता राजस्थान

झुंझुनूं। पहले तो युवती पर आई लव यू बोलने का दबाव बनाया और जब उसने मना कर दिया तो युवक ने चाकू से उस पर हमला कर दिया। इसके बाद जहर खाकर खुदकुशी की भी कोशिश की। इतना ही नहीं आरोपी युवक ने युवती को 5 दिन पहले धमकी भी दी थी कि अगर उससे बातें नहीं की तो वो उसे चाकू से काट देगा। पूरा मामला झुंझुनूं जिले के मंड्रेला थाना इलाके के एक गांव का है। यहां 5 अगस्त को एक युवती पर चाकू से हुए हमले के मामले में नया खुलासा हुआ है।

पड़ोस में ही रहता है आरोपी युवक

घायल युवती ने पुलिस को दिए बयान में बताया है कि पड़ोस में रहने वाले आरोपी प्रमोद मेघवाल (35) ने पहले उस पर आई लव यू बोलने और बात करने का दबाव बनाया था, और जब उसने मना किया तो चाकू से हमला कर दिया।

आसाराम की जमानत 21 अगस्त तक बढ़ाई

गुजरात हाईकोर्ट ने इलाज के लिए दी राहत; जोधपुर केस में 12 अगस्त तक है अंतरिम जमानत

बढ़ता राजस्थान

जोधपुर। गुजरात और राजस्थान में रेप मामलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 86 साल के आसाराम को गुजरात हाईकोर्ट से एक बार फिर राहत मिली है। हाईकोर्ट ने इलाज के लिए आसाराम की अंतरिम जमानत 21 अगस्त तक के लिए बढ़ा दी है। अब आसाराम की ओर से जोधपुर मामले में भी राजस्थान हाईकोर्ट में अंतरिम जमानत बढ़ाने की अर्जी दाखिल किए जाने की तैयारी है। इससे पहले आसाराम की ओर से सुप्रीम कोर्ट में आसाराम की ओर से अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका दायर की गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने सुनवाई से इनकार करते हुए 30 जुलाई को याचिका खारिज कर दी थी। साथ ही आसाराम को इसके लिए गुजरात हाईकोर्ट जाने को कहा था।

राजस्थान हाईकोर्ट में सजा स्थगन अपील भी है लंबित–जोधपुर में 2013 के नाबालिग से रेप के मामले में आसाराम की सजा के विरुद्ध अपील लंबित है। आसाराम को 2018 में जोधपुर की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने ताउम्र कारावास की सजा सुनाई थी। उसी के खिलाफ राजस्थान हाईकोर्ट में अपील दायर कर रखी है।

रक्षाबंधन पर जयपुर- जोधपुर- उदयपुर से चलेंगी 4 स्पेशल ट्रेन

राजस्थान से गुजरात, महाराष्ट्र और हरियाणा जाने वाले यात्रियों को सुविधा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। रक्षाबंधन के मौके पर यात्रियों की सुविधा के लिए उत्तर पश्चिम रेलवे ने जयपुर, जोधपुर और उदयपुर से 4 स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। ये ट्रेनें राजस्थान के कई स्टेशनों से गुजरते हुए गुजरात, महाराष्ट्र और हरियाणा जैसे राज्यों को जोड़ेंगी। इनका संचालन 9 से 11 अगस्त के बीच किया जाएगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण ने बताया- जयपुर-बांद्रा टर्मिनस, भगत की कोठी (जोधपुर)-बांद्रा टर्मिनस, उदयपुर-जयपुर और हिसार-हड़पसर के बीच ट्रेनें शामिल हैं। सभी गाड़ियों में सेकेंड एसी, थर्ड एसी, थर्ड एसी इकोनॉमी, स्लीपर और जनरल कोच रहेंगे।

एनडीए का फैसला- उपराष्ट्रपति केंडिडेट मोदी-नड्डा तय करेंगे

कार्यवाही एक दिन के लिए स्थगित

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र का गुरुवार को 14वां दिन था। गुरुवार को भी विपक्ष के प्रदर्शन के चलते लोकसभा और राज्यसभा में पूरे दिन की कार्यवाही नहीं हो सकी। बिहार एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे के बाद लोकसभा व राज्यसभा को कल सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

इस बीच नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस के सदन में नेताओं की बैठक हुई। इसमें गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ ही संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू शामिल हुए। मीटिंग के बाद रिजिजू ने बताया कि मीटिंग में एनडीए ने प्रस्तावना पास करते हुए उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए केंडिडेट का नाम तय करने का अधिकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा को सौंपा है। इधर, लोकसभा में आज नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) बिल, 2025 को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने पर

फैसला नहीं हो सका। विपक्ष ने दोनों बिल को जेपीसी के पास भेजने की मांग की है।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उप सभापति हरिवंश नारायण सिंह को लेटर लिखकर बिहार एसआईआर पर चर्चा कराने की मांग की थी। हालांकि, एसआईआर पर चर्चा को लेकर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि लोकसभा का नियम है कि कोर्ट में लंबित मामलों पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती। इसके अलावा दिल्ली में इंडिया ब्लॉक के नेताओं की मीटिंग और डिनर होगा। इस दौरान विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार, बिहार में स्ढ्ढक्र, अमेरिका का भारत पर टैरिफ जैसे मुद्दों पर चर्चा की संभावना जताई जा रही है। 13 दिनों में अब तक 2 दिन चर्चा हुई 21 जुलाई को शुरू हुए मानसून सत्र के बाद से संसदीय कार्यवाही करीब ठप रही है।

मोदी बोले- किसानों-पशुपालकों के हितों से समझौता नहीं

टैरिफ का जिक्र किए बिना कहा- इसकी कीमत चुकानी होगी; अमेरिका इन सेक्टर में एंट्री चाहता है

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अमेरिकी टैरिफ का जिक्र किए बिना कहा कि हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा। पीएम मोदी ने गुरुवार को दिल्ली में एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहा, मैं जानता हूं कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी, लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं।

पीएम मोदी का यह बयान अमेरिका के भारत पर 50% टैरिफ के ऐलान के एक दिन बाद आया। दरअसल अमेरिका भारत के एग्रीकल्चर और डेयरी सेक्टर में अपनी शर्तों के साथ एंट्री चाहता है। कई दौरों की मीटिंग के बाद भारत इस पर तैयार नहीं है।

भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले सामानों पर आज, यानी 7 अगस्त से 25% टैरिफ लगेगा। वहीं 25% एक्स्ट्रा टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा। इससे भारतीय सामान अमेरिकी बाजार में महंगे हो जाएंगे। उनकी मांग कम हो सकती है। वहां के इंपोर्टर्स अन्य देशों से सामान मंगा सकते हैं। अमेरिका चाहता है कि उसके डेयरी प्रोडक्ट्स (जैसे दूध, पनीर, घी आदि) को भारत में आयात की अनुमति मिले। अमेरिकी कंपनियां दावा करती हैं कि उनका दूध स्वच्छ और गुणवत्ता वाला है और भारतीय बाजार में सस्ता भी पड़ सकता है।

मोदी की स्पीच की 3 बड़ी बातें, कहा- हमने किसानों को आत्मबल दिया

- **स्वामीनाथन ने देश की खाद्य सुरक्षा को जीवन का ध्येय बनाया:** कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जिनका योगदान किसी एक युग या किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं होता। प्रो एमएस स्वामीनाथन ऐसे ही एक महान वैज्ञानिक थे। उन्होंने विज्ञान को जनसेवा का माध्यम बनाया। स्वामीनाथन ने देश की खाद्य सुरक्षा को अपने जीवन का ध्येय बनाया। उन्होंने एक ऐसी चेतना जागृत की जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक भारत की नीतियों और प्राथमिकताओं का मार्गदर्शन करती रहेगी।
- **स्वामीनाथन ने मार्गदर्शन किया:** स्वामीनाथन के साथ मेरा जुड़ाव कई सालों पुराना है। बहुत से लोग गुजरात की पुरानी परिस्थितियों से परिचित हैं। पहले सूखे और चक्रवातों के कारण कृषि को काफी संकट का सामना करना पड़ता था और कच्छ में रेगिस्तान का विस्तार हो रहा था। जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब हमने मृदा स्वास्थ्य कार्ड पर काम शुरू किया था। प्रो. स्वामीनाथन ने इसमें काफी रुचि दिखाई, उन्होंने खुलकर हमें सुझाव दिए और हमारा मार्गदर्शन किया। उनके योगदान के कारण इस पहल को जबरदस्त सफलता मिली।
- **किसानों के हित के लिए कई योजनाएं:** पीएम किसान सम्मान निधि से मिलने वाली सीधी सहायता ने छोटे किसानों को आत्मबल दिया है। पीएम फसल बीमा योजना ने किसानों को जोखिम से सुरक्षा दी है। सिंचाई से जुड़ी समस्याओं को पीएम कृषि सिंचाई योजना के माध्यम से दूर किया गया है। 10 हजार एफपीओएस के निर्माण ने छोटे किसानों की संगठित शक्ति बढ़ाई है।

राहुल गांधी का वोटर लिस्ट में गड़बड़ी का आरोप

भाजपा नेता बोले-कांग्रेस सांसद ने सारी हदें पार की

खड़गे ने कहा-ईसी सरकार का नुमाइंदा

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को वोटर लिस्ट में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। इस दौरान उन्होंने कई कर्नाटक, तमिलनाडु और हरियाणा में चुनाव आयोग पर बीजेपी के साथ देने का दावा भी किया। इसको लेकर राहुल ने दिल्ली के इंदिरा भवन ने 1 घंटे 11 मिनट के प्रजेंटेशन दिया। अब इसको लेकर राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है।

बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने राहुल के बयानों को गैर-जिम्मेदाराना बताया और कहा कि वो एक संवैधानिक संस्था पर शर्मनाक टिप्पणी कर रहे हैं, उन्होंने सारी हदें पार कर दी है। वहीं, महाराष्ट्र के ष्टरू देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उनकी हार्ड डिस्क करप्ट हो गई है। इधर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पहले ईसीआई जबाव देता था, आज जब कोई ईसी से सवाल पूछता है तो वो जवाब नहीं बल्कि सत्ता पक्ष के नुमाइंदे की तरह उलटे इल्जाम लगाता है, विपक्षी पार्टियों की मांगों पर गौर किये बिना केवल अनर्गल बयानबाजी करता है। इंडिया गठबंधन के सांसदों ने भी राहुल का समर्थन किया है। समाजवादी

पार्टी के सांसद आनंद भदौरिया ने कहा कि भाजपा वोटर लिस्ट में गड़बड़ी करके ही चुनाव जीतती है। राहुल ने डेटा के साथ इसे रखा है। सीपीआई सांसद पी. संतोश कुमार ने कहा कि राहुल गांधी के आरोप पूरे विपक्ष की ओर से हैं। चुनाव आयोग भाजपा को सपोर्ट कर रहा है।

राहुल के आरोपों पर नेताओं की बयानबाजी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे: एक वक्त था जब भारत के चुनाव आयोग की वाहवाही पूरे विश्व में होती थी। कितने ही देश हमारे चुनाव आयोग से निष्पक्ष चुनाव करवाने करने की ट्रेनिंग लेते थे। जब कोई राजनीतिक दल चुनाव आयोग से सवाल पूछता था वो संविधान की मर्यादा के दायरे में उसका जवाब या स्पष्टीकरण देते थे। उन्होंने कहा, आज जब कोई ईसी से सवाल पूछता है तो वो जवाब नहीं बल्कि सत्ता पक्ष के नुमाइंदे की तरह उलटे इल्जाम लगाता है, विपक्षी पार्टियों की मांगों पर गौर किये बिना केवल अनर्गल बयानबाजी करता है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस- देश या महाराष्ट्र में कहीं भी वोटों की चोरी नहीं हुई है। राहुल गांधी के दिमाग की चिप चोरी हो गई है और उनकी हार्ड डिस्क करप्ट हो गई है। राहुल गांधी अपनी हार को छिपाने के लिए झूठ फैला रहे हैं। उन्हें पता है कि भविष्य में भी हार का सामना करना पड़ेगा, इसलिए वह संवैधानिक संस्थाओं की छवि खराब कर रहे हैं।

आरोपों की गंभीरता के आधार पर जेल में रखना गलत...

हाईकोर्ट ने कहा- महिला एक युवा मां, उस पर बच्चे की देखभाल की जिम्मेदारी; जमानत दी

बढ़ता राजस्थान

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने उदयपुर में दो साल पहले हुई 2 बुजुर्ग बहनों की हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी मारिया (32) को जमानत दी है। कोर्ट ने कहा- महिला एक युवा मां है, जिस पर अपने 5 साल के बच्चे की देखभाल की जिम्मेदारी है। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता (मारिया) की युवावस्था, सामाजिक-राजनीतिक प्रभाव की कमी और मुकदमे में बाधा डालने के किसी भी इरादे या कार्रवाई के अभाव को देखते हुए। उसे केवल आरोपों की गंभीरता के आधार पर जेल में रखना अनुचित होगा। दरअसल, मारिया पिछले दो साल से जेल में बंद थी। इससे पहले मारिया की ओर से पूर्व में दायर जमानत याचिका को कोर्ट ने गत 19 दिसंबर को खारिज कर दिया था। घटना उदयपुर के अंबामाता थाना क्षेत्र के नवरत्न कॉम्प्लेक्स स्थित डायमंड कॉलोनी की है। राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस फरजंद अली ने अपने जजमेंट में सीआरपीसी की धारा 439 के तहत दायर इस याचिका पर यह आदेश 4 अगस्त को दिया। कोर्ट ने कहा- महिला एक युवा मां है, जिस पर अपने 5 साल के बच्चे की देखभाल की जिम्मेदारी है।

जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी को ज्ञापन देकर बकाया कमीशन दिलाने की मांग

बढ़ता राजस्थान

पावटा (सुशील कुमार बंसल)। राजस्थान राज्य अधिकृत राशन विक्रेता संघ के पावटा कार्यकारिणी सदस्यों ने कोटपूतली–बहरोड़ जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी को ज्ञापन देकर 08 माह से लंबित बकाया कमीशन दिलाने की मांग की है। पावटा राशन डीलर संघ के अध्यक्ष कृष्ण जाट ने बताया कि पावटा उपखंड क्षेत्र के राशन डिलर विक्रेता का 08 माह का कमीशन बकाया चल रहा है और कमीशन नहीं मिलने की स्थिति में उनके परिवार का पालन–पोषण करना मुश्किल हो रहा है और उनकी आर्थिक स्थिति खराब हो रही है। राशन डीलरों ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि दुकान का किराया और पल्लेदारी देना मुश्किल हो रहा है, क्योंकि उन्हें कमीशन नहीं मिल रहा है, पहले पल्लेदारी का खर्च टांसपोर्ट कंपनी द्वारा वहन किया जाता था, लेकिन अब राशन डीलरों को खुद पल्लेदारी देनी पड़ रही है। आवेदन देने वालों में संघ के अध्यक्ष कृष्ण जाट, उपाध्यक्ष शिम्भू दयाल यादव पाथरेड़ी, नन्द सिंह भैंसलाना, रोहिताश स्वामी भूरीभड़ाज और प्रदीप सिंह भौनावास शामिल हैं।

मुलनायक शांतिनाथ जिन पर होगा 108 कलश का अभिषेक कल

बढ़ता राजस्थान

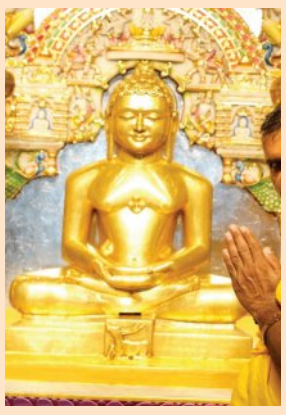

उदयपुर, (नि.स.)। रक्षाबंधन पूर्णिमा पर ध्यानोदय तीर्थ बॉलीचा में 108 विशेष कलशों से मूलनायक शांतिनाथ जिन भगवान पर 9 अगस्त को अभिषेक किया जायेगा। ट्रस्ट के चेयरमैन ओम गोदावत ने बताया कि कलशों में सर्व प्रकार की ओशोधी का पर्यावरणरक्षा हेतु 61चंपा पौधें एवं जीवन मे रोग का नाश करने हेतु इस महा अभिषेक किया जायेगा। गणिनि गुरु माँ 105 श्री सुप्रकाश मति मताजी के विशेष निर्देश से इस बार ध्यानोदय तीर्थ बॉलीचा उदयपुर का रक्षाबंधन होगा। जैन इतिहास में गुरु रक्षा का पर्व है उस अनुसार गुरु माँ ने निर्देश दिया है की गुरु के साथ पर्यावरण की भी रक्षा महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रकृति से ही मनुष्य की रक्षा सम्भव है। इस लिए तीर्थ के मुख्य द्वार पर 61 चम्पा वृक्ष का वृक्षारोपण किया जायेगा और सभी के जीवन मे जो पुण्य कम होने पर रोग उत्पन्न होते है उन रोग के नाश के लिए अतिशय कारी कामधेनु शांति नाथ बॉलीचा प्रतिमा पर सर्ब प्रकार की ओशोधी का एक कलश करने सेरोग नाश करने का पुण्य बनता है और विशेष साधु साध्वी रक्षा हेतु पूजन एवं रक्षा सूत्र जिन मंदिर के द्वार पर बंधन किया जायगा।

इस हेतु कई श्रावक श्राविका ने अपने कलश एवं वृक्ष पूर्व ही आरक्षण करवा दिया है। यह आयोजन 9 अगस्त को प्रात: 7 बजे प्रारम्भ होगा एवं 9 बजे वृक्षारोपण होगा।

ट्रस्ट के चेयरमैन ओम गोदावत के अनुसार इस आयोजन मे शहर के कई गण मान्य एवं अखिल भारतीय सुप्रकाश ज्योति मंच उदयपुर के सभी सदस्य उपस्थित रहगे। अध्यक्ष सुरेश डागरिया के अनुसार यह आयोजन मे विशेस सहयोगी विनोद रजावत परिवार है!इस के सयोजक बादामी लाल चित्तोड़ा ने बताया की मुख्य सड़क उदयपुर अहमदाबाद के रोड पर यह वृक्षारोपण किया जायगा।

खातेदारों को आवाप्त भूमि का मुआवजा प्रक्रिया शुरू हुयी

बढ़ता राजस्थान

हिंडौन सिटी (अंशु गुप्ता)। कोटा– मथुरा रेल्वे समपार फाटक संख्या198 सिकरौदा मीणा फाटक संख्या199 झारेडा रोड,फाटक संख्या 208 सूरौठ–धंधावली धुरसी फाटक पर निर्माण किये जा रहे रेल्वे ऑवरब्रिज में आ रही भूमि को आवाप्त किये जाने से प्रशासन ने.खातेदारों को आवाप्त भूमि का मुआयना प्रक्रिया शुरु.कर दी हैं ।एसडीएम हेमराज गुर्जर ने बताया कि राजस्थान भूमि अर्जन पुर्नवासन एवं पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के तहत निर्धारित की गई मुआवजा राशि का भुगतान भूमि अवाप्ति अधिकारी के निर्देश से खातेदारों की ओवरब्रिज निर्माण मेआवाप्त की जा रही भूमि का मुआवजा. प्रक्रिया शुरू कर दी हैं। उक्त प्रयोजन से संबंधित ऐसे खातेदार जिनके द्वारा मुआवजा राशि प्राप्त किये जाने के संबंध में आवेदन कार्यालय भूमि अवाप्ति अधिकारी व उपखण्ड अधिकारी हिण्डौन में जमा नहीं कराया गया है। ऐसे खातेदार अतिशीघ्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ कार्यालय में उपस्थित होकर आवेदन जमा करायें। ताकि मुआवजा राशि खातेदार के बैंक खाते में जमा की जा सके।

नई शिक्षा नीति पर शिवा स्मार्ट कॉलेज में विचार मंथन

बढ़ता राजस्थान

साहवा (कृष्ण कुमार)। कस्बे में संचालित शिव स्मार्ट पीजी कॉलेज में भारत सरकार द्वारा लागू नई शिक्षा नीति 2020 के बदलावों पर चर्चा कर विवार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। गुरुवार को शिवा स्मार्ट कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में भारत सरकार द्वारा लागू की गई नई शिक्षा नीति 2020 के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजिक कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालय साहवा के प्राचार्य नरेश भारी और सहायक आचार्य पवन द्वारा विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति में व्यावहारिक शिक्षा के साथ कौशल शिक्षा के विकास पर भी ध्यानाकर्षित करवाया गया और व्यवहारिक शिक्षा के साथ साथ कौशल शिक्षा के द्वारा भी विद्यार्थी जीवन में अनेक बदलाव लाए जाने पर संवाद कर विद्यार्थीयो को जानकारी दी गई। इस अवसर पर महाविद्यालय निदेशक महिपतराम सहारण, सहायक निदेशक धनेसिंह, सहायक आचार्य बेगराज रुलानिया, केशरीचंद सांकरोत, रामप्रताप, गजानंद पूनिया, सुभाष सैनी उपस्थित आदि रहे। मंच संचालन लीलाधर प्रजापत द्वारा किया गया।

विराटनगर में स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

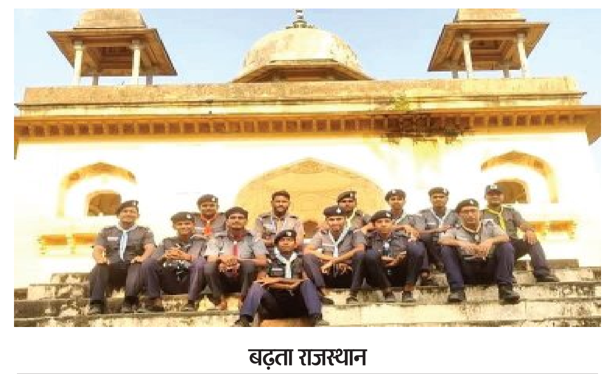

बढ़ता राजस्थान

पावटा (सुशील कुमार बंसल)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संघ विराटनगर के तत्वाधान में कपासन माता मंदिर बाणगंगा में आयोजित पांच दिवसीय जिला स्तरीय राज्य पुरूस्कार स्काउट–गाइड प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन प्रतिभागियों को विराटनगर के प्रमुख ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण करवाया गया। इस शिविर में पावटा संघ के 35 स्काउट–गाइडों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और ऐतिहासिक स्थलों की महत्ता व विरासत से जुड़ी जानकारियाँ प्राप्त कीं। पावटा स्थानीय संघ के सचिव भवानी सिंह शेखावत ने बताया कि इस शिविर में स्काउट–गाइडों को विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिला, जिससे उन्हें अपने इतिहास, संस्कृति और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया जा सके। शिविर संचालक प्यारेलाल महला एवं शिविर संचालक सीताराम गुप्ता ने बताया कि हाइक के दौरान बालकों ने टीम भावना, अनुशासन, मार्गदर्शन और खोजपरक दृष्टिकोण के साथ सीखने का अनुभव प्राप्त किया। शिविर का उद्देश्य स्काउट–गाइडों को राज्य पुरस्कार से संबंधित पाठ्यक्रम, नेतृत्व क्षमता, प्राथमिक उपचार, पायनियरिंग, दिशा और कंपास, आपदा प्रबंधन जैसे विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। शिविर में कोटपूतली स्थानीय संघ के सात स्काउट भी सम्मिलित हो रहे हैं। कोटपूतली स्थानीय संघ के सचिव रामवीर यादव ने बताया कि शिविर 04 अगस्त से प्रारम्भ होकर 08 अगस्त तक चलेगा।

राजकीय जिला अस्पताल का एडिशनल सीएमएचओ डॉ. बी.एल. मीना औचक किया निरीक्षण

जिला अस्पताल मे गंदगी से जताई नाराजगी

बढ़ता राजस्थान

हिंडौन सिटी (अंशु गुप्ता)। गुरुवार को चिकित्सा विभाग भरतपुर के संयुक्त निदेशक कार्यालय से एडिशनल सीएमएचओ डॉ. बी.एल. मीना ने राजकीय जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने करीब दो घंटे तक अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया और गंदगी की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की।

निरीक्षण के दौरान डॉ. बी एल मीना ने मेडिकल वार्ड, सर्जिकल वार्ड, आईसीयू, लेबर रूम, पीएनसी वार्ड और ओपीडी कक्ष का जायजा लिया। उन्होंने देखा कि मेडिकल वार्ड और पीएनसी वार्डों में एक पलंग पर दो से तीन मरीज भर्ती हैं। इस स्थिति को देखते हुए उन्होंने 48 घंटे के बजाय 24 घंटे में मरीजों को डिस्चार्ज करने का प्रावधान बनाने के निर्देश दिए।अस्पताल में सफाई व्यवस्था, वार्डों में क्षमता से अधिक रोगियों का भार और अटेंडेंस रजिस्टर में अनुपस्थित दिखे चिकित्सा कर्मियों के मुद्दे पर प्रमुख चिकित्सा अधिकारी (पीएमओ) को आवश्यक निर्देश दिए गए।इस अवसर पर प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. पुष्पेंद्र गुप्ता ने एडिशनल सीएमएचओ को बताया कि जिला अस्पताल में पुराने कमरों और क्वार्टरों की जीर्ण–शीर्ण हालत की मरम्मत के लिए कई वर्षों से फंड नहीं मिला है। निरीक्षण के बाद पीएमओ कक्ष में चिकित्सा अधिकारियों के साथ बैठक भी की गई।

अग्रसेन महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में भारत सरकार की स्वच्छता अभियान के तहत हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

हिंडौन सिटी (अंशु गुप्ता)। गुरूवार को श्री अग्रसेन महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में भारत सरकार की स्वच्छता अभियान के तहत हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. राजकुमार गोयल ने बताया कि यह कार्यक्रम उपखंडअधिकारी हेमराज गुर्जर नगर परिषद के आयुक्त एवं असिस्टेंट इंजीनियर अरविंद कुमार मीना कनिष्ठ अभियंता टीना शर्मा स्व्रुस इंजीनियर महेश जाटव के निर्देशन में हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत महाविद्यालय की छात्राओं ने हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता अभियान के तहत रंगोली प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. ताराचंद, डॉ. मनोज, डॉ. तपन, सुनीता शर्मा, आशा गुप्ता, नवीन माथुर, धर्मेंद्र शर्मा, आशुतोष गुप्ता, गोपाली मंगल नंदू एवं शैक्षिक और अशैक्षिक स्टॉफ आदि उपस्थित रहे।

एक परिवार को तीर्थ यात्रा पर जाना पड़ा भारीचोरों ने सूने मकान ताला तोड़ चुराई नकदी और जेवरात

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। श्याम नगर थाना इलाके में एक परिवार को घर सूना छोड कर तीर्थ यात्रा पर जाना उस समय भारी पड गया,चोरों ने सूने मकान में घुसकर लाखों रुपए कीमत के सोने—चांदी के जेवरात सहित नकदी चोरी कर ले गए। तीर्थ यात्रा से लौटने के बाद वारदात का पता चलने पर पीड़ित थाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि श्याम नगर के कटेवा नगर की रहने वाली चांद देवी (66) ने मामला दर्ज करवाया है कि वह मकान का ताला लगा कर तीर्थ यात्रा पर गई हुई थी। पीछे से बदमाशों ने चोरी की नीयत से सूने मकान का ताला तोड़कर बदमाश अंदर घुसे। अलमारी–बक्से में रखे लाखों रुपए के सोने–चांदी के जेवरात और हजारों रुपए चोरी कर ले गए। गत दिनों पहले वापस लौटने पर मेन गेट का ताला टूटा मिला और सारा सामान बिखरा मिलने पर चोरी की सूचना पुलिस को दी । सूचना पर मौके पर पहुंचकर पुलिस ने सबूत जुटाए। साथ ही वारदात स्थल के आस–पास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगाला जा रहा है।

प्रागपुरा में अखंड शिव जलधारा व रामधुनी पाठ का समापन क्षेत्रवासियों के सुख–शांति और समृद्धि की कामना

बढ़ता राजस्थान

प्रागपुरा (सुशील कुमार बंसल)। कस्बे के प्राचीन नागाजी मंदिर में एक माह से चल रही भगवान शंकर की अखंड शिव जलधारा व रामधुनी पाठ का विधिवत समापन किया गया। इस अवसर पर आयोजित विशाल भंडारे में गुरूवार को हजारों श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम मंदिर महंत संतदास महाराज के सान्निध्य में ढाणी जाज्यावाली के सामूहिक जन सहयोग से आयोजित हुआ। इस अवसर पर महंत संतदास महाराज ने क्षेत्रवासियों को सुख–शांति और समृद्धि की कामना के लिए आशीर्वाद दिया।

उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ की कृपा से क्षेत्र में सुख–शांति और समृद्धि बनी रहेगी। महिलाओं ने भी भगवान शंकर की भक्ति में लीन होकर भजन किर्तन कर माहौल को भक्तिमय बनाये रखा। इस दौरान मातादीन सैनी, गाडाराम सैनी, किशन लाल सैनी, रामजीलाल सैनी, ताराचंद सैनी, बल्लीचंद सैनी, अर्जुन सैनी, मालीराम सैनी, मनोज स्वामी, महावीर सैनी, गोलू सैनी, रितिक स्वामी, नरेश सैनी समेत अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने मिलकर भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की और क्षेत्र की सुख–शांति और समृद्धि की कामना की। यह आयोजन एकता और भक्ति का प्रतीक है, जिसमें क्षेत्र के लोगों ने बड़ी शिद्दत से भाग लिया।

जीवन ज्योति फाऊंडेशन के रक्तदाता राजवीर डागुर चिनायटा ने रक्तदान कर बचाई जान

बढ़ता राजस्थान

हिंडौन सिटी (अंशु गुप्ता)। एक मरीज सोनिया चौवदार ब्लड ग्रुप ए पॉजिटिव हीमोग्लोबिन 4 ग्राम रक्त के अभाव में जिंदगी और मौत से जूझ रही थी यह खबर जैसे ही जीवन ज्योति फाउंडेशन के संचालक ओमी भैया व सदस्य हरेंद्र चौधरी को लगी उन्होंने इस खबर को जीवन ज्योति फाउंडेशन के व्हाट्सएप ग्रुप पर वायरल किया इस संदेश को देखकर टीम जीवन ज्योति फाउंडेशन के सदस्य राजवीर डागुर चिनायटा पूर्व सांसद डॉ मनोज राजोरिया के द्वारा रक्तदाताओं को भेंट की गई जीवन रक्षक एम्बुलेंस से करौली पहुंचे और सोनिया चौवदार को रक्तदान कर जान बचाई मरीज के परिवारजनों ने रक्तदाता का आभार व्यक्त किया एवं सांसद साहब के द्वारा इस मुहिम को संचालित रखने के लिए भेंट की गई एंबुलेंस के लिए भी मरीज के परिजनों ने आभार जताया।

दिवाकर मोटर्स, उदयपुर में लॉन्च हुई नई रेनो ट्राइबर– डिजाइन, फीचर्स और परफॉर्मेंस में बड़े बदलाव

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर, (नि.स.)। चार पहिया वाहन निर्माता रिनोल्ट कंपनी ने नई रेनो ट्राइबर को एक नए अवतार में गुरुवार को दिवाकर मोटर्स, उदयपुर पर लॉन्च कर कॉम्पैक्ट एमपीवी सेगमेंट में हलचल मचा दी। इस अवसर पर ज्ञानदेव विश्वकर्मा (प्रादेशिक परिवहन अधिकारी), मुकेश (परिवहन निरीक्षक), जीतेन्द्र आर्य ने इसे ग्राहकों के लिये जारी किया। ग्राहक नई रेनो ट्राइबर की बुकिंग अब दीवाकर मोटर्स, उदयपुर के शोरूम पर कर सकते हैं।

दिवाकर मोटर्स के निदेशक राजीव नामजोशी ने बताया कि नई ट्राइबर का डिजाइन पूरी तरह नया है और इसमें कई प्रीमियम बदलाव किए गए हैं, जो इसे और भी स्टाइलिश, आरामदायक और सुरक्षित बनाते हैं।

इसे नए मॉडल में 35 से अधिक फीचर्स को जोड़ा गया है। एक्सटीरियर में नए एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप्स, क्रूसे, एलईडी टेल लैंप्स, फॉग लैंप्स और 6 मोनोटोन तथा 3 डुअल टोन कलर ऑप्शन उपलब्ध हैं। इंटीरियर में नया डैशबोर्ड, नया इंटीरियर हार्मोनी और प्रीमियम सीट अपहोल्स्ट्री दी गई है। नई सीट फैब्रिक स्पोर्टी ऑल ब्लैक और ग्रेज अपहोल्स्ट्री के साथ आती है, जिससे केबिन का लुक शानदार बनता है। सुरक्षा के मामले में नई ट्राइबर अब अपने सेगमेंट में सबसे आगे है। इसमें 6 एयरबैग्स, ईएसपी, टीपीएमएस, ईबीडी, आईसेफिक्स चाइल्ड सीट एंकर और सभी सीटों के लिए 3–पॉइंट सीट बेल्ट्स दिए गए हैं। रेनॉल्ट

की ओर से यह दावा किया गया है कि नई ट्राइबर ने 200 किलोमीटर तक की थकान टेस्टिंग, 834 कंपोनेंट्स की वैलिडेशन और 100 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय टेस्टिंग सत्र पास किए हैं। नई ट्राइबर 1.2 लीटर इंजन के साथ 72एचपी की पावर और 96 एनएम का टॉर्क देती है। यह 5–स्पीड मैनुअल औरईजी व आरमेट ट्रांसमिशन में उपलब्ध है। नई पावरट्रेन के साथ गाड़ी की परफॉर्मेंस, ईंधन दक्षता और ड्राइविंग अनुभव में काफी सुधार हुआ है। कंपनी के अनुसार, नई ट्राइबर ने 7 से अधिक वर्षों की इंजीनियरिंग रिसर्च, सैकड़ों किलोमीटर रोड टेस्टिंग और 350 से ज्यादा सिटी कंडीशन्स में परफॉर्मेंस टेस्ट पास किया है। यह भारतीय सड़कों के लिए पूरी तरह उपयुक्त है।

दुष्कर्म का आरोपी युवक गिरफ्तार, न्यायालय के आदेश पर जेल भेजा

बढ़ता राजस्थान

साहवा (कृष्ण कुमार)। पुलिस थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला के साथ दुष्कर्म कर उसका अश्लील वीडियो बनाकर धमकी देने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर सक्षम न्यायालय में पेश कर जेल भिजवाया।

मामले की जानकारी देते हुए थानाधिकारी रामप्रताप ने बताया कि बीते रविवार को साहवा थाना क्षेत्र के एक गांव की विवाहिता ने अपने पति के साथ थाने में पहुंच कर मामला दर्ज करवाया कि 24 जुलाई को दिन में वह अपने घर पर अकेली थी उसी दौरान गांव धीरवास बड़ा निवासी सुभाष स्वामी जिसने अपने घर में एक मन्दिर बना रखा है और पुजा आदि का कार्य करता है। वह हमारे घर आया और मुझे कहा कि एक नारियल लेकर मेरे साथ मन्दिर चलो। तब मैंने कहा कि शाम को मेरे पति आ जाने पर अपने पति के साथ मन्दिर आ जाउंगी लेकिन उसने मुझे जबरदस्ती अपने बाइक पर बैठाकर मन्दिर ले गया और वहां उन्होंने मुझे प्रसाद दिया जिसके खाने के बाद मेरे शरीर में सुन सी हो गई उसके बाद युवक मुझे अपने घर लें जाकर मेरे साथ दुष्कर्म किया और मेरे अश्लील वीडियो भी बना लिए तथा युवक ने मुझे धमकाते हुए कहा कि इसके बारे में किसी को बताने पर वीडियो वायरल कर तुझे बदनाम कर दूंगा। पीड़िता ने आरोप लगाया कि एक बार तो वीडियो वायरल करने की

धमकी से मैं घबरा गई, लेकिन उसके बाद घटना के बारे में अपने पति को बताने पर मेरे पति ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज करवाने को कहा। थानाधिकारी ने बताया कि पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोप संबंधित अपराध की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया जिसकी जांच तारानगर पुलिस उप अधीक्षक रोहित सांखला कर रहे हैं और जांच के दौरान गुरूवार को आरोपी 37 वर्षीय गांव धीरवास बड़ा निवासी सुभाष स्वामी को गिरफ्तार कर सक्षम न्यायालय में पेशकर जेल भिजवा दिया गया।

खत्म हुआ बरसों का इंतजार...नागरिकता के साथ मिली पहचान

जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने 10 पाक विस्थापितों को सौंपे नागरिकता प्रमाण पत्र

- जयपुर जिला प्रशासन अब तक 340 पाक विस्थापितों को सौंप चुका है भारतीय नागरिकता
- भारत की नागरिकता मिली तो खिले पाक विस्थापितों के चेहरे, छलके खुशी के आंसू
- जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की मौजूदगी में आयोजित हुआ समारोह

बढ़ता राजस्थान

जयपुर,(का.स.)। मुख्यमंत्री पाक विस्थापितों के हक-हकूक एवं मांगों को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा काफी संवेदनशील है। मुख्यमंत्री के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिला प्रशासन पाक विस्थापितों को नियम एवं पात्रता अनुसार भारतीय नागरिकता प्रदान कर रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की इसी संवेदनशीलता के चलते बरसों से भारतीय नागरिकता के लिए प्रयास कर रहे 10 पाक विस्थापितों के लिए गुरुवार का दिन खुशियां लेकर आया।

जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने गुरुवार को आयोजित समारोह में 10 पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता का प्रमाण पत्र सौंपा। जोगाराम पटेल ने संगीता, हरिचंद, चमेली बाई, मुकेश कुमार,कलियां देवी, कंवर लाल, संतोष कुमार,सुनित कुमार, श्रीमती राजकुमारी एवं सुश्री खिआना माहेश्वरी को नागरिता प्रमाण पत्र सौंपे।

भारतीय नागरिकता प्राप्त करने वाले पाक विस्थापितों को शुभकामनाएं देते हुए प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि आज का दिन उन सभी पाक विस्थापित भाइयों-बहनों के लिए एक ऐतिहासिक और भावनात्मक क्षण है, जिन्होंने वर्षों तक अपने अधिकारों और पहचान की प्रतीक्षा की। भारतीय नागरिकता प्राप्त कर अब आप विधिवत रूप से इस महान राष्ट्र का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं।

यह नागरिकता केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत माता की गोद में मिला सम्मान, आत्मविश्वास और आत्मगौरव है। हमारी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र के साथ समर्पित भाव से कार्य कर रही है। मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि आप सभी भारत की उन्नति और समरसता में सक्रिय भागीदार बनेंगे। वहीं, अरसे बाद नागरिकता प्रमाण पत्र मिलने पर पाक विस्थापितों की आंखें छलक आईं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए कहा कि बरसों की बेमुल्क ज़िंदगी के बाद अब हमें अपनी मिट्टी से कानूनी पहचान मिली है, आज कई सालों का लंबा इंतजार खत्म हुआ है और आज हम फक्र के साथ कह सकते हैं कि हम भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकता का प्रमाण नहीं होने के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ भी उन्हें नहीं मिल पा रहा था लेकिन अब भारतीय नागरिकता मिलने के बाद ना केवल उन्हें पहचान मिली है बल्कि अब सरकारी योजनाओं की मदद से वे अपने परिवार का भरण पोषण बेहतर तरीके से कर पाएंगे।

यूनानी चिकित्सा पद्धति की और कैंसर, थैलीसेमिया और सेरेब्रल एट्रॉफी के रोगी आने अग्रसर-डॉ लियाक़त अली मंसूरी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। वर्तमान में कैंसर , थैलेसीमिया और सेरेब्रल एट्रॉफ़ी के रोगी कई तरह के इलाज कराने के बाद अब यूनानी चिकित्सा पद्धति की ओर आने लगे हैं । कैंसर , थैलेसीमिया और सेरेब्रल एट्रॉफ़ी के रोगियों को सिंप्टोमेटिक उपचार के साथ साथ उनको रोकथाम के लिये यूनानी उपचार करते हैं इससे बीमारी तो सही नहीं होती है लेकिन उसके साईड इफ़ेक्ट को कम किया जाता हैं जिससे रोगी को राहत मिलती हैं और वे अपने जीवन यापन के कार्य पूरा करते हैं । मोहम्मद शरीफ नाम के व्यक्ति को थैलेसीमिया था उसका हिमोग्लोबिन 8 ग्राम प्रति डेसीलीटर से अधिक कभी नहीं हुआ था लेकिन यूनानी चिकित्सा से इस रोगी का हीमोग्लोबीन 11.5 ग्राम प्रति डेसीलीटर तक पहुँच गया है जिससे रोगी राहत भरी जिंदगी गुज़ार रहा है । इस तरह से कई रोगी है जिनका उपचार नहीं होने पर वे यूनानी चिकित्सा पद्धति की ओर अग्रसर हो रहें हैं।

डॉ लियाक़त अली मंसूरी
(यूनानी चिकित्सक एवं हिजामा थैरेपी स्पेशियलिस्ट)
सवाई मानसिंह अस्पताल, जयपुर (राज.)

स्तनपान सप्ताह के मौके पर कोकून हॉस्पिटल, जयपुर में विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। कोकून हॉस्पिटल, जयपुर में 1 से 7 अगस्त तक स्तनपान सप्ताह मनाया गया। इस दौरान महिलाओं के लिए जागरूकता सत्र रखें गए। डॉक्टर्स ने गर्भवती महिलाओं और हॉस्पिटल के स्टाफ को स्तनपान के फ़ायदे के प्रति जागरूक किया। सप्ताह भर के आयोजन में कई तरह की एक्टिविटी शामिल रहीं। गर्भवती महिलाओं के लिए स्तनपान कंसल्टेंट, पीडियाट्रिशियन, गाइनेकोलॉजिस्ट और डाइटिशियन ने मिलकर शैक्षिक सत्र आयोजित किए, जिसमें स्तनपान के लाभ, सही तकनीक और माँ के पोषण पर जानकारी दी गई।

इस कार्यक्रम में बच्चों की देखभाल करने वाली नैनियों के लिए एक विशेष सत्र रखा गया, जिसमें उन्हें यह सिखाया गया कि वे माँ को स्तनपान में कैसे सहयोग कर सकती हैं। हॉस्पिटल के नर्सिंग स्टाफ के लिए भी जागरूकता सत्र आयोजित किए गए ताकि वे माताओं को बेहतर सहायता दे सकें। इसके अलावा नर्सिंग स्टाफ के लिए क्विज प्रतियोगिता और पोस्टर बनाने की गतिविधि कराई गई, जिसमें सभी ने उत्साह से भाग लिया। 7 अगस्त को समापन समारोह के दौरान प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार दिए गए और कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी को सराहना प्रमाण पत्र दिए गए।

कोकून हॉस्पिटल, जयपुर के यूनिट हेड डॉ. दिलशाद खान ने कहा कि, स्तनपान केवल एक नेचुरल प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह माँ और शिशु के बीच पहला और सबसे मजबूत रिश्ता होता है। यह बच्चे को संपूर्ण पोषण और सुरक्षा देता है और माँ के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। कोकून हॉस्पिटल का हमेशा से यह प्रयास रहा है कि माँ और बच्चे दोनों को संपूर्ण देखभाल और सहयोग मिले। इस तरह के आयोजन लोगों को जागरूक करने में मदद करते हैं और स्तनपान जैसे महत्वपूर्ण विषय पर खुलकर बात करने का मौका देते हैं।

ग्रामीण सड़कों की बदहाली पर ग्रामीणों ने पीडब्ल्यूडी अधीक्षण अभियंता को सौंपा ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम शुक्लावास के नेतृत्व में ग्रामीणों ने गुरुवार कोसार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता रामावतार कुमावत को एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में नारेहड़ा से पावटा (शुक्लावास होते हुए) और शुक्लावास से कांसली तक की ग्रामीण सड़कों की खस्ताहाल स्थिति पर ग्रामीणों ने गहरी नाराजगी जाहिर की।गौरतलब है कि इन सड़कों का निर्माण वर्ष 2016-17 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और स्छक्र योजना के तहत 58 करोड़ रुपये की लागत से हुआ था। उस समय इन सड़कों के निर्माण के लिए शुक्लावास गांव में 58 दिनों तकअनिश्चितकालीन धरना भी चला था।इन सड़कों की हालत बेहद खराब है। कई जगहों पर गहरे गड्ढे बन गए हैं और बारिश का पानी भर जाता है। इसके अलावा, शुक्लावास से कांसली तक की सड़क, जो हल्के वाहनों के लिए थी, उसे अल्ट्राप्राईम रोड़ी क्रेशर उद्योग के ओवरलोड ट्रकों ने पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया है।

ग्रामीणों की मुख्य शिकायतें-

- मीरापुर फॉर्म चौक से बेरी बांध तक सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।
- द्वारिकपुरा स्टैंड से नारेहड़ा तक सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बने हुए हैं।
- रामपुरा गांव में पानी भरने के कारण रोज छोटे वाहन फंस जाते हैं।
- खडब गांव में जल निकासी की सही व्यवस्था न होने से आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं।
- ट्रकों से सड़क पर गिरी बजरी, डस्ट और रोड़ी की वजह से सड़क के दोनों किनारे लगभग बंद हो गए हैं।ग्रामीणों ने मांग की है कि शुक्लावास से कांसली तक की सड़क पर भारी वाहनों की आवाजाही पर तुरंत रोक लगाई जाए।

जन आंदोलन की चेतावनी

राधेश्याम शुक्लावास ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द से जल्द इन सड़कों की मरम्मत नहीं की गई और ओवरलोड ट्रकों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो वे क्षेत्रीय जनता के साथ मिलकर सार्वजनिक निर्माण विभाग कार्यालय पर जन आंदोलन करेंगे।इस दौरान दलीप पहलवान, दीपक मीणा, संजय यादव, मालाराम यादव, राजेंद्र चौधरी सहित कई गांवों के ग्रामीण मौजूद रहे।

राजस्थान को जैविक और गौ आधारित राज्य घोषित करने की मांग, डॉ. अतुल गुप्ता के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

3,642 पंजीकृत गौशालाओं और 2.19 करोड़ गोवंश के आधार पर जैविक कृषि को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। डॉ. अतुल गुप्ता, राष्ट्रीय अध्यक्ष ऑर्गेनिक फार्मर प्रोड्यूसर एसोसिएशन ऑफ इंडिया एवं अंतरराष्ट्रीय संयोजक अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद के नेतृत्व में एक पाँच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में डॉ. गुप्ता के साथ मोनिका गुप्ता, सचिव हाह्नेमान चैरिटेबल मिशन सोसाइटी एवं अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं विषय विशेषज्ञ सम्मिलित रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपते हुए आग्रह किया कि वे राजस्थान सरकार से सिफारिश करें कि राज्य को जैविक और गौ आधारित राज्यघोषित किया जाए। ज्ञापन में जैविक खेती, गौ आधारित उद्योग और पर्यावरण संरक्षण के कई पहलुओं को रेखांकित किया गया।

ज्ञापन के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं-

- राजस्थान में 3,642 गौशालाएं पंजीकृत हैं जो देश में सर्वाधिक हैं।
- राज्य में 2.19 करोड़ गोवंश मौजूद हैं, जो जैविक खेती का मजबूत आधार बन सकते हैं।
- राज्य की 1.79 करोड़ हेक्टेयर कृषि भूमि में से बड़ी मात्रा रासायनिक खेती से मुक्त है, जिसे आसानी से जैविक खेती में परिवर्तित किया जा सकता है।
- लाखों टन गोबर, गौमूत्र, वर्मी कम्पोस्ट, जीवामृत, बीजामृत जैसे जैविक घटकों का उत्पादन संभव है।
- गौशालाएं जैविक खाद, कीटनाशक, फसल वृद्धि उत्पाद बनाकर आत्मनिर्भरता और रोजगार का केंद्रबन सकती हैं।
- किसानों की आय में 50प्रतिशत तक की वृद्धि संभव है, साथ ही रासायनिक लागत में भी भारी कमी आएगी।

डॉ. अतुल गुप्ता ने कहा कि राजस्थान की धरती, गाय और किसान तीनों हमारी धरोहर हैं। यदि नीति-निर्माता सही दिशा में पहल करें, तो हम राजस्थान को न केवल जैविक राज्य बना सकते हैं, बल्कि उसे विश्व स्तर पर एक प्रेरणादायक मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्रतिनिधिमंडल में सम्मिलित प्रमुख सदस्य-डॉ. अतुल गुप्ता, अंतरराष्ट्रीय संयोजक, अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद,मोनिका गुप्ता, सचिव, हाह्नेमान चैरिटेबल मिशन सोसाइटी अन्य प्रतिनिधि वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं विषय विशेषज्ञ ।

जो हुकूमत इंसाफ पसंद नहीं होती उसका चलना मुश्किल : मौलाना फजलुर्रहीम

वक्फ संशोधन कानून का देशभर में हो रहा विरोध का सिलसिला जारी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। हाल ही किए गए वक्फ संशोधन कानून का देशभर में विरोध का सिलसिला जारी है। इस विरोध-प्रदर्शन और अभियान की कमान देश के प्रमुख मुस्लिम संगठन ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, जमाअत-ए-इस्लामी हिंद, जमीयतुल उलेमा-ए-हिंद जैसे संगठनों ने संभाल रखी है। वहीं इनका एक साझा अभियान 'वक्फ बचाओ, संविधान बचाओ' के नाम से देशभर में चलाया जा रहा है। इसी सिलसिले की कड़ी के तहत गुरुवार को यहां ग्रांड इंडियाना रेस्टोरेंट में एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना फजलुर्रहीम मुजद्दिदी, ह्यवक्फ बचाओ, संविधान बचाओ अभियान के संयोजक डॉ. कासिम रसूल इलयास, जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के प्रदेशाध्यक्ष मुहम्मद नाजिमुद्दीन, जमीयतुल उलेमा-ए-हिंद के प्रदेश उपाध्यक्ष हाफिज मंजूर अली खान, एसडीपीआई के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. शहाबुद्दीन सहित अन्य कई पदाधिकारी शामिल हुए। बोर्ड के राष्ट्रीय महासचिव मौलाना फजलुर्रहीम मुजद्दिदी ने कहा कि हुकूमतों को बदल-इंसाफ पसंद होना चाहिए, नाइंसाफी और जुल्मों-ज्यादती लंबे वक्त तक नहीं चलती है। उन्होंने देश में मुगल काल, अंग्रेजों के राज से लेकर वर्तमान सरकारों के कई उदाहरण देते हुए संदर्भित मामले में विस्तार से प्रकाश डाला। मौलाना मुजद्दिदी ने कहा-जो हुकुमत इंसाफ पसंद नहीं होती वो अधिक समय तक नहीं चलती है, ऐसी सरकार का अंत अवश्य होता है।

वक्फ संशोधन अधिनियम भेदभावपूर्ण -कासिम रसूल

डॉ . कासिम रसूल इलयास ने कहा कि आज तक जितने भी वक्फ संशोधन हुए है उनसे पहले कम्यूनिटी से राय आवश्यक रूप से ली जाती रही है, किंतु वर्तमान में केंद्र सरकार ने इस संदर्भ में समाज को पूरी तरह अजरअंदाज किया है। वे बोले-केंद्र सरकार द्वारा एक तरफा पारित किए गए वक्फ अधिनियम में हाल ही में किए गए संशोधन भेदभावपूर्ण और असंवैधानिक हैं।

ये भी रहे उपस्थित

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और ह्यवक्फ बचाओ, संविधान बचाओ अभियान कमेटी की ओर से यहां आयोजित एक मिटिंग में विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी भी शामिल रहे। इस दौरान अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष केसी घुमरिया, अंजुमन तालिमुल मुसलेमीन के सचिव शब्बीर खान, राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फ्स के पूर्व सदस्य एवं मुस्लिम मुसाफिर खाना प्रबंध कमेटी के सचिव शौकत कुरैशी, जामा मस्जिद कमेटी के पूर्व सदर नईमुद्दीन कुरैशी, दलित-मुस्लिम एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल लतीफ आरको, प्रोफेसर एम हसन, इसाई मिशनरी के फादर विजय, वेलफेयर पार्टी ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष वकार अहमद खान आदि मौजूद रहे।

सुभासपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने सीएम भजनलाल शर्मा को पत्र लिख की सुरक्षा की मांग

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओपी राजभर ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को एक पत्र लिखकर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को जान का खतरा होने की बात कही है। उन्होंने पत्र के माध्यम से पार्टी के प्रदेश प्रभारी सुभाष चंद्र यादव और प्रदेश अध्यक्ष जयप्रकाश राठौड़ को दो निःशुल्क सरकारी सुरक्षा गार्ड उपलब्ध करवाने की मांग की है। राजभर ने पत्र में उल्लेख किया है कि प्रदेश में पार्टी के विस्तार और आगामी निकाय चुनावों को लेकर उनकी सक्रियता बढ़ी है। जिससे कुछ असामाजिक तत्व उन्हें नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में प्रदेश प्रभारी व प्रदेश अध्यक्ष की सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है।

उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए। भजनलाल सरकार तत्काल प्रभाव से सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराए। सुभासपा की यह मांग राजस्थान की सियासत में एक नई चर्चा को जन्म दे सकती है। खासकर तब जब पार्टी राज्य में अपने जनाधार को बढ़ाने की कोशिश में जुटी है।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत हर घर उकेरे जा रहे देश भक्ति के रंग

जिले में तीन चरणों में वॉल पेंटिंग, तिरंगा रैली एवं रंगोली प्रतियोगिताओं सहित हो रहे विभिन्न आयोजन

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा एवं सरकार के निर्देशानुसार जिले में 02 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन कर आमजन में देशभक्ति की भावना का संचार करने के लिये विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी ने कहा कि यह अभियान सरकार द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुरू की गई एक पहल हैं। जिसके तहत लोगों को अपने घरों पर तिरंगा झंडा फहराने के लिये प्रेरित किया जाता है। इस अभियान का उद्देश्य देश भक्ति की भावना को प्रोत्साहित करना और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान को बढ़ावा देना है। सरकार से प्राप्त निर्देशों की अनुपालना में विभिन्न चरणों में शहर से लेकर कस्बों एवं गांवों तक तथा विद्यालयों में तिरंगा रैली, तिरंगा राखी वर्कशॉप, दीवारों पर तिरंगे की चित्रकारी, प्रभात फेरी, तिरंगा रंगोली, मांडणा, राखी एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिला कलक्टर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान के नोडल जिला परिषद एसीईओ महेंद्र सैनी एवं शहरी क्षेत्र में नोडल नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट अभियान के सफल आयोजन के लिये निरंतर मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

वॉलंटियर बन करें लोगों को देशभक्ति के प्रति जागरूक

जिला कलक्टर ने बताया कि तिरंगा वोलिंटियर्स कार्यक्रम के तहत जिले के सभी कार्मिक, आमजन, युवा, महिला, छात्र-छात्रायें आदि जो देशभक्ति के संबंध में आमजनता को जागरूक करना चाहते है, वे हर घर तिरंगा वेबसाईट पर वोलिंटियर्स के रूप में पंजीकरण करा सकते हैं। ऐसे वोलिंटियर्स आम जनता को देश की आजादी, देश भक्ति, तिरंगा का उद्देश्य, ध्वजारोहण, तिरंगा के साथ में हर घर तिरंगा पोर्टल पर सैल्फी अपलोड करने आदि के संबंध में आम जनता को स्थानीय भाषा में समझायेंगें। जिला कलक्टर ने अपील करते हुये कहा कि अधिक से अधिक संख्या में पंजीयन करें तथा अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वोलिंटियर्स अपने प्रमाण-पत्र हर घर तिरंगा पोर्टल से डाउनलोड कर सकेंगे।

उत्कृष्ट वोलिंटियर्स को खण्ड/जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया जायेगा।

तिरंगा झण्डों का किया वितरण

नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट के निर्देष पर घर घर व दुकानदारों को तिरंगा झंडों का वितरण किया गया। इस दौरान एक्सईएन दीपक मीणा, एएफओ सत्यनारायण वर्मा, जेईएन कृष्ण कुमार गुर्जर व भादर सिंह यादव, वरिष्ठ प्रारूपकार मोहन गुर्जर समेत अन्य मौजूद रहें।

सम्पादकीय

पीएम मोदी की चीन यात्रा, अविश्वास की खाई होगी कम?

ट्रंप तो केवल भारत से लेना ही चाहते हैं। उन्हें यह जल्दी समझ आ जाए तो अमेरिका और विश्व के लिए अच्छा कि आत्मविश्वास से भरे भारत को दबाया नहीं जा सकता। यदि भारत को अमेरिका की जरूरत है तो उसे भी हमारी आवश्यकता है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का चीन जाने का फैसला मात्र यह नहीं बता रहा कि भारत और चीन के बीच अविश्वास की खाई कुछ पटी है। यह इसका भी साफ संकेत है कि भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बेतुकी टैरिफ नीति और भारत विरोधी रवैये का अपने तरीके से जवाब देने की तैयारी कर रखी है। इसका प्रमाण राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल का तब रूस पहुंचना है, जब ट्रंप के विशेष दूत भी वहां गए हैं। ट्रंप के आगे न झुकने का स्पष्ट संदेश देना जरूरी था, क्योंकि वह अपनी हद पार कर गए हैं। वे मनमाना व्यापार समझौता करने के लिए भारत को चिढ़ाने, नीचा दिखाने और वर्षों की मेहनत से बने दोनों देशों के दोस्ताना संबंधों को ध्वस्त करने में जुटे हैं। यह अच्छा है कि भारत अपनी तरह से ट्रंप को बता रहा है कि बहुत हो चुका और अब उनकी मनमानी सहन नहीं की जाएगी। यदि अमेरिका सबसे शक्तिशाली देश है तो इसका यह मतलब नहीं कि भारत कुछ भी नहीं। ट्रंप को शायद यह सीखना शेष है कि दो देशों के संबंध बराबरी के आधार पर और कुछ ले-देकर ही बनते हैं। यह सही है कि अमेरिका से पीड़ित चीन भी भारत से संबंध सुधारना चाहता है, लेकिन इसकी अनदेखी बिल्कुल भी नहीं की जानी चाहिए कि वह भारतीय हितों के प्रति संवेदनशील नहीं। चीन अपने हितों की पूर्ति के लिए भारत का साथ तो चाहता है, लेकिन भारतीय हितों के खिलाफ काम करने से बाज भी नहीं आ रहा है। बात चाहे पहलगाम में आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान की भाषा बोलने की हो अथवा आपरेशन सिंदूर के दौरान उसकी खुले-छिपे रूप से मदद करने की, भारत को उस पर भरोसा नहीं करना चाहिए। बहुत दिन नहीं हुए जब एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में चीन ने बेशर्मी दिखाते हुए पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने वाले साझा बयान पर सहमति देने से इन्कार कर दिया था। इसके जवाब में भारत ने उस पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। चीन अरुणाचल प्रदेश और कश्मीर पर भी बेजा टिप्पणियां करता रहता है, लेकिन दलाई लामा पर भारत की उचित प्रतिक्रिया भी सुनने को तैयार नहीं। चीन से सावधान रहने में ही भलाई है। भारत के लिए यह तो आवश्यक है कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुचित दबाव में आने से इन्कार करे, लेकिन इसका यह अर्थ भी नहीं हो सकता कि वह चीन के साथ खड़ा हो जाए। सच तो यह है कि भारत को न तो चीन पर निर्भर होना चाहिए और न ही रूस पर। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का चीन जाने का फैसला मात्र यह नहीं बता रहा कि भारत और चीन के बीच अविश्वास की खाई कुछ पटी है। यह इसका भी साफ संकेत है कि भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बेतुकी टैरिफ नीति और भारत विरोधी रवैये का अपने तरीके से जवाब देने की तैयारी कर रखी है। इसका प्रमाण राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल का तब रूस पहुंचना है, जब ट्रंप के विशेष दूत भी वहां गए हैं। ट्रंप के आगे न झुकने का स्पष्ट संदेश देना जरूरी था, क्योंकि वह अपनी हद पार कर गए हैं। वे मनमाना व्यापार समझौता करने के लिए भारत को चिढ़ाने, नीचा दिखाने और वर्षों की मेहनत से बने दोनों देशों के दोस्ताना संबंधों को ध्वस्त करने में जुटे हैं।

आज का इतिहास
बढ़ता राजस्थान

8 अगस्त की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- फ्रांस ने 1549 में इंग्लैंड के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- डेनमार्क और स्वीडन में 08 अगस्त 1700 को शांति संधि पर हस्ताक्षर किए।
- जेनेवा में रेड क्रॉस की स्थापना 1864 में हुई।
- ए. टी. मार्शल ने 1899 में रेफ्रीजरेटर का पेटेंट करवाया।
- बोस्टन में पहले डेविस कप श्रृंखला की शुरुआत 1900 में हुई।
- रावलपिंडी संधि के तहत ब्रिटेन ने 1919 में अफगानिस्तान की आजादी को मान्यता दी।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 1942 में बम्बई (अब मुंबई) सत्र में 'भारत छोड़ो प्रस्ताव' पारित किया।
- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रुमैन ने 1945 में संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर हस्ताक्षर किए।
- द्वितीय विश्व युद्ध में सोवियत संघ ने 1945 मेर जापान के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- पाकिस्तान ने 1947 में अपने राष्ट्रीय ध्वज को मंजूरी दी।
- आजादी के बाद पहली बार केंद्र सरकार को 1967 में लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा।
- दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के समूह की स्थापना के लिए इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड की बैठक 1967 में आयोजित की गई।
- अफगानिस्तान में नौ साल के युद्ध के बाद रूसी सेना की वापसी 1988 में शुरू हुई।
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 1991 में उत्तरी और दक्षिण कोरिया की सदस्याता को मंजूरी दी।
- चीन और ताईवान के जनप्रतिनिधियों ने 1994 को सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- ताइवान आज़ाद होने के लिए 2002 में जनमत संग्रह योजना से पीछे हटा।
- पन्द्रह छोटे देशों ने 2003 में संयुक्त राष्ट्र संघ में ताइवान की सदस्यता का समर्थन किया।
- 2004 में जापान ने चीन को पराजित करके एशिया कप फुटबाल जीता।
- एक्सनाना गुसमाओ पूर्वी तिमोर के प्रधानमंत्री 2007 में बने।
- तिब्बत के गंसू प्रांत में 2010 को भारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन से 100 लोगों की मृत्यु हो गई तथा लगभग 2000 लोग लापता हो गए।
- तेजस्विनी सावंत 2010 को म्युनिख में आयोजित विश्व निशानेबाजी प्रतियोगिता के 50 मीटर की स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर यह उपलब्धि प्राप्त करने वाली प्रथम भारतीय महिला बनीं।
- पाकिस्तान के क्वेटा में 2013 को आत्मघाती हमले में 28 लोग मारे गए।

8 अगस्त को जन्मे व्यक्ति

- शास्त्रीय संगीत गायिका सिद्धेश्वरी देवी का जन्म 1908 में हुआ।
- भारतीय लेखक भीष्म साहनी का जन्म 1915 में हुआ।
- भारतीय चिकित्सा वैज्ञानिक वुलिमिरि रामालिंगस्वामी का जन्म 1921 में हुआ।
- भारतीय क्रिकेटर दिलीप सरदेसाई का जन्म 1940 में हुआ।
- प्रसिद्ध भारतीय राजनीतिज्ञ कपिल सिब्बल का जन्म 1948 में हुआ।
- बारहवीं और तेरहवीं लोकसभा के सदस्य प्रसन्न आचार्य का जन्म 1949 में हुआ।

विशेष आलेख

भारत...फिलीपींस की दोस्ती से चीन इतना क्यों परेशान है?

डिफेंस एक्सपर्ट लेफ्टिनेंट कर्नल (रि.) जेएस सोढ़ी के अनुसार, चीन की एक और कमजोर नस है फ्लिपींस। इसके साथ भी भारत के संबंध बेहतर हुए हैं। भारत-फ्लिपींस के बीच राजनयिक संबंध 1949 में कायम हुए थे। भारत मनीला में एक दूतावास रखता है, जबकि फ्लिपींस का नई दिल्ली में एक दूतावास है। फ्लिपींस और भारत के बीच 11 जुलाई 1952 को मैत्री संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे, जबकि दोनों देशों के बीच 5 अगस्त 2025 को एक रणनीतिक साझेदारी स्थापित हुई थी।

रामस्वरूप रावतसरे

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर भारत दौरे पर हैं। फ्लिपींस और चीन में सालों से तनातनी है। चीन के अनाधिकृत दावों से फ्लिपींस परेशान है। चीन ने दक्षिण चीन सागर में अपना दबदबा बढ़ा रखा है। अब भारत-फ्लिपींस ने रक्षा, सुरक्षा और समुद्री रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर फोकस किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के साथ द्विपक्षीय बातचीत के बाद 13 समझौतों और सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए बताए जा रहे है। दोनों देश सशस्त्र बलों के तीनों अंगों के बीच सहयोग को भी अंतिम रूप देने पर सहमत हुए हैं। दोनों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए भी प्रतिबद्ध हुए हैं।

दरअसल, चीन ने पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ मिलकर भारत घेरने की जो रणनीति बनाई है, अब उसी के काउंटर में भारत भी चीन के परंपरागत दुश्मनों जैसे ताइवान, दक्षिण कोरिया, वियतनाम और फ्लिपींस को साधने में लग गया है। दक्षिण चीन सागर (एससीएस) में भारत और फ्लिपींस मिलकर गश्त लगा रहे हैं, जिससे चीन को टेंशन होना स्वाभाविक है। भारतीय नौसेना के तीन जहाज पहली बार फ्लिपींस में नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं। भारत का हाइड्रोग्राफी जहाज भी इस नौसैनिक अभ्यास में शामिल है। ब्रह्मोस की आपूर्ति के बाद फ्लिपींस भारत से और अधिक रक्षा उपकरण खरीदना चाहता है। इससे समंदर में भारत के इस ब्रह्मास्त्र को लेकर ड्रैगन और भी टेंशन में है। हालांकि, यह भारत की प्रमुख रणनीति है।

इसी के तहत भारत की यात्रा पर आए फिलिपींस के राष्ट्रपति फ़र्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने भारत के आसपास के समुद्री क्षेत्र को एशिया पैसिफिक के बजाय इंडो पैसिफिक कह कर संबोधित किया है। उनके कहने का सीधा अर्थ है कि एशिया पैसिफिक का अभिभावक और रक्षक भारत है। उनकी यह यात्रा भारत और फिलिपींस सम्बन्धों में एक नया अध्याय है। इस दौरान रक्षा सहयोग मजबूत करने की बात भी हुई है।

यह दौरा भारत और फ्लिपींस के बीच कूटनीतिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के अवसर पर हो रहा है। इसे दोनों देशों के बीच रणनीतिक और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। स्वागत समारोह के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मार्कोस ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की बदलती स्थिति पर बात की।

उन्होंने कहा कि अब इसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र की बजाय इंडो-पैसिफिक क्षेत्र कहा जा रहा है और यह आज की वैश्विक राजनीति, व्यापार और अर्थव्यवस्था को बेहतर तरीके से दर्शाता है। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों और बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था और भू-राजनीति के कारण दोनों देशों के लिए कई नए अवसर उभरे हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा, यह यात्रा नई संभावनाओं की खोज और हमारे मौजूदा संबंधों को मजबूत करने के लिए है।

फ्लिपींस के राष्ट्रपति मार्कोस ने भारत में होने पर खुशी जताई और हाल के वर्षों में भारत के तेज विकास की सराहना की। उन्होंने अपने पिता और पूर्व राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस सीनियर को याद करते हुए कहा कि वे 1976 में भारत की यात्रा करने वाले पहले फ्लिपीनी राष्ट्रपति थे। राष्ट्रपति मार्कोस ने कहा, यह मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है कि मैं अपने चार पूर्ववर्ती राष्ट्रपतियों के नक्शेकदम पर चलते हुए भारत आया हूँ। मैं भारत की अगुवाई में हुई शानदार उपलब्धियों के लिए बधाई देता हूँ।

जब मैंने दिल्ली में कदम रखा, तो भारत के तेज बदलाव और दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ऊर्जा मुझे साफ महसूस हुई। राष्ट्रपति मार्कोस ने कहा, हाल के वर्षों में हमारे बीच सहयोग काफी बढ़ा है। मुझे खुशी है कि अब हम इस मित्रता को एक पूर्ण रणनीतिक साझेदारी में बदल रहे हैं। राष्ट्रपति मार्कोस ने लोगों के बीच बेहतर संबंधों को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों पर एक भाषण दिया। उन्होंने इस दौरान ऐलान किया कि भारतीय पर्यटकों के लिए फ्लिपींस में वीजा-फ्री प्रवेश की सुविधा होगी। उन्होंने और अधिक संख्या में भारतीयों को फ्लिपींस घूमने का निमंत्रण दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया कि भारत ने फ्लिपींस के पर्यटकों के लिए वीजा की फीस माफ़ कर दी है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा, हम इस साल अक्टूबर से सीधी उड़ानों की दोबारा शुरुआत का स्वागत करते हैं और इस तरह की सीधी हवाई कनेक्टिविटी को आगे भी बनाए रखने और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जानकारी के अनुसार भारत और फ्लिपींस के नेताओं के बीच बातचीत में रक्षा और समुद्री सहयोग पर खास जोर दिया गया। राष्ट्रपति मार्कोस ने भारत को रक्षा उद्योग में सहयोग खासकर भारत से ब्रह्मोस मिसाइल जैसे रक्षा प्लेटफॉर्म के निर्यात के लिए धन्यवाद दिया। बातचीत में संयुक्त सैन्य अभ्यास, समुद्री गतिविधियों में सहयोग, अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आदान-प्रदान और अन्य रक्षा सहयोग के पहलुओं पर भी चर्चा होना बताया जा रहा है। भारत ने यह भी कहा कि वह कई देशों को रक्षा प्लेटफॉर्म निर्यात कर रहा है और फ्लिपींस भी इन प्लेटफॉर्म्स में रुचि दिखा रहा है। दोनों देशों के बीच जहाजों के दौरे और बहुपक्षीय मंचों के तहत सहयोग पर भी चर्चा हुई। यह सहयोग आपसी समझ, समुद्री क्षेत्र की निगरानी बढ़ाने, इंटरऑपरेबिलिटी बेहतर बनाने और आपदा प्रबंधन में तैयारियों को मजबूत करने पर केंद्रित है। इसके अलावा, भारत ने अपनी अंतरिक्ष क्षमताओं और कम लागत वाले स्पेस प्रोग्राम के बारे में भी बताया।

रक्षाबंधन : प्रेम, सुरक्षा और विश्वास का पवित्र उत्सव

संजय खाबिया

भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं में रक्षाबंधन का पर्व विशेष महत्व रखता है। सावन मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला यह त्योहार भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का सबसे सुंदर उत्सव है। यह केवल एक रस्म या परंपरा नहीं, बल्कि प्रेम, स्नेह, त्याग और विश्वास का अटूट बंधन है।

इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती है, तिलक करती है, मिठाई खिलाती है और उसकी लंबी उम्र व सुख-समृद्धि की कामना करती है। बदले में भाई अपनी बहन को जीवनभर हर परिस्थिति में उसकी रक्षा करने का वचन देता है। यह वचन सिर्फ शब्दों में नहीं, बल्कि भावनाओं में बसा होता है।

इतिहास और प्रेरणादायक प्रसंग

रक्षाबंधन का इतिहास भी उतना ही प्रेरक है जितना इसका वर्तमान। लोककथाओं के अनुसार महाभारत में जब भगवान श्रीकृष्ण की उंगली कट गई, तो द्रौपदी ने अपनी साड़ी का टुकड़ा फाड़कर उनकी उंगली पर बांध दिया। इस स्नेह के प्रतीक को स्वीकार करते हुए श्रीकृष्ण ने जीवनभर द्रौपदी की रक्षा का वचन निभाया।

इसी तरह इतिहास में मेवाड़ की रानी कर्मावती ने मुग़ल सम्राट हुमायूँ को राखी भेजकर अपने राज्य की रक्षा की गुहार की थी, और हुमायूँ ने बहन का मान रखते हुए अपने सैनिकों के साथ उनकी मदद की। ये प्रसंग बताते हैं कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रक्त संबंध तक सीमित नहीं, बल्कि यह हर उस रिश्ते में बंध सकता है जहां विश्वास और सम्मान हो।

समय के साथ बदलता स्वरूप

आज के समय में रक्षाबंधन ने अपनी परिभाषा को और व्यापक कर लिया है। अब बहनें केवल भाइयों को ही नहीं, बल्कि अपने जीवन में सुरक्षा, प्रेम और सम्मान देने वाले हर व्यक्ति को राखी बांधती हैं। कई जगहों पर बहनें अपने बहनों को भी राखी बांधकर यह संदेश देती हैं कि सुरक्षा और प्रेम का बंधन किसी एक रिश्ते तक सीमित नहीं।

इसके साथ ही समाज में यह त्योहार भाई-बहन के रिश्ते को एक नए नजरिये से देखने का अवसर भी देता है। कई स्कूलों, संस्थाओं और सामाजिक संगठनों में रक्षाबंधन पर सैनिकों, पुलिसकर्मियों और समाजसेवियों को राखी बांधी जाती है, जो समाज की रक्षा में अपना जीवन समर्पित करते हैं।

आधुनिक जीवन में रक्षाबंधन का महत्व

भागदौड़ भरी जिंदगी और बढ़ते तकनीकी युग में, रिश्तों में समय और अपनापन कम होता जा रहा है। रक्षाबंधन हमें यह याद दिलाता है कि चाहे जीवन कितना भी व्यस्त क्यों न हो, रिश्तों की डोर हमेशा मजबूत रखनी चाहिए। यह त्योहार भाई-बहन को एक-दूसरे के प्रति अपने प्रेम और जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। राखी का धागा केवल एक सजावट नहीं है, यह एक भावनात्मक अनुबंध है जो हमें अपने प्रियजनों की सुरक्षा, सम्मान और सुख के लिए हर संभव प्रयास करने की प्रेरणा देता है।

पर्व का संदेश

रक्षाबंधन का सार यही है रिश्तों को प्रेम, विश्वास और सम्मान की डोर से बांधना। इस दिन हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने जीवन में हर उस व्यक्ति का साथ देंगे, जो हमारे सुख-दुख में हमारे साथ खड़ा हो। आइए इस रक्षाबंधन पर केवल धागा नहीं, बल्कि अपने दिल में भरोसे, अपनापन और स्नेह की अटूट डोर बांधें, ताकि यह बंधन पीढ़ियों तक अमर रहे। यही इस पवित्र पर्व की सच्ची सार्थकता है।

शख्सियत
बढ़ता राजस्थान

श्री नवीन यादव
(आरएएस अधिकारी)

नमस्कार साथियों हमारी आज की शख्सियत कॉलम के स्टार हैं राजस्थान प्रशासनिक सेवा के शानदार अधिकारी श्री नवीन यादव जी। 13 दिसम्बर सन 1974 को अलवर में जन्में नवीन यादव जी बचपन से ही बहुत होनहार व गंभीर थे। ऐसे में बी.ई (इलेक्ट्रो एवं क यूनिकेशन) में की और राजस्थान प्रशासनिक सेवा में आए। आज उप निदेशक, स्थानीय निकाय विभाग(डीएलबी) जयपुर.।। जैसे बड़े पद को सुशोभित कर रहे हैं। इससे पूर्व ये शासन उप सचिव, कला- संस्कृति एवं साहित्य विभाग, जयपुर रहे। अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (शहर) अलवर।

जिला परिवहन अधिकारी, अलवर। उप निदेशक (प्रशासन) समेकित बाल विकास सेवाऐं जयपुर। जिला आपूर्ति अधिकारी, भीलवाड़ा।

भूमि अवाप्ति अधिकारी, नगर विकास न्यास अलवर। उपखण्ड़ अधिकारी, कोटकासिम अलवर। जिला परिवहन अधिकारी, अलवर। उप.मंडल अधिकारी, नैनवा बूंदी। ओएसडी भूमि आईटी अलवर। कार्यक्रम अधिकारी, ईजीएस छोटीसादड़ी चित्तौड़गढ़। सहायक कलेक्टर एवं कार्यकारी मजिस्ट्रेट प्रशिक्षणाधीन अलवर रहे। बेहद गंभीर व अपने कार्य के प्रति सजग अधिकारियों में से एक हैं। अलवर एडीएम सिटी पदस्थाप्रा के दौरान इनकी बेहतरीन कार्यशैली देखी। हर इंसान से तमीज व तहजीब से पेश आना व पीड़ित लोगों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनना व उनका निस्तारण करना इनकी जीवन कार्यशैली का एक हिस्सा है। जहां भी रहे अपने अधिनस्थ कर्मचारियों व अधिकारियों से बेहतरीन तालमेल बनाए र खा व अपने उच्चाधिकारियों के साथ पारस्परिक समन्वय के कारण आमजन की समस्याओं का निस्तारण भी हुआ। ऐसे में हर किसी के चहते बन गए हैं नवीन यादव जी। आज परिवहन विभाग में उन्हे याद उनके व्यवहार के कारण किया जाता है। दैनिक बढ़ता राजस्थान की टीम इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती है। -रूपक शर्मा

Today
बढ़ता राजस्थान

Suduko

6				3				4
		2	5					8
3					5	8		7
7			1					
8			2					6
		6			1		4	
		9	4					5
						1	7	

Yesturday Ans

8	2	7	6	3	1	9	4	5
5	3	1	9	4	8	2	7	6
6	4	9	2	7	5	1	3	8
4	9	6	8	2	3	7	5	1
2	1	8	7	5	4	6	9	3
7	5	3	1	6	9	4	8	2
9	6	2	3	8	7	5	1	4
1	8	5	4	9	2	3	6	7
3	7	4	5	1	6	8	2	9

कैसे खेलें

वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। काई अंक दुबारा नहीं आए।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, आपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारम्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताए और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष
आज के दिन बौद्धिक काम, नए सृजन और साहित्यिक गतिविधि में आप उलझे रहेंगे। किसी धार्मिक यात्रा का आयोजन हो सकता है। व्यापार में लाभ का अवसर मिलेगा। आज आपको कार्यालय और व्यापार में थोड़ा संभलकर चलना होगा।

वृष
अपनी वाणी और व्यवहार को संयमित रखना आपके ही हित में रहेगा। आज आपकी नौकरी और व्यवसाय में रुचि बढ़ेगी। आज स्वास्थ्य का ध्यान रखें। साथी कर्मचारियों का साथ मिलेगा। संतान की चिंता आपको हो सकती है।

मिथुन
सुबह का समय दोस्तों के साथ घूमने-फिरने, खान-पान एवं मनोरंजन में बीत सकता है। पार्टनरशिप काम में ध्यान रखें। व्यापार में ज्यादा लाभ की उम्मीद नहीं है। दोपहर के बाद आप को प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क
स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दोपहर के बाद पारिवारिक जीवन में हर्षोल्लास का वातावरण बना रहेगा। आज कोई नया काम शुरू कर सकते हैं। पिता से आपको लाभ होगा। ज्योतिष और आध्यात्मिक विषयों में आपकी रुचि बनी रहेगी। स्नेहीजनों के साथ घनिष्ठता बढ़ेगी।

सिंह
स्वभाव में उग्रता हो सकती है, इसलिए वाणी पर संयम रखें। दोपहर के बाद आप आप मनोरंजन की ओर ज्यादा बढ़ेंगे। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ प्रवास या पर्यटन का योग है। शारीरिक और मानसिक रूप से आप स्वस्थ रह पाएंगे।

कन्या
दवाई खरीदने या अस्पताल की फीस पर आकस्मिक खर्च हो सकता है। आज दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास के साथ हर काम को आसानी से बना पाएंगे। गृहस्थ जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा। आज कोई महत्वपूर्ण डिसीजन आप ले पाएंगे।

तुला
आज का आपका दिन लाभकारी है। पारिवारिक और प्रोफेशनल दोनों ही क्षेत्रों में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-परिवार में आनंद का वातावरण आप को खुश रखेगा। बहुत दिनों से अटके सरकारी कामों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक
मानसिक रूप से आप में भावुकता की मात्रा अधिक रहेगी। किसी बात को लेकर ज्यादा विचलित ना हों। अपनी कल्पनाशक्ति से साहित्य-सृजन में आप नवीनता ला पाएंगे। सुख-शांति बनी रहेगी। व्यवसाय में सफलता प्राप्त होगी।

धनु
किसी तरह का आर्थिक लाभ भी हो सकता है। हालांकि, स्वास्थ्य को लेकर उतार-चढ़ाव बना रहेगा। गृह एवं संतान सम्बंधी शुभ समाचार आप को मिलेंगे। पुराने और बचपन के दोस्तों से मुलाकात हो सकती है।

मकर
व्यापार में किसी तरह का लाभ होगा। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। पूंजी निवेश में सावधानी बरतें। धार्मिक काम के पीछे धन खर्च हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के विषय में संभलकर चलें। मित्रों और प्रियपात्र के

कुंभ
मित्रों का सहयोग भी आप को प्राप्त होगा। विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी। पारिवारिक शांति बनाए रखने के लिए निरर्थक वाद-विवाद न करें। धन और प्रतिष्ठा में हानि हो सकती है। आप की रचनात्मकता में सकारात्मक वृद्धि होगी।

मीन
आज वाणी पर संयम रखें. स्नेहीजनों के साथ किसी बात पर विवाद हो सकता है। आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहेगा। किसी उलझन में दिन गुजरेगा। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। आप नए काम का आरंभ कर सकेंगे।

राजस्थान शिक्षक के पदाधिकारियों ने 12 सूत्रीय मांगों को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। उपखंड अधिकारी कार्यालय एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत के पदाधिकारियों ने संघ के अध्यक्ष श्रीराम जाट के नेतृत्व में 12 सूत्रीय मांगों को लेकर एसडीएम रामकरण सिंह को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन सौंपा है। संघ के पूर्व अध्यक्ष शिवजीलाल ताखर ने बताया कि ज्ञापन में तृतीय श्रेणी अध्यापकों के स्थानांतरण करने, शिक्षकों को गैर शैक्षिक कार्यो से मुक्त करने, रिक्त पदों को भरने एवं बच्चों की सुरक्षा एवं शैक्षिक ढांचे की मजबूती के लिए नए भवनों का निर्माण करवाने सहित 12 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन देने वालों में शिवजीलाल ताखर, प्रहलाद गुर्जर, विनोद जैन, भंवरलाल चौधरी, मुकेशकुमार जैन, रमेशचन्द मीणा, मनमोहन चौधरी, सुरेशचन्द यादव, ओमकंवर राजावत, शिवजीलाल खंगार, रामधन गुर्जर, रमेशचन्द वर्मा, सुमनलता व अंजू शर्मा सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा का सवाई माधोपुर दौरा, भाजपा पदाधिकारियों ने किया अभिनंदन

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। राजस्थान सरकार के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री समित गोदारा आज सवाई माधोपुर दौरे पर रहे । जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि कैबिनेट मंत्री ने अपने दौरे के दौरान जिला कलेक्ट्रेट में खाद्य विभाग के अधिकारियों की बैठक ली और विभाग के कार्यों की समीक्षा की । मंत्री समित गोदारा उसके बाद सर्किट हाउस पहुंचे जहां उन्होंने स्थानीय भाजपा पदाधिकारियों के साथ चर्चा की, कैबिनेट मंत्री के आगमन पर भाजपा पदाधिकारियों ने उनका कुशलता हाइवे पर गुलदस्ता भेंट कर अभिनन्दन किया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश जैन, डॉ भरतलाल मथुरिया, प्रधान नरेन्द्र चौधरी, नगर सभापति जयप्रकाश सांवरिया, जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण धाकड़, हरिओम गर्ग, जिला महामंत्री विनोद अटल, बाबूलाल मीणा, गंगापुर सिटी प्रधान मंजू गुर्जर, जिला मंत्री गंगाशंकर गौतम, बजरिया मंडल अध्यक्ष रितेश भारद्वाज, संतोष मथुरिया, मेहनाज पटेल, भारत शर्मा, केशव शर्मा, विनोद शर्मा, तेजराम मीणा, ओमी कटारिया आदि मौजूद रहे ।

खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्यवाही

बड़े खाद्य कारोबारियों के संस्थानों व गोदामो पर मारा छापा

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। रक्षाबंधन के त्योहार पर जिले में खाद्य पदार्थ एवं मिठाईयां की बढी हुई खपत को देखते हुए उसमें मिलावट की आशंका पर चलाए जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत नमूनीकरण की कार्रवाई खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल द्वारा की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सवाई माधोपुर डॉ अनिल जैमिनी ने बताया कि आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण जयपुर एंव जिला कलक्टर के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी वेद प्रकाश पूर्विया व खाद्य सुरक्षा अधिकारी नितेश गौतम के नेतृत्व में आज मैसर्स आनंद मिष्ठान भण्डार, टोंक बस स्टैंड से शिकायत के आधार पर रबड़ी का नमूना लिया तथा संस्थान में सफाई रखने व उच्च गुणवत्ता वाली खाद्य सामग्री रखने के निर्देश दिए। इसके बाद टीम सिटी सेंटर बजरिया स्थित मैसर्स त्रङ्क्स्त्रक्क विनायक वाला पहुंची वहाँ से टीम द्वारा मावामिठाई ,कलाकंद,जलेबी, नुक्ति, मावा कतली के 5 नमूने खाद्य सुरक्षा एवम मानक अधिनियम के अंतर्गत लिए ।

5 किलो कलर वाली नुक्ति मोके पर ही नष्ट करायी। टीम रीको इंडस्ट्रियल एरिया खेरदा स्थित निर्माण इकाई जनता जोधपुर मिष्ठान भंडार के गोदाम पर छापा मारा तथा ईकाई के संचालक को हाइजीन कंडीशन रखने व साफ़ सफ़ाई रखने के दिशा निर्देश दिए गए तथा वहाँ से 8 नमूने कलाकंद, मीठा मावा,रसगुल्ले,फीका मावा,इलायची बर्फी,स्टैण्डर्ड बर्फी,चॉकलेट बर्फी व अंजीर बर्फी के नमूने लिए गये। दल द्वारा कुल 15 नमूनें खाद्य सुरक्षा एवम मानक अधिनियम के अंतर्गत लेकर खाद्य प्रयोगशाला जयपुर भिजवाए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल द्वारा सभी मिठाई विक्रेताओं को साफ सफाई से कार्य करने खाद्य सामग्री को ढककर बिक्री करने एवं अपनी दुकान का खाद्य लाइसेंस दुकान पर डिस्प्ले में लगाकर रखने हेतु निर्देशित किया गया ।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा की जिला कार्यशाला आज

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जाने वाले हर घर तिरंगा अभियान, तिरंगा यात्रा एवं विभाजन की विभीषिका स्मृति दिवस के सफल आयोजन को लेकर 8 अगस्त को भाजपा सवाई माधोपुर के कार्यकर्ताओं की जिला कार्यशाला आयोजित होगी । जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि जिला कार्यशाला का आयोजन जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की अध्यक्षता में भाजपा जिला कार्यालय पर प्रातः 11.30 बजे होगा। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश मंत्री एवं अभियान के जिला प्रभारी वासुदेव चावला उपस्थित रहेंगे ।

एनएफएसए से अपात्र हटें, पात्र जुड़ें; जनप्रतिनिधि और अधिकारी निभाएं भूमिका : मंत्री सुमित गोदारा

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के खाद्य विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

मंत्री गोदारा ने कहा है राजस्थान में 'गिव-अप अभियान' अब सिर्फ एक सरकारी पहल नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में जन-आंदोलन बन चुका है। 'गिव-अप अभियान' के तहत संपन्न परिवार स्वेच्छा से योजना से बाहर हो रहे हैं, जिससे वास्तविक जरूरतमंदों को उनका अधिकार मिल सके।

हर राशन दुकान की होगी जांच, अपात्रों पर होगी सख्ती

बैठक में मंत्री गोदारा ने गिव-अप अभियान को और अधिक तेज गति से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए ताकि अपात्रों को सूची से हटाकर पात्र वंचितों को लाभ मिल सके। उन्होंने सभी प्रवर्तन अधिकारियों व निरीक्षकों को 15 सितम्बर तक का समय देते हुये प्रत्येक राशन दुकान की जांच करने एवं अपात्र लोगों को गिव अप अभियान में हटवाने के लिये कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

गौरव से कहो - मैं सक्षम हूँ -

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस वार्ता आयोजित हुई। मंत्री गोदारा ने मीडिया बन्धुओं के माध्यम से समाज को संदेश देते हुए कहा कि यह अभियान न केवल खाद्य सुरक्षा बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने बताया कि एपीएल का कोई भी परिवार 850 रुपए वार्षिक प्रीमियम का भुगतान कर मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का लाभ प्राप्त कर 25 लाख रुपए तक का निःशुल्क इलाज करा सकता है।इस दौरान विभिन्न प्रिन्ट व इलेक्ट्रोनिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सवाई माधोपुर में 1 लाख से अधिक अपात्र हटाए गए

1.18 लाख नए लाभार्थी जुड़े - जिला रसद अधिकारी रामभजन मीणा ने बताया कि गिव अप अभियान में अब प्रत्येक उचित मूल्य दुकान पर खाद्य विभाग के रसद अधिकारी, प्रवर्तन अधिकारी एवं प्रवर्तन निरीक्षक द्वारा निरीक्षण करने के साथ ही खाद्य सुरक्षा में चयनित अपात्र लोगों को नोटिस भी जारी किया जा रहा है। सवाई माधोपुर जिले में अब तक 48 हजार 297 व्यक्तियों ने स्वेच्छा से योजना का लाभ छोड़ा है, जबकि 79 हजार 921 लाभार्थियों को ई-केवाईसी नहीं करवाने के कारण योजना से पृथक किया गया। इस प्रकार कुल 1.28 लाख से अधिक अपात्र लाभार्थियों को हटाया गया है। बैठक में नगर परिषद सभापति जय प्रकाश सामरिया, जिला कलक्टर कानाराम, पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया, जिला रसद अधिकारी रामभजन मीणा, ईआई रिपु दमन सिंह, ई आई सपना मीना, खंडार प्रधान नरेंद्र चौधरी, प्रधान सम्पत पहाड़िया, जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण धाकड़, जिला महामंत्री विनोद अटल, पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश जैन, जिला मंत्री गंगा शंकर शर्मा, सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।सहित कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी और ईओ उपस्थित रहे।

नए जिलों में नहीं बदले हालात

सात माह बीत गए, लेकिन धरातल पर किसी भी जगह जिला मुख्यालय का भवन तक नहीं

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर/ जयपुर (राकेश शर्मा)। राज्य में ठीक दो साल पहले 7 अगस्त को तत्कालीन राज्य सरकार ने क्षेत्रीय विकास के वादे के साथ नए जिलों की नींव रखी। इनमें से 8 जिलों पर मौजूदा सरकार की मुहर लगे भी सात माह बीत गए, लेकिन धरातल पर किसी भी जगह जिला मुख्यालय का भवन तक आकार नहीं ले पाया है। इन जिलों में कलक्टर-पुलिस अधीक्षक तो लगा दिए हैं, लेकिन बाकी जिला कार्यालयों की स्थिति का अंदाजा इससे लगा सकते हैं कि आज भी डीडवाना-कुचामन के लोग कई विभागों से सम्बन्धित कार्यों के लिए नागौर के चक्कर काट रहे हैं।

हकीकत यह हैं कि राजस्व रिकॉर्ड में बदलाव आया है, लगभग सभी जगह धरातल पर हालात नहीं बदले हैं। आठ नए जिलों की पड़ताल में यह स्थिति सामने आई। इन जिलों की घोषणा के समय आधारभूत ढांचे के लिए हर जिले को एक-एक करोड़ रुपए बजट आवंटित किया गया।

1. डीडवाना-कुचामन

वादा- अब नागौर की दूरी नहीं नापनी पड़ेगी। स्थानीय विकास को बढ़ावा मिलेगा और लोगों का समय बचेगा। इसके अलावा जिलास्तरीय परियोजनाओं को गति मिलेगी।

हकीकत-सुविधाएं बढ़ीं, लेकिन कई जिला कार्यालय नहीं होने से लोग नागौर जाने को मजबूर हैं। कलक्टर व पुलिस अधीक्षक सहित अधिकांश जिला कार्यालय किराये के भवनों में संचालित हो रहे हैं।

2. बालोतरा

वादा- वस्त्र नगरी के नाम से प्रसिद्ध बालोतरा सहित जिले के विकास में तेजी आएगी। लोगों को जिलास्तरीय कार्यों के लिए लंबी दूरी नहीं नापनी पड़ेगी।

हकीकत- शहर में टूटी सड़क, खुले नालों, जलभराव, बदहाल सीवरेज, बिजली कटौती व बेतरतीब यातायात की समस्या। मिनी सचिवालय, रिंग रोड व रेल सुविधाओं के विस्तार की घोषणा कागजों तक सीमित।

3. कोटपूतली-बहरोड़

वादा- जिला स्तरीय कार्यों के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। हाइवे से नजदीक होने के कारण विकास में तेजी आएगी। कोटपूतली व बहरोड़ में बराबर कार्यालय खोले जाएंगे।

हकीकत- जिला स्तरीय कार्यालयों के लिए भवन तक नहीं, ज्यादातर कार्यालय कोटपूतली में स्थापित। कर्मचारी व संसाधनों का अभाव है।

4. खैरथल-तिजारा

वादा- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से नजदीक होने के कारण विकास में तेजी आएगी और खैरथल को गुरुग्राम की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।

हकीकत- अभी तक विकास नजर नहीं आ रहा। कई कार्यालय तो धर्मशाला में चल रहे हैं। पर्याप्त स्टाफ नहीं होने से लोगों को परेशानी हो रही है।

5. डीग

दावा- पुरामहत्व का क्षेत्र होने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। औद्योगिक विकास व आधारभूत ढांचे के विकास को गति मिलेगी।

हकीकत- अधिकांश कार्यालय के भवनों के लिए न जमीन का आवंटन हुआ और न बजट का। छोटे-छोटे कार्यों के लिए आमजन को भटकना पड़ रहा है।

6. ब्यावर

दावा- लंबे समय से चल रही मांग पूरी होने से क्षेत्रीय विकास में तेजी आएगी और अपनी अलग से पहचान बन सकेगी।

हकीकत- जिला स्तरीय अधिकारी आ गए, स्टाफ व भवन की कमी है। जिला चिकित्सालय में कार्डियोलॉजी, यूरोलॉजी विभाग आदि नहीं है।

हर घर तिरंगा अभियान को जन भागीदारी सुनिश्चित कर सफल बनाएं-जिला कलेक्टर

बढ़ता राजस्थान

टोंक, (का.स.)। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने गुरुवार को जिला और ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हर घर तिरंगा अभियान, निर्वाचन विभाग के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम, आपदा प्रबंधन, स्कूल व आंगनबाड़ियों समेत अन्य राजकीय भवनों का सर्वे, मरम्मत योग्य भवनों को चिन्हित कर एसडीआरएफ के तहत मरम्मत कार्य के प्रस्ताव तैयार कर भिजवाने को लेकर समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी परशुराम धानका, अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन सौकरिया, एडीएम मालपुरा विनोद कुमार मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गीता चौधरी, उपखंड अधिकारी टोंक हुक्मीचंद रोहलानिया, एसीईओ ललित कुमार, महिला एवं बाल विकास की उपनिदेशक सरोज मीणा समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

उन्होंने टोंक जिले में हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने एवं आमजन में देशभक्ति की भावना का संचार करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर विभागवार प्रगति की जानकारी ली ।अधिकारियों ने बताया कि जिला कलक्टर के निर्देशों के तहत जिले के हर शहर, हर गांव में तिरंगा रैली, तिरंगा वाल पेंटिंग, जागरुकता रैली, रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

जिला कलेक्टर ने अभियान के सफल आयोजन को लेकर निर्देश दिए हैं कि अभियान में जन भागीदारी सुनिश्चित की जाएं। बैठक में जिला कलेक्टर ने निर्वाचन विभाग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारियों की भी समीक्षा की।

व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी तय

जिला कलेक्टर ने कहा कि सभी स्कूलों, आंगनबाड़ियों, सीएचसी पीएचसी, सब सेंटर के भवनों का सर्वे कर मरम्मत योग्य भवनों को चिन्हित करें और एसडीआरएफ के तहत मरम्मत के लिए प्रस्ताव तैयार कर आज ही भेजें। उन्होंने कहा कि मरम्मत के प्रस्ताव उपखंड स्तर से प्राप्त नहीं होने पर व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी।

हर घर तिरंगा एवं हर घर स्वच्छता अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। हर घर तिरंगा एवं हर घर स्वच्छता अभियान के तहत गुरुवार को पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गंगापुर सिटी में जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक हरकेश लाल मीना की अध्यक्षता में नगर परिषद गंगापुर सिटी द्वारा जेएमडी नाटक मंडली श्रीगंगानगर की ओर से नुक्कड़ नाटक पेश किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक सवाई माधोपुर द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी ने तिरंगे के महत्व एवं सम्मान के बारे विस्तार से प्रकाश डाला और स्वच्छता के लिए शिक्षक एवं बालकों को प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ओम प्रकाश बैरवा ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया तथा तिरंगा को भारत की आन बान शान का प्रतीक बताया। नाटक मंडली के कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अपने घरों में और उसके आसपास स्वच्छता का संदेश दिया, जिसमें बताया कि घरों में गीले कचरे को अलग डिब्बे में तथा सूखे कचरे को अलग डिब्बे में एकत्रित करना चाहिए, गीले कचरे से कंपोस्ट खाद बनाई जा सकती है ,तथा सूखे कचरे को रिसाइकलिंग के द्वारा दोबारा तैयार किया जा सकता है, इस नाटक के माध्यम से कलाकारों ने बताया की हमें सिंगल यूज प्लास्टिक काम में नहीं लेनी चाहिए क्योंकि इनमें लपेट कर लोग खाने पीने की वस्तुएं फेंक देते हैं और आवारा पशु इनको निगल लेते हैं जिनसे उनकी मौत हो जाती है ,तथा इनको जलाने पर हानिकारक गैस निकलती है, जमीन में दबाने पर यह कभी गलती नहीं है जिससे जमीन अनुपयोगी हो जाती है। नाटक के माध्यम से ही कलाकारों ने बताया कि हमें अपने घरों के आगे की सफाई पर भी ध्यान देना चाहिए गंदा पानी सड़क पर नहीं छोड़ना चाहिए। हर घर तिरंगा अभियान के तहत उन्होंने संदेश दिया कि हम अपने घरों एवं सरकारी एवं निजी भवनों पर भी से सम्मान तिरंगा फहरा सकते हैं लेकिन तिरंगे के सम्मान में कोई कमी नहीं आनी चाहिए।

जिला चिकित्सालय लालसोट और HeyDoc AI की साझेदारी से ओपीडी अनुभव में डिजिटल क्रांति

बढ़ता राजस्थान

लालसोट (नि.स.)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) राजस्थान के निर्देशों पर, जिला अस्पताल लालसोट ने हेलोडॉक कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ साझेदारी की है, जिससे अब मरीजों को एक स्मार्ट और डिजिटल बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) का अनुभव मिलेगा। इस पहल के तहत अस्पताल की मैनुअल ओपीडी प्रक्रिया को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (आभा) और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणाली में बदला जा रहा है।

इस साझेदारी से मरीजों को पंजीकरण से लेकर डॉक्टर से परामर्श और पुन:परामर्श (फॉलो-अप) तक एक संगठित, सहज और जुड़े हुए इलाज का अनुभव मिलेगा। लंबी कतारों, खोए हुए रिकॉर्ड या बार-बार डॉक्टर को वही बातें बताने जैसी समस्याएं अब बीते समय की बात हो जाएंगी। हेलोडॉक कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोग के माध्यम से अब मरीज आभा स्कैन एवं साझा करें जो भारत सरकार की एक आधिकारिक सेवा है का उपयोग करके जिला अस्पताल लालसोट में बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में अपनी बारी केवल अपना आभा क्यूआर कोड स्कैन करके तुरंत ले सकते हैं। यह नई प्रक्रिया मैन्युअल पंजीकरण की आवश्यकता को समाप्त करती है, प्रतीक्षा समय को घटाती है और परामर्श प्रक्रिया को तेज़ व व्यवस्थित बनाती है। यह अनुप्रयोग डिजिटल रिकॉर्ड भी संजोकर रखता है और संपूर्ण देखभाल अनुभव को बेहतर बनाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सहायता प्रदान करता है। यह पहल लालसोट और आसपास के ग्रामीण इलाकों के निवासियों के लिए इलाज को अधिक सरल, तेज़ और भरोसेमंद बनाएगी। डॉ. राजकुमार सेहरा ने कहा हेलोडॉक कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ इस सहयोग से हमारे अस्पताल में ओपीडी प्रक्रिया और भी सरल, और मरीजों के अनुकूल हो गई है। यह तकनीक अब हमारे क्षेत्र के हज़ारों नागरिकों को समय पर और बेहतर इलाज सुनिश्चित कर रही है।

स्वच्छता के लिए बालकों को स्वच्छता की दी जानकारी

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। राजकीय प्राथमिक विद्यालय भांवती में बंधन कोननगर सामाजिक संस्था के तत्वावधान में बच्चो में व्यक्तिगत स्वच्छता रखने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। टीम लीडर पूजा कटारिया व एचसीओ बुलबुल सैनी ने बताया कि कोटक महिन्द्रा बैंक द्वारा संचालित बंधन कोननगर संस्था द्वारा महिला एवं बच्चों में कुपोषण की रोकथाम के लिए समुदाय को जागरूक करने का कार्य किए जा रहे है। उन्होंने बताया कि जागरूकता कार्यक्रम को लेकर संस्था द्वारा राजकीय विद्यालय भांवती में बच्चों में व्यक्तिगत स्वच्छता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बच्चों को व्यक्तिगत स्वछता का महत्व समझाने के साथ दैनिक जीवन में स्वच्छता बानाए रखने की जानकारी दी। स्वच्छता शिविर में प्रधानाध्यापक जगदीश जाट ने संस्था के कार्यो की सराहना की गई एवं अन्य लोगों को भी इस अभियान में सहयोग करने का आह्वान किया।

...तो खैरथल-तिजारा जिले का नाम बदलकर हो जाएगा भर्तृहरिनगर

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार ने खैरथल-तिजारा जिले का नाम बदलकर भर्तृहरिनगर करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसके बाद यह नया नामकरण जल्द ही आधिकारिक रूप से लागू होगा। यह निर्णय क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने के उद्देश्य से लिया गया है।

फाइल राजस्व विभाग को भेजी गई

बताया जा रहा है कि मंजूरी के बाद फाइल राजस्व विभाग को भेजी गई है, जो जल्द ही नए जिले के नाम की अधिसूचना जारी करेगा। यह बदलाव ठीक दो साल बाद हो रहा है, क्योंकि 4 अगस्त 2023 को तत्कालीन अशोक गहलोत सरकार ने इस जिले का गठन किया था सही मायने में नाम परिवर्तन का प्रस्ताव स्थानीय स्तर पर लंबे समय से चर्चा में था, क्योंकि भर्तृहरी राजस्थान के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक नायक के रूप में प्रसिद्ध हैं। भर्तृहरिनगर नामकरण से क्षेत्र की ऐतिहासिक विरासत को सम्मान देने का प्रयास किया गया है।

पहले अलवर जिले का हिस्सा था

गौरतलब है कि खैरथल-तिजारा जिला पहले अलवर जिले का हिस्सा था, अगस्त 2023 में एक स्वतंत्र जिला बनाया गया था। इस जिले में पांच उपखंड और सात तहसीलें शामिल हैं, जिनमें टपूकड़ा, तिजारा, किशनगढ़ बास, कोटकासिम और मुंडावर शामिल हैं। जिला मुख्यालय आ ने खैरथल में मिनी सचिवालय और बायोडायवर्सिटी पार्क जैसे विकास कार्यों की योजना बनाई है!

दो दिवसीय सत्रारंभ वाकपीठ संगोष्ठी का हुआ शुभारंभ

वाकपीठ संगोष्ठी में शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में हुई चर्चा

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़ (अलवर)। पंचायत समिति क्षेत्र के बीघोता राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में गुरुवार को उच्च माध्यमिक विद्यालय के संस्थाप्रधानों की दो दिवसीय सत्रारंभ वाकपीठ संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लीलावती मीना ने की। वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रथम युवराज शर्मा व अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वितीय कमल कुमार मीना रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलन कर किया गया। वाकपीठ संगोष्ठी में शिक्षा विभाग से सम्बंधित विभिन्न विभागीय विषयों पर चर्चा हुई। राउमावि बिरकड़ी के प्रधानाचार्य विवेक शर्मा ने डीबीटी, छात्रवृत्ति योजना एवं ओटीआर से सम्बंधित जानकारी दी। वहीं महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय राजपुर बड़ा के प्रधानाचार्य प्यारेलाल जाटव ने विभागीय जांच, प्रारंभिक जांच, सीसीए 16 व 17 सहित अन्य बिंदुओं की जानकारी साझा की। संगोष्ठी में हरियालो राजस्थान, वृक्षारोपण कार्यक्रम, हरित पाठशाला, आरटीआई, राजस्थान संपर्क पोर्टल पर शिकायतों के निवारण, ज्ञान संकल्प पोर्टल, लोक उपावन नियम, सेवा पुस्तिका संधारण, पेंशन व ऑडिट प्रकरण के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। संगोष्ठी में पीईईओं फॉर्म के नवीन अध्यक्ष का चुनाव हुआ। पीईईओं फॉर्म के सचिव नंदकिशोर मीना ने दो दिवसीय वाकपीठ संगोष्ठी के सम्बन्ध में विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की। पीईईओं बीघोता कैलाश चन्द मीना व उपप्रधानाचार्य दिलीप कुमार वर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। संगोष्ठी का संचालन राउमावि वीरपुर के प्रधानाचार्य जुगल किशोर शर्मा द्वारा किया गया। वाकपीठ संगोष्ठी में संतोष शर्मा, विजय शर्मा, रामनिवास मीना, जगमोहन शर्मा, कमलेश कुमार गुप्ता सहित ब्लॉक के राउमावि के संस्थाप्रधान उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़ (अलवर)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद राजगढ़ नगर इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें राजगढ़ नगर की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इस अवसर पर विभाग संयोजक नारायण कुमावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने नवीन दायित्वों की घोषणा की। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्ययोजनाओं और छात्र हितों को केंद्र में रखते हुए कार्यकारिणी का गठन किया गया। प्रशांत परेवा को नगर मंत्री नियुक्त किया गया। वहीं सुष्मिता सैनी, गौरव पंडित एवं देवकर्ण शर्मा को नगर सह मंत्री के दायित्व सौंपे गए। कार्यक्रम में परिषद के सक्रिय कार्यकर्ता चेतन जायसवाल, अमन पंडित एवं निखिल परेवा की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने संगठनात्मक चर्चाओं में सहभागिता करते हुए परिषद को और अधिक सशक्त बनाने के सुझाव दिए। वक्ताओं ने इस अवसर पर कहा कि परिषद का उद्देश्य छात्र-छात्राओं तक संगठन को प्रभावी रूप से पहुँचाना है, जिससे राष्ट्रनिर्माण में युवाओं की भागीदारी और अधिक सशक्त हो सके।

शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के लिए उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़ (अलवर)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उप शाखा राजगढ़ (अलवर) के द्वारा शिक्षकों की समस्याओं के निस्तारण के लिए मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी राजगढ़ को ज्ञापन सौंपा। राजगढ़ उपशाखा अध्यक्ष सूर्य प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय द्वारा सभी संवर्गों के स्थानांतरण प्रतिबंध हटाने एवं स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू करने, सभी स्तरों की लंबित पदोन्नति समयबद्ध पूर्ण करने, राज्य के सभी विद्यालयों में रिक्त पदों को भरने, शिक्षकों की गैर शैक्षणिक कार्यों में न्यूनतम करने तथा सभी वेतन विसंगतियों को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

राज्य स्तरीय संस्कृत विद्धतजन सम्मान समारोह

संस्कृत भाषा ही नहीं, भारत की आत्मा, ज्ञान की गंगा और सनातनी चेतना की संवाहक- देवनानी

स्वदेशी वस्तुओं को अपनाकर करें देश को मजबूत - दिलावर

बढ़ता राजस्थान

जयपुर,(का.स.)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि संस्कृत सिर्फ भाषा नहीं, भारत की आत्मा, ज्ञान की गंगा और सनातनी चेतना की संवाहक भी है। संस्कृति और संस्कारों का संरक्षण केवल संस्कृत से ही हो सकता है।

देवनानी गुरूवार को संस्कृत शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार की ओर से नगर निगम उदयपुर के सुखाड़िया रंगमंच सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय विद्वतजन सम्मान समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। श्री देवनानी ने कहा कि संस्कृत विश्व की सभी भाषाओं की जननी है। यह मनुष्य के व्यक्तित्व को भीतर से निखारती और पल्लवित करती है। इसमें ऋषियों की अनुभूति और वेदों की वाणी निहित है। हमारी संस्कृति और संस्कारों को बचाना है तो संस्कृत को बचाना अति आवश्यक है। इस बात का संतोष है कि केंद्र और राज्य सरकारें संस्कृत के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। संस्कृत निदेशालय स्थापित करने वाला राजस्थान प्रथम राज्य है। इससे संस्कृत के संरक्षण और संवर्द्धन को बल मिल रहा है।

देवनानी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत पुनः विश्वगुरू बनाने का परिकल्पना के साथ आगे बढ़ रहा है। विश्वगुरू बनाने की क्षमता और सामर्थ्य संस्कृत में निहित है। संस्कृत सिर्फ वेदवाणी ही नहीं, विज्ञान वाणी भी है। यह केवल शास्त्रों की ही

संस्कृत की उत्कृष्ट सेवा के लिए 56 विद्वतजनों का सम्मान

भाषा नहीं, एआई की भाषा भी है, अंतरिक्ष विज्ञान की भाषा भी है। यह सिद्ध हो चुका है कि संस्कृत कम्प्यूटर विज्ञान की श्रेष्ठ भाषा है। सभी विषयों का प्रारंभिक और मूल ज्ञान संस्कृत भाषा में ही उपलब्ध है। दुनिया में जितने भी आविष्कार हुए है, उनका मूल भारतीय वेदों में है, जो संस्कृत में लिखित हैं। केंद्र व राज्य सरकारें लगातार संस्कृत के संवर्धन के लिए कार्य कर रही हैं। देवनानी ने विश्वविद्यालयों का आह्वान करते हुए कहा कि समय के साथ संस्कृत समझने वालों की कमी हुई है। यहां तक की पूजा पाठ, कर्मकाण्ड करने वाले भी नहीं मिलते हैं। ऐसे में विश्वविद्यालयों को ज्योतिष, कर्मकाण्ड जैसे विषयों पर छः माह अथवा 9 माह के पाठ्यक्रम शुरू करने चाहिए, ताकि युवा अपनी संस्कृति और संस्कारों से जुड़ें। उन्होंने कहा कि संस्कृत में केरियर की भी अपार संभावनाएं हैं। श्री देवनानी ने समारोह में सम्मानित होने वाले विद्वतजनों का अभिनंदन करते हुए कहा कि यह सम्मान उनकी संस्कृत के प्रति साधना और समर्पण का है। इनसे प्रेरित होकर अन्य लोग भी संस्कृत की सेवा में आगे आएंगे।

मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन-

राज्य स्तरीय सम्मान समारोह के लिए मुख्यमंत्री श्री

भजनलाल शर्मा ने शुभकामना संदेश प्रेषित किया। संस्कृत शिक्षा संभागीय कार्यालय के उपनिरीक्षक राममोहन शर्मा ने मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया। समारोह में उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, संभागीय आयुक्त सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी भी बतौर विशिष्ट अतिथि मंचासीन रही।

वेद विद्यालय के लोगो व विभागीय पत्रिका का विमोचन- समारोह में विधानसभा अध्यक्ष श्री देवनानी, शिक्षा मंत्री श्री दिलावर सहित अन्य अतिथियों ने उदयपुर में प्रस्तावित राजकीय आदर्श वेद विद्यालय के लोगो का अनावरण किया। साथ ही संस्कृत शिक्षा विभाग की वार्षिक पुस्तिका श्रावणी का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में बाल वाटिका पुस्तकों तथा संस्कृत शिक्षा विभाग की एसएससीआईटी के पंचांग का भी विमोचन किया गया।

महामहिम ने किया राष्ट्रीय आयुर्वेद नाड़ी विज्ञान एवं विद्कर्म कार्यशाला के पोस्टर का विमोचन

विश्व आयुर्वेद परिषद के तत्वावधान में 15- 16 सितम्बर को खाटूश्यामजी, सीकर में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का होगा आयोजन

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। विश्व आयुर्वेद परिषद, राजस्थान चिकित्सक प्रकोष्ठ जयपुर प्रांत की ओर से दो दिवसीय राष्ट्रीय आयुर्वेद नाड़ी विज्ञान एवं विद्कर्म प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन खाटूश्यामजी सीकर में दिनांक 15 एवं 16 सितंबर को किया जाएगा।

विश्व आयुर्वेद परिषद राजस्थान, चिकित्सक प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी एवं कार्यशाला के आयोजन अध्यक्ष डॉ.पवन सिंह शेखावत ने बताया कि राजस्थान के राज्यपाल महामहिम हरिभाऊ किसनराव बागड़े को उनके उदयपुर प्रवास पर संगठन के राष्ट्रीय प्रभारी विद्यार्थी प्रकोष्ठ डॉ. किशोरी लाल शर्मा, उदयपुर कालेज ईकाई प्रमुख डॉ अश्विनी शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य डॉ. पुरूषोत्तम दास शर्मा ने कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि स्वरूप पधारने हेतु महामहिम को सादर आमंत्रण दिया एवं महामहिम के कर कमलों से कार्यशाला के पोस्टर का विमोचन कराया गया। प्रतिनिधि मंडल ने उदयपुर आयुर्वेद महाविद्यालय के शिक्षकों के वेतन विसंगति एवं पदोन्नति संबंधित ज्ञापन भी महामहिम को इस अवसर पर दिया।

डॉ. शेखावत ने बताया कि वर्ष 2022 में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में अग्नि कर्म विषयक राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने मंच से अपने संबोधन में कहा था कि

आयुर्वेद में नाड़ी ज्ञान परम्परा को और विकसित करने की आवश्यकता है एवं इसके प्रशिक्षण की भी वर्तमान में महती आवश्यकता है उनकी प्रेरणा से विश्व आयुर्वेद परिषद के द्वारा बड़े स्तर पर नाड़ी ज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। विश्व आयुर्वेद परिषद के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि विश्व आयुर्वेद परिषद के तत्वावधान में पूर्व में भी आयुर्वेद चिकित्सकों के कौशल विकास हेतु आयुर्वेद की जनोपयोगी प्राचीन विधाओं को लेकर अनेक प्रायोगिक कार्यशालाओं का आयोजन होता रहा है, पूर्व में अग्नि कर्म, पंचकर्मएविद्ध कर्म, मर्म चिकित्सा आदि विषयों पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलता पूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं, जिनसे देश एवं प्रदेश के अनेकों अनेक चिकित्सक लाभांवित हुए हैं। संगठन के प्रदेश सचिव डॉ.बाबू लाल बराला ने बताया कि खाटूश्यामजी में आयोजित होने वाली कार्यशाला में विख्यात नाड़ी वैद्य विनायक तायड़े जो महाराष्ट्र मुंबई से पधारकर नाड़ी ज्ञान का प्रायोगिक प्रशिक्षण आयुर्वेद से जुड़े चिकित्सकों, शिक्षकों एवं रिसर्च स्कॉलर को देंगे। वात रोगों में विद्ध कर्म की उपयोगिता को देखते हुए उसका प्रायोगिक प्रशिक्षण पुणे महाराष्ट्र के वैद्य अमोल बानसोडे देंगे। कार्यशाला में चार सौ आयुर्वेद चिकित्सक सहभागिता करेंगे एवं नाड़ी ज्ञानए विद्ध कर्म का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। आगामी कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु एक आयोजन समिति का गठन किया गया है जिसमें डॉ विनोद कुमार गौतम, डॉ निरंजन गौतम, डॉ महेश इन्द्राए डॉ ऋषि तिवारी, डॉ जगदीश राजावत, डॉ. संजय नागर, डॉ. रिड़मलसिंह राठौड़, डॉ.मुकेश चंद प्रजापत, डॉ जितेन्द्र वर्मा, डॉ हरिराम कटारिया शामिल हैं।

अपने पिताजी की स्मृति में गौ शाला में लायन गिरीश गुप्ता ने परिजनों के साथ मिलकर गौ सवामणि का आयोजन किया

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। गुरूवार को बुद्ध विहार स्थित गौ शाला में एक गौ सवामणि का आयोजन एमजेएफ लायन गिरीश गुप्ता द्वारा किया गया। लायंस क्लब अलवर मत्स्य के पूर्व अध्यक्ष एमजेएफ लायन गिरीश गुप्ता ने बताया कि गत रविवार, 03 अगस्त को लायंस क्लब अलवर मत्स्य की अध्यक्ष लायन डॉ. मंजू अग्रवाल एवं सचिव लायन सुधा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष लायन यामिनी गुप्ता की सहमती पर क्लब ने संयुक्त वैश्य महासभा रजि0 बुद्ध विहार विजय नगर के साथ मिलकर कॉमर्स कॉलेज में 200 वाँ साप्ताहिक पौधारोपण कार्यक्रम तथा एक निःशुल्क मेडिकल जाँच शिविर का आयोजन किया गया था जिसके पश्चात् संयुक्त वैश्य महासभा अध्यक्ष सतीश कुमार गुप्ता इसी गौ शाला में सवामणि करने हमें साथ लेकर आ गए यहाँ का वातावरण जिसमे गौ माता एवं नंदी के बीमार, घायल अवस्था में दर्शन करके मन में बैचैनी होने लगी क्योकि आखरी वक्त में पिताजी भी बहुत तकलीफ पा रहे थे पिताजी भी परलोक जाने से पूर्व एक बार इसमें गौ सवामणि करके गए थे वह याद आते ही उसी वक्त निर्णय करके महासभा अध्यक्ष सतीश कुमार गुप्ता को निवेदन किया कि आप तुरन्त मुझे भी यह सेवा करने का मौका प्रदान करे उन्होंने डायरी देखकर तुरंत मुझे 7 अगस्त को प्रातः 8 बजे इस सेवा हेतु आमंत्रित कर लिया। माताजी गंगा गुप्ता, बहन शकुन गुप्ता, छोटी बहन प्रमिला गुप्ता, छोटे जियाजी रामप्रकाश गुप्ता, धर्मपत्नी लायन यामिनी मीना गुप्ता, बडी भाभी अनीता गुप्ता, महासभा अध्यक्ष एवं लायन मेम्बर सतीश कुमार गुप्ता, लायन अनिल बंसल, लायन सत्यनारायण अग्रवाल,लायन प्रहलाद अग्रवाल, लायन प्रदीप धामनी, महासभा के मुकेश गुप्ता, जगदीश गुप्ता, सुभाष गुप्ता, रमा गुप्ता,सुनील केदावत, शम्भू शर्मा सभी ने गौ सवामणि में अपनी सेवाये प्रदान करी वही हरे रामा हरे हरे के गानों को गाकर एवं ॐ ध्वनि उच्चारण को गाकर माहौल को बिलकुल मंदिर जैसा पवित्र कर दिया।

रोटरी अलवर का 7 का साथ रक्तदान शिविर आयोजित

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। रोटरी क्लब ऑफ अलवर ने 7 अगस्त को अपने स्थाई प्रकल्प 7 का साथ के अंतर्गत अंबेडकर नगर स्थित रोटरी चैरिटेबल ब्लड सेंटर में स्वैच्छिक रक्तदान कार्यक्रम आयोजित किया। रोटरी क्लब ऑफ अलवर अध्यक्ष बबिता खंडेलवाल ने बताया कि रक्तदान के प्रति फैली भ्रांतियों को दूर करने और लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से रोटरी क्लब ऑफ अलवर पिछले 8 वर्षों से हर माह की 7 तारीख को रक्तदान कार्यक्रम आयोजित करता आ रहा है। रक्तदान कार्यक्रम संयोजक विकास गुप्ता ने बताया कि आज के रक्तदान कार्यक्रम में 10 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया जिसमें रोटे. दीपक गुप्ता, रोटे.बृजेश गोयल, रोटे. राजेश जैन, रोटे.घनश्याम खंडेलवाल, दिव्यम खंडेलवाल,उदित मोदी,सतीश चौधरी, सत्येंद्र सैनी, बबली सिंह मीणा, प्रदीप पारीक ने रक्तदान किया। क्लब सचिव ऋषि मित्तल ने बताया कि क्लब अध्यक्ष बबीता खंडेलवालए असिस्टेंट गवर्नर राजेश सिंघलए रोटरी चैरिटेबल संस्थान अध्यक्ष के.के.खंडेलवाल, पूर्व अध्यक्ष सुरेश गुप्ता, कविता खंडेलवाल,प्रवीण खंडेलवाल, सुनील कुमार गुप्ता द्वारा सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर स मानित किया गया।

पुत्र ने किये अपनी माता के नेत्रदान

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। शहर अलवर में.60 फुट रोड, आजाद नगरए स्वराज स्कूल के पास अलवर, निवासी श्रीमति भगवती देवी ध्रुव श्री कालूराम गुप्ता के आकस्मिक निधन के उपरान्त उनके नेत्रदान कर दिए। नारायण सेवा संस्थान, अलवर शाखा अध्यक्ष आर एस वर्मा ने बताया कि भगवती देवी के निधन के पश्चात प्रमुख समाजसेवी संयुक्त व्यापारी महासंघ अलवरए के अध्यक्ष . सरदार हरमीत सिंह मेहंदीरत्ता जी ने उनके पुत्र विष्णु स्वरूप व उनके परिवार को नेत्रदान के लिए प्रेरित कियाए तदउपरांत परिवार की सहमति के बाद उनके नेत्रदान करवाने के लिए डॉक्टर श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल आई डोनेशन सेंटर अलवर को फोन करके नेत्रदान के लिए कहा। उनकी सूचना पर डा0 श्रॉफ हॉस्पिटल आई डोनेशन सेंटर की डॉक्टर की टीम ने उनके निवास पर पहुँच कर परिवार की सहमति के बाद आई डोनेशन की प्रक्रिया को पूरा किया। उनके पुत्र विष्णु स्वरूप गुप्ता ने उनके ष्नेत्रदान कर बहुत पुण्य का काम किया है। इस नेत्र दान से किन्ही दो नेत्रहिनो की आँखों को रोशनी मिलने से उनकी जिन्दगी संवर जायेगी। उनकी इस पहल से अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी। और मानवता के लिए परोपकार हेतु इस पुण्य कार्य को और अधिक बल मिलेगा।

एक शाम तिरंगे के नाम श्री परशुराम सर्किल से विशाल दुपहिया तिरंगा वाहन रैली 13 अगस्त शाम को

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पांचवी विशाल तिरंगा दुपहिया वाहन रैली श्री परशुराम सर्किलए नियर पुलिस अलवर से 13 अगस्त 2025 को शाम 5 बजे निकाली जावेगी। रैली संयोजक ओपी शर्मा ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में हर घर तिरंगा अभियान के तहत श्री परशुराम सर्किल नियर पुलिस लाइन अलवर से हजारों की संख्या में देश प्रेमी बंधुओं तिरंगा लेकर के अशोका टॉकीज, मालाखेड़ा बाजार, त्रिपोलिया, होते हुए होप सर्कस, घंटाघरए कंट्रोल रूम से मन्नी का बढ़ होते हुए शहीद स्मारक से शहीद चंद्रशेखर आजाद जी की प्रतिमा नेहरू गार्डन तक पहुंचेंगे। नेहरू गार्डन में शहीद चंद्रशेखर आजाद जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर रैली का समापन होगा। इस दौरान देशभक्त बंधु देशभक्ति नारे लगाते हुए चलेंगे। तिरंगा रैली में भारत माता एवं देशभक्ति वाली झांकियां भी होगी। रैली को वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा केसरिया झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

रावतभाटा के तत्वाधान में पहले दिन 155 रोगियों को निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा एवं औषधि वितरण की गई

बढ़ता राजस्थान

रावतभाटा(नि.स.)। अपने शहर रावतभाटा में पहली बार विश्व हिंदू परिषद एवं आयुर्वेद विभाग की तरफ से निशुल्क चिकित्सा शिविर प्रारंभ किया गया शिविर का संचालन विश्व हिंदू परिषद के जिला समरसता प्रमुख नरेंद्र नाथ जंगम ने किया कार्यक्रम की अध्यक्षता रामेश्वर गुर्जर, मुख्य अतिथि बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता आशीष जैन और विशिष्ट अतिथि सुरेश विजयवर्गीय ने दीप प्रजलन कर अतिथियों ओर चिकित्सकों को दुपट्टा पहना कर कार्यक्रम प्रारंभ किया संगठन के प्रखंड मंत्री दीपक त्रिपाठी ने बताया कि शिविर में आयुर्वेदिक चिकित्सक मॉडल अधिकारी जगदीश पंचोली, डॉ ओमप्रकाश मीणा, डॉ मुकेश कुमार धाकड़, डॉक्टर नेहा मोसलपुरी, डॉक्टर मनीष कुमार, कंपाउंडर पवन सिंह यादव, धर्मराज मीणा, प्रेमचंद प्रजापति और परिचालक रामलाल भील, दीपक सिंह सोलंकी, ने अपनी अपनी सेवाएं दी संगठन के प्रखंड अध्यक्ष मुकेश कसेरा ने बताया कि 155 रोगियों की निशुल्क जांच व निशुल्क आयुर्वेदिक औषधीय प्रदान की गई और साथ ही 214 रोगियों की बीपी व 80 रोगियो शुगर की जांच भी की गई और लगभग 500 जानो को कड़ा वितरित किया गया । शिविर में जोड़ों का दर्द, पेट की बीमारियां, गठिया, बवासीर, कब्ज, चर्म रोग, थायराइड, रक्तचाप और शरीर से संबंधित सभी समस्याओं का निवारण किया गया । कार्यक्रम में संगठन के अशोक अहीर, ओमप्रकाश भांबी, नाथू लाल जंगम, कानाराम चारण, आकाश जैन, सुरेन्द्र मिश्रा, दीपक अजमेरा, विशाल चैडवाल, ओमप्रकाश भोई , राहुल जैन, धर्मेंद्र चौधरी, प्रेम चौधरी आदि कार्यकर्ता शामिल रहे ।

चंबल नदी में गिर रहे हैं 17 गंदे नालों को मौके पर देखा पर्यावरणविद् जाजू ने ,नगर निगम ने एनजीटी में सिर्फ एक बता कर झूठ बोला

बढ़ता राजस्थान

कोटा(का.स.)। पर्यावरणविद बाबूलाल जाजू ने कोटा जाकर जुटाए साक्ष्य जाजू द्वारा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी), केंद्रीय क्षेत्रीय पीठ भोपाल में दायर याचिका संख्या 189/2023 में चंबल नदी में हो रहे गंभीर प्रदूषण को लेकर एक बड़ा खुलासा किया गया है। उन्होंने बताया कि कोटा शहर की गंदगी और घरेलू–औद्योगिक नालों का मल–मूत्र युक्त प्रदूषित जल बिना किसी शोधन के सीधे चंबल नदी में गिर रहा है, जिससे नदी की पारिस्थितिकी, जलजीवों विशेषकर घड़ियालों के अस्तित्व पर गंभीर संकट मंडरा रहा है। यह याचिका अधिवक्ता दीक्षा चतुर्वेदी के माध्यम से दायर की गई है। नगर निगम कोटा द्वारा राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण में दिए गए जवाब में केवल एक नाले के चंबल में गिरने की जानकारी दी गई, जबकि वास्तविक स्थिति इससे कहीं अधिक भयावह है। गोदावरी धाम पर जाजू ने पत्रकारों को बताया कि स्वयं कोटा जाकर पैदल और स्ट्रीम मोटर बोट की सहायता से स्थलीय निरीक्षण पर निकले। उन्होंने चंबल नदी के घाटों, पुलों और बैराज क्षेत्रों का दौरा कर कुल 17 स्थानों की पहचान की, जहाँ गंदे नाले बिना किसी शोधन के चंबल नदी में गिरते पाए गए। उन्होंने इन सभी बिंदुओं पर जीओटैग्ड फोटो और वीडियो के रूप में प्रमाण संकलित किए हैं, जो राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण एनजीटी में याचिका के समर्थन में प्रस्तुत किए जाएंगे।

नगर निगम द्वारा दावा किया गया है कि आठ स्थानों पर ईटीपी (इंफ्लयूमेट ट्रीटमेंट प्लांट) लगाकर चंबल के जल को शुद्ध किया जा रहा है, जबकि जाजू का कहना है कि यह पूरी तरह भ्रामक और तथ्यहीन है। सभी चिन्हित स्थानों पर बिना शोधन के गंदा पानी नदी में जा रहा है। जाजू के साथ पर्यावरणविद् चम्बल संसद के समन्वयक बृजेश विजयवर्गीय, विट्ठल सनाढ्य को नदी मे 17 स्थानों पर गंदे नाले चंबल में गिरते हुए बताये गए।

जाजू ने कहा कि चंबल भारत की एकमात्र घड़ियाल सेंचुरी है और यदि इन गंदे नालों को शीघ्र नहीं रोका गया, तो यह अनूठी जैव विविधता हमेशा के लिए समाप्त हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम द्वारा न्यायालय में झूठे तथ्य पेश किए हैं।

गोदावरी धाम महामण्डलेश्वर डा हेमा सरस्वती हेमा सरस्वती एवं चम्बल संसद के संरक्षक यज्ञदत्त हाडा, बूंदी के विट्ठल सनाढ्य,बृजेश विजयवर्गीय राजेंद्र जैन आदि ने जाजू का स्वागत किया। नदी खुद बीमार रहेगी तो जनता कैसे स्वस्थ होगी।

नदी को प्रदूषण मुक्त करें सरकार

डाक्टर हेमा सरस्वती ने कहा कि चम्बल में प्रदूषण से आने वाले समय में संकट खड़ा हो जाएगा। सरकार को चाहिए कि नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने में मददगार बनें।

सुकेत में उमड़ा कांग्रेस का जनसैलाब, डोटासरा ने भाजपा पर बोला तीखा हमला

बढ़ता राजस्थान

रामगंजमंडी (सुकेत)। गुरुवार को बीड़ मंडी टोल प्लाजा के समीप एक निजी रेस्टोरेंट में आयोजित कांग्रेस के जनसंवाद कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ये सरकार नहीं, सर्कस हैज् कौन जमूरा कब क्या खेल दिखा रहा है, किसी को समझ नहीं आता ।डोटासरा झालावाड़ से जयपुर जाते समय सुकेत कार्यक्रम में शामिल हुए। उनके साथ पूर्व मंत्री प्रमोद जैन, केशवरायपाटन विधायक सीएल प्रेमी, खानपुर विधायक सुरेश गुर्जर, रविंद्र त्यागी, रामगंजमंडी नगर अध्यक्ष पवन कुमार बाबेल, ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, हेमंत तिवारी और सुकेत नगर कांग्रेस अध्यक्ष अब्दुल रऊफ सहित कई नेता मौजूद रहे।

शिक्षा मंत्री पर निशाना

सभा को संबोधित करते हुए डोटासरा ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि मंत्री साहब को खुद ही नहीं पता कि वो क्या बोलते हैं, जो बोलते हैं वो करते नहीं और जो करते हैं, उसका उन्हें पता नहीं।

मुख्यमंत्री की गैरहाज़िरी पर उठाया सवाल–डोटासरा ने मुख्यमंत्री के झालावाड़ दौरे को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि हवाई यात्राएं करना गलत नहीं, लेकिन पीड़ितों से मिलना भी एक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री को झालावाड़ आकर पीड़ितों का दर्द सुनना चाहिए था। पूरा सिस्टम मुख्यमंत्री पर हावी होता दिख रहा है।

कार्यकर्ताओं से एकजुटता का आह्वान–डोटासरा ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने की अपील की और कहा कि कांग्रेस का जनाधार मजबूत है, जरूरत सिर्फ समन्वय और प्रतिबद्धता की है। उन्होंने नगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन बाबेल और महेन्द्र राजोरिया की सराहना करते हुए कहा कि इन्होंने हाल ही में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं को कांग्रेस में शामिल कराया है। कार्यक्रम में भारी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे और पूरे परिसर को कांग्रेस के झंडों व नारों से भर दिया। डोटासरा का संबोधन कई बार तालियों और नारों के बीच थमा।

रावतभाटा में धूमधाम से मनाया गया सावन महोत्सव

योगमाया संस्था द्वारा अनु किरण कॉलोनी में हुआ भव्य आयोजन, महिलाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

बढ़ता राजस्थान

रावतभाटा(नि.स.)। सावन के पावन महीने में रावतभाटा की योगमाया रजिस्टर्ड संस्था द्वारा अनु किरण कॉलोनी में *सावन महोत्सव* का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश पूजा के साथ हुई। आयोजक *ज्योति परेता* जी ने बताया कि यह आयोजन प्रतिवर्ष सावन माह में महिलाओं के आनंद व सांस्कृतिक सहभागिता के उद्देश्य से किया जाता है। कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक झूलों पर झूलते हुए सावन का भरपूर आनंद लिया और विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे आयोजन में उत्सवमय वातावरण बना रहा। कार्यक्रम का मंच संचालन मीनू नरूला ने कुशलता से किया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. श्रीमती मंजू सती और डॉ. सांची शुक्ला ने शिरकत की। दोनों ही अतिथियों ने आयोजकों की सराहना की और महिलाओं को सामाजिक–सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

क्रेशर एवं माइंस एसोसिएशन निम्बाहेड़ा एवं भदेसर ने मांगो को लेकर विधायक कृपलानी को सौंपा ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

निम्बाहेड़ा (नि.स.। निम्बाहेड़ा एवं भदेसर उपखंड क्षेत्र के क्रेशर व माइंस एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने राज्य सरकार द्वारा लागू किए जा रहे नियमों के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन पूर्व स्वायत्त शासन मंत्री एवं विधायक श्रीचंद कृपलानी को सौंपा।

क्रेशर एवं माइंस एसोसिएशन अध्यक्ष ने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा माइंस एवं गिट्टी क्रेशर संचालन को लेकर नियमों में कुछ बदलाव किए हैं, जो इस व्यवसाय के संचालनकर्ताओं के हितों में नहीं है। ज्ञापन के माध्यम से इन नियमों में शिथिलता देने के साथ इन नियमों में बदलाव करने की मांग की गई है।

ज्ञापन के माध्यम से एसोसिएशन अध्यक्ष ने विधायक कृपलानी को बताया कि राजस्थान सरकार ने रॉयल्टी राशि में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी, अव्यवहारिक ड्रोन सर्वे नियम इस मामले में आईबीएम की एसओपी को ही माइनर मिनरल पर लागू करने, आरएमएमसीआर 2017 के नियमों को व्यवहारिक करने, भारत सरकार की अधिसूचना 14.9.2006 के नियमों के विरुद्ध सीधा राजस्थान द्वारा एनवायरमेंट क्लीयरेंस लेते समय लागू किए गए नियम की पालना करने, खनन एवं क्रेशर व्यवसाय को उद्योग का दर्जा देने, खनन माफियाओं द्वारा किए गए अवैध खनन को वैध खनन पट्टाधिकारियों पर डालने से रोकने, रॉयल्टी ठेकेदारों द्वारा मनमानी वसूली को रोकने, खनन अधिकारियों द्वारा लीजधारकों के पुराने निर्गमित किए जा चुके रॉयल्टी पैड खनिज को एआई के माध्यम से बनाए जा रहे पंचनामों पर संपूर्ण रोक लगाने, खनिज विभाग की साइट को परिवहन विभाग से डीलिंक करने या परिवहन एमनेस्टी स्कीम को खत्म करने, खनन पट्टी के ट्रांसफर को राजस्व कलेक्शन का जरिया नहीं बनाकर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए कम खर्चे पर ही ट्रांसफर करने की स्वीकृति देने तथा वर्तमान में बाजार में मंदी के दौर में बजरी की उपलब्धता नहीं होने के कारण चुनाई पत्थर व गिट्टी की खपत कम होने तथा ठेकेदारों के द्वारा समय पर भुगतान नहीं आने से नॉन वर्किंग के नाम पर खनन पट्टे खंडित नहीं करने की मांग की है।

राजस्थान शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन, लंबित मांगों को पूरा करने की मांग

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (अनन्त दाधीच)। शिक्षक संघ राष्ट्रीय की बूंदी और हिंडोली ग्रामीण शाखाओं ने प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर शिक्षकों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। यह ज्ञापन उपखंड अधिकारियों के माध्यम से प्रेषित किया गया। बूंदी में ज्ञापन, डीपीसी और स्थानांतरण पर ज़ोर राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उपशाखा बूंदी ग्रामीण के शाखा अध्यक्ष वैभव शर्मा के नेतृत्व में एक ज्ञापन सौंपा गया। शाखा मंत्री मनोज जैन ने बताया कि इस ज्ञापन में प्रमुख रूप से तृतीय श्रेणी शिक्षकों सहित सभी संवर्गों के स्थानांतरण, सभी संवर्गों की पदोन्नति प्रक्रिया को पूरा करने, वेतन विसंगतियों को दूर करने, और शिक्षकों को गैर–शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने की मांग की गई है। इसके अलावा, संविदा पर कार्यरत पंचायत शिक्षकों को स्थायी करने और कंप्यूटर अनुदेशकों का पदनाम बदलने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे भी उठाए गए हैं। पिछली सरकार में क्रमोन्नत हुए सीनियर विद्यालयों में आवश्यक पदों को स्वीकृति देने की भी मांग की गई है। ज्ञापन सौंपते समय बूंदी शाखा के अनेक पदाधिकारी और सदस्य मौजूद थे, जिनमें सम्भाग मीडिया प्रभारी सुरेश बैरागी, जिला अध्यक्ष प्रदीप, जिला मंत्री राकेश, जिला महिला मंत्री पूजा, और अन्य शामिल थे।

शहर के विकास और नागरिको के लिये मंथन मे हुई जनसुनवाई

केडीए की जनसुनवाई में आए 113 प्रकरण

बढ़ता राजस्थान

कोटा, (विनोद गौड़)। कोटा विकास प्राधिकरण द्वारा आमजन की शिकायतों, समस्याओं एवं सुझावों के त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण के उद्देश्य से द्वितीय नियमित जनसुनवाई का आयोजन गुरुवार को प्राधिकरण कार्यालय स्थित मंथन सभागार में किया गया। जनसुनवाई की अध्यक्षता प्राधिकरण केडीए आयुक्त हरफूल सिंह यादव ने की। जनसुनवाई में कुल 113 प्रकरण प्राप्त हुए जिनमें से कई का मौके पर समाधान किया गया। जनसुनवाई में नामांतरण, विक्रय स्वीकृति, भवन निर्माण स्वीकृति एवं नगरीय कर संबंधी प्रकरण, अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण से संबंधित शिकायतें, कॉलोनियों में सड़क मरम्मत, स्ट्रीट लाइट एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं, आवासीय योजनाओं में पुनर्वास एवं अधोसंरचना विकास संबंधी अनुरोध प्रकरणों का मौके पर परीक्षण कर त्वरित निस्तारण किया गया। शेष प्रकरणों को नियमानुसार संबंधित शाखाओं को प्रेषित करते हुए समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। शीघ्र निस्तारित मामलों में संबंधित शाखा अधिकारियों द्वारा आवेदकों को मौके पर ही राहत प्रदान की गई।

केडीए आयुक्त ने बताया कि विकास कार्यों से संबंधित प्रकरणों पर निदेशक अभियांत्रिकी रविन्द्र माथुर को स्थल निरीक्षण कर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अतिक्रमण, अवैध कब्जा से संबंधित मामलों में संबंधित तहसीलदारों को मौके पर जाकर विधिसम्मत कार्यवाही करने के निर्देश दिए। गिर्राजपुरम (लखावा) योजना की अप्रोच रोड में वन विभाग से संबंधित अवरोध को दूर करने के लिए परिवेश पोर्टल के माध्यम से समन्वयात्मक कार्रवाई एवं साप्ताहिक समीक्षा बैठक में प्रकरण के अंतिम निस्तारण तक निरंतर निगरानी रखने के निर्देश दिए। मुकुंदरा स्पेशल, गोल्डन ग्रीन लैंड, उम्मेदगंज एवं लखावा योजना में आवश्यक नागरिक सुविधाओं के विकास एवं पुनर्वास से जुड़े मामलों में प्राथमिकता से विभागीय समन्वय स्थापित कर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। केडीए आयुक्त ने शेष प्रकरणों पर निर्धारित समय–सीमा के भीतर निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण की प्रगति रिपोर्ट अगली जनसुनवाई में प्रस्तुत की जाए।

मुख्यमंत्री जी ध्यान दो : गोमाताओ की रक्षा हेतु कोटा कलेक्ट्रेट कार्यालय पर युवा कांग्रेस द्वारा ज्ञापन सौंपा

बढ़ता राजस्थान

कोटा, (विनोद गौड़)। कोटा देहात में कांग्रेस के प्रदेश संयोजक शुभम गोचर के नेतृत्व में सचिन पायलट के समर्थक और उन्हें चाहने वालों ने एक अभियान की शुरुआत कोटा से की । जहां भी पूरे राजस्थान में सड़कों पर गौ माता मर रही हैं। उनको बचाया जाए। राजस्थान की सड़कों पर जगह–जगह गौ माताएं बैठी हुई है जो हाईवे पर बैठी रहती हैं और वाहनों से टक्कर लगते हैं जिनसे उनकी मृत्यु हो जाती है उन गायों को बचाने का बीड़ा सचिन पायलट की टीम ने उठाया है।

पायलट समर्थक युवा हाथों में सचिन पायलट की फोटो वाले पोस्टर बैनर लिए कलेक्ट्रेट की और बढ़ते रहे।

बैनर पर गो माता को बचाने के नारे लिखे हुए थे।

गिरिराज धरण की जय तो गो माता की रक्षण कब

नेतृत्व कर रहे शुभम गुर्जर ने समर्थको को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री से सवाल किया की आप हर सार्वजनिक सभा पर गोपालक बाँके बिहारी गिरिराज धरण जी का जयकारा लगाते हो,आपने प्रदेश भर में करोड़ो पौधे लगाए जाने का अभियान चलाया, आप प्रदेश की सड़को पर निकलते हो राज के मुख्या हो आपको इन गायो की दुर्दशा नहीं दिखती।

आप एक अभियान इस दिशा में भी चलावे

जिससे सड़को पर आए दिन गो हत्याए किसी का पैर टूट जाता हैं। किसी के ऊपर बड़े वाहन चढ़ जाते है आपसे हम हाथ जोड़कर विनती करते हैं मुख्यमंत्री जी

आपको इनके लिए भी कुछ करने की आवश्यकता है । आप इस पर अपना ध्यान केंद्रित कर कुछ ठोस निर्णय लेवे।

यह रहे शामिल – ज्ञापन में महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष शालिनी गौतम प्रदेश सयोंजक आशीष गुर्जर अंकित पांचाल शहर जिला महासचिव नरोत्तम शर्मा कुणाल शर्मा धीरज गुर्जर राजेंद्र गुर्जर अरुण वर्मा दिव्यांशु मेघवाल सचिन गुर्जर दिनेश जोशी समेत कई युवा कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे!

बहू से छेड़छाड़ के आरोपी का विवादित ऑडियो वायरल ,,,

समाज के लिये अपमानजनक शब्दो से बवाल वाल्मीकि समाज ने फूंका पुतला

रामगंजमंडी (प्रमोद राठौर)। बहू से छेड़छाड़ के मामले में नामजद आरोपी ससुर का एक नया विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर वायरल एक ऑडियो क्लिप ने मामले को और भी गरमा दिया है। इस ऑडियो में आरोपी एक पत्रकार को धमकाते हुए वाल्मीकि समाज को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करता सुनाई दे रहा है। इससे समाज में भारी आक्रोश फैल गया। गुरुवार को वाल्मीकि समाज के लोगों ने शहीद पन्नालाल चौराहे पर विरोध प्रदर्शन किया और आरोपी का पुतला दहन कर सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान समाज के लोगों ने हाथों में झाड़ू लेकर नारेबाजी की और कहा कि आरोपी द्वारा समाज का अपमान किया गया है, जो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने उपखंड अधिकारी श्रीमती चारू वर्मा को ज्ञापन सौंपते हुए आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी और समाज विरोधी टिप्पणी पर कानूनी कार्रवाई की मांग की। वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधि रजत नरवाला ने बताया कि वायरल ऑडियो में आरोपी ने समाज के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया है, जिससे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन को तुरंत संज्ञान लेना चाहिए और आरोपी को गिरफ्तार कर समाज को न्याय दिलाना चाहिए। प्रदर्शन में रजत नरवाला, राहुल गोडाला, नीरज, आकाश, विशाल, सुजल, सन्नी, सूरज पंवार सहित समाज के अनेक लोग शामिल हुए।

शिक्षा के मंदिरों में नहीं मिल पा रही गरीब बच्चों को शिक्षा

नगरपालिका क्षेत्र के अधिकांश विद्यालय शिक्षक विहीन या फिर एकल अध्यापक के भरोसे

- बिना शिक्षकों के इन विद्यालयों में प्रति वर्ष नामांकन की हो रही गिरावट,
- पैसे के अभाव ग्रस्त ज्यादातर गरीब और मजदूर वर्ग के बच्चे इन विद्यालयों में पढ़ने को है मजबूर,

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। शहर के अधिकांश प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय शिक्षक विहीन या एकल शिक्षक द्वारा संचालित हो रहे हैं। ऐसे में इन विद्यालयों में लगातार नामांकन तो घट ही रहा है साथ में बच्चों की शिक्षण व्यवस्था चौपट हो गई है। जिसको लेकर शिक्षा विभाग के अधिकारी केवल इधर-उधर से शिक्षक लगाकर काम चला रहे हैं। ऐसे में इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावक परेशान नजर आ रहे हैं। गरीब स्थिति और मध्यम तबके के बच्चे ही इन विद्यालयों में पढ़ने जाते हैं जिन पर दूसरा कोई विकल्प नहीं है।

शहर के प्राथमिक विद्यालय छपेटी पाड़ा की बात की जाए तो यहां पिछले वर्षों में जहां 150 का नामांकन था। टीचर्स नहीं होने से अब वह घटते-घटते 18 पर पहुंच गया है। यह 18 बच्चे भी स्कूल में केवल पोषाहार के लिए आते है। यहां कोई टीचर नहीं है। शिक्षा विभाग के अधिकारी यहां स्कूल संचालित करने के लिए डेपुटेशन पर सात-सात दिन के लिए अलग-अलग स्कूलों के टीचर्स लगाते है।

वहीं शहर के सबसे पुराने उच्च प्राथमिक विद्यालय गुमट की तो हालत दयनीय हो गई है। यहां नामांकन 200 से घटकर आधा हो गया है। यहां भी वैकल्पिक व्यवस्था के तहत टीचर लगते है। खाना बनाने वाली कुक कम हेल्पर को भी पिछले 9 महीने से मानदेय नहीं मिला है। लेकिन उनकी मजबूरी है कि वह बच्चों को खाना बनाकर खिलाती है। वही शहर के वार्ड नम्बर 16,वार्ड नम्बर 18 के प्राथमिक विद्यालयों भी यही स्थिति बनी हुई है। टीचर्स नहीं होने के चलते लगातार नामांकन घटता जा रहा है।

अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने आए अभिभावक झालूराम ने बताया कि उनका बच्चा घर पर जाकर पढ़ाई नहीं होने की कहता है लेकिन वह इस आशा से उसे स्कूल लाते हैं कि कोई ना कोई टीचर तो उसे पढ़ायेगा ही,हालांकि स्कूल में टीचर नहीं होने से वे मायूस है। सरकार से आशा कर रहे हैं कि यहां टीचर लगाया जाए।

मामले को लेकर शिक्षा विभाग के जिला शिक्षा अधिकारी महेश मंगल का कहना है। टीचर्स की बहुत ज्यादा कमी है। प्राथमिक और उच्च प्राथमिक लेवल पर टीचर उपलब्ध नहीं है। इसी के चलते परेशानी आ रही है। ऊपर भी उच्च अधिकारियों को अवगत कराया है।

राजसमंद जिला मुख्यालय पर चोरों के बुलंद हौसले, दिनदहाड़े सूने मकान में वारदात को दिया अंजाम

वही एक बैंक मे से व्यक्ति से 50000 लेकर दो महिलाएं फरार सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई चोरों की तस्वीर,

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। राजसमंद में अज्ञात चोरों ने पुलिस को खुली चुनौती देते हुए दिन दहाड़े सूने मकान के ताले तोड़कर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। मकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में चोर की आते और जाते हुए तस्वीरें कैद हो गई। घटना के दौरान परिवार के सभी के सभी सदस्य नौकरी पर गए हुए थे। जब ड्यूटी से घर लौटे तो वारदात का पता चला ।इसके बाद पुलिस को घटना की सूचना दी गई। कांकरोली थाना क्षेत्र के नई आबादी कॉलोनी में एक सूने मकान में सेंध लगाकर बाइक पर सवार होकर आई युवक ने केवल 7 मिनट के दरमियान चोरी की वारदात को अंजाम दिया। मकान में घुसकर चोर ने पहले मुख्य दरवाजे को तोड़ा और उसके बाद अलमारी तोड़कर उसमें रखे 10 तोला सोने के जेवरात,डेढ़ किलो चांदी के जेवरात सहित नगदी और कीमती सामान पर हाथ साफ कर लिया। वारदात के बाद आरोपी एक थेले में सभी सामान लेकर आराम से बाइक पर सवार होकर रवाना हो गया। नई आबादी से हाईवे के बीच लगे सीसीटीवी कैमरे में चोर की साफ तस्वीर कैद हुई है जिनके आधार पर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। वही रिहायशी इलाके में दिनदहाड़े चोरी की वारदात से मोहल्ला वासियो में जोरदार आक्रोश है।वहीबैंक में आए एक ग्राहक के बैग से दो म हिलाओं ने 50 हजार रुपए पार कर लिए। ये पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। घटना जिले के आवरी माता मंदिर स्थित केनरा बैंक की है।जब ग्राहक को इस बारे में पता चला तो वह बैंक अधिकारियों के पास पहुंचा। सीसीटीवी खंगालने पर पता चला कि दो महिलाओं ने इस पूरी वारदात को अंजाम दिया है।वीडियो में नजर आ रहा है कि दो महिलाओं ने ग्राहक को पहले घरो और फिर बैग के चीरा लगाते हुए 50 हजार रुपए पार कर लिए। इधर, सूचना पर राजनगर पुलिस मौके पर पहुंची।राजनगर पुलिस से मिली की जानकारी के अनुसार पीड़ित दिनेश माहेश्वरी केनरा बैंक में 250000 जमा करने आया था इस दौरान बैंक में बेटी दो महिलाओं ने बेग के चीरा लगाकर ?50000 रुपए गायब कर बैंक से फरार हो गई ।इस मामले को लेकर बैंक प्रबंधक ने वह पीड़ित ने राजनगर थाने में मामला दर्ज करवाया है।

सांसद मेवाड़ ने कृषि अवसंरचना के विकास हेतु केंद्रीय कृषि मंत्री से की मुलाकात

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने संसदीय क्षेत्र में कृषि अवसंरचना को सशक्त बनाने एवं किसानों को दीर्घकालीन लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी से मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्र की कृषि आवश्यकताओं और संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए अनेक महत्त्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य रूप से राजसमंद क्षेत्र में कृषि शोध विद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया, जिससे स्थानीय कृषकों को वैज्ञानिक तकनीकों एवं नवीनतम शोध से लाभान्वित किया जा सके। साथ ही, खमनोर क्षेत्र के प्रसिद्ध गुलाबों से निर्मित उत्पादों की ब्रांडिंग, मार्केटिंग एवं उन्हें राष्ट्रीय-बाजार से जोड़ने की दिशा में नीतिगत प्रयासों पर विमर्श हुआ।माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इन सभी प्रस्तावों को अत्यंत सकारात्मक रूप से स्वीकारते हुए आवश्यक सहयोग एवं केंद्रीय स्तर पर समर्थन प्रदान करने का आश्वासन दिया।

उड़ीसा के जगन्नाथपुरी में हुआ भागवत कथा का आयोजन

शहर की संस्था राधा कृष्ण भागवत सेवा समिति का आयोजन,

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। शहर की धार्मिक संस्था राधा कृष्ण भागवत सेवा समिति द्वारा शहर के श्रद्धालुओ के सहयोग से उड़ीसा के पुरी में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें आचार्य पुष्कर दत्त शास्त्री द्वारा कथा वाचन किया गया। इस दौरान परीक्षित के रूप में शहर के बुजुर्ग समाजसेवी रामनिवास मित्तल और उनकी पत्नी मौजूद रही। कथा आयोजन को लेकर राधा कृष्ण भागवत सेवा समिति के अध्यक्ष रामकिशन गर्ग ने बताया कि हर वर्ष समिति द्वारा शहर की श्रद्धालुओं के सहयोग से देश के विभिन्न धार्मिक स्थान पर मुक्त श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान एक होता आयोजन किया जाता है। इस बार यह आयोजन उड़ीसा के जगन्नाथ पुरी में किया गया। 1 सितंबर से गुरुवार 7 सितंबर तक भागवत कथा का आयोजन हुआ। जिसमें कथा वाचन आचार्य पुष्कर शास्त्री द्वारा किया गया। इस दौरान शहर के श्रद्धालु रामकुमार हरदेनियां,अशोक बंसल, समिति के संरक्षक राजेंद्र शास्त्री,बॉबी परमार,ताराचंद गोयल,विष्णु सिंगल,देव फोटो ग्राफर के साथ दर्जनों श्रद्धालु मौजूद रहे।

दुर्गा वाहिनी व मातृशक्ति भिनाय के तत्वावधान में रक्षाबंधन का पर्व

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (घनश्याम दास)। अजमेर जिले के भिनाय कस्बे के पुलिस थाना परिसर में गुरुवार को दुर्गा वाहिनी व मातृशक्ति भिनाय के तत्वावधान में रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद मातृशक्ति जिला संयोजक ऊषा जोशी के नेतृत्व में महिलाओं व बालिकाओं ने पुलिस जवानों के तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बांधा व मुंह मीठा करा कर रक्षा बंधन पर्व की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर प्रोढ भाग प्रमुख किशन गोपाल परिहार , पुलिस जवान व मातृशक्ति उपस्थित थी।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने किया पदभार ग्रहण

पहली प्राथमिकता जीरो पेंडेंसी-सरिता मिश्रा

बढ़ता राजस्थान

भुसावर(यतेन्द्र पाण्डेय)। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भुसावर के पद पर स्थानान्तरण होकर आयीं सरिता मिश्रा ने पदभार ग्रहण कर लिया। जिनका स्टाफ सहित क्षेत्रवासियों ने स्वागत किया। जहां उन्होने पैण्डेंसी को समाप्त करने को लेकर बात कही। मिली जानकारी के अनुसार भुसावर सीबीईओ के पद पर लगायी गयीं सरिता मिश्रा ने पदभार ग्रहण किया। जहां उन्होने कार्यालय पहुॅचकर पदभार ग्रहण करते हुए सभी स्टाफ से मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्र के लोगों ने विद्यालयों की विभिन्न समस्याओं से अवगत करवाते हुए समाधान को लेकर मांग की। जिस पर उन्होने जल्द समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान प्रेस वार्ता में उन्होने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता जीरो पैण्डेंसी का रहेगा। जहां उन्होने कहा कि ज्यादा से ज्यादा काम करना, जो पिछडा हुआ है उसे रैगूलराईज करना और सभी कार्यो को फॉर्म में लाना होगा।

पूर्व कर्मचारियों को समय पर भुगतान नहीं करना पड़ा महंगा, विद्यालय के चार बालवाहिनी की कुर्क

बढ़ता राजस्थान

भुसावर (यतेन्द्र पाण्डेय)। भुसावर की स्वतंत्रता से पूर्व पंच बालिकाओं को लेकर की स्थापित श्री आर्य महिला विद्यापीठ का किसी ने भी नहीं सोचा था कि इस तरह की स्थिति बनेगी, आर्य विद्यापीठ बालिका विद्यालय में अखंड भारत के सिक्किम भूटान नेपाल सहित वर्तमान के अनेक देशों की बालिकाएं शिक्षा प्राप्त करती थी। श्री आर्य महिला विद्यापीठ में राज्य सरकार की ओर से अनेक पदों पर 90प्रतिशत राशि दी जाती थी। किसी समय में संस्थान को चलाने के लिए स्वर्गीय सेठ रघुनाथ प्रसाद , पांडे कहरी सिंह, मास्टर आदितेद्व, सहित अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने इस संस्थान को बालिकाओं के लिए एक मील का पत्थर साबित किया । श्री आर्य महिला विद्यापीठ की पढी हुई बालिकाएं देश ही नहीं विदेशों में भी परचम फहरा चुकी हैं। जब से राज्य सरकार की ओर से अनुदान बंद हुआ है तब से संस्था का ग्राफ दिन प्रतिदिन गिरता गया है वर्तमान में वह स्थिति आ गई है अनुदान प्राप्त संस्था पदों पर प्रतिस्थापित लोगों को अनुदान बंद होने के कारण राज्य सरकार ने राजकीय विद्यालय में प्रतिस्थापित कर दिया जिनकी राशि शेष रह गई संस्था द्वारा समय पर नहीं दिए जाने पर लोगों ने कोर्ट की शरण ली है इस पर भुसावर के न्यायिक मजिस्ट्रेट ने उनके समक्ष लंबित प्रकरण गोपाल चंद्र अग्र?वाल, हरीश दीक्षित, राजेंद्र शर्मा व श्रीमति कुसुम बनाम आर्य महिला विद्यापी0 सोसायटी, भुसावर जो कि उक्त कर्मचारियो के पोरट रिटायरगेट वेनिफिट्स (ग्रेजुएटी, उपार्जित अवकाश व एरियर) के पेमेंट के मामले में इजराय 2021 से लम्बित थी। . जिसने दिनांक 2/8/2025 को माननीय न्यायालय द्वारा विद्यापीठ द्वारा किये कुबों को खारिज कर दिया तथा प्रारंभिक आपत्ति पेमेंट किये जाने के आदेश पारित किए। इसी क्रम में दिनांक 7/6/2023, कोर्ट के आदेशअनुसार सोसायटी की बसों की कुर्की की प्रक्रिया की गई साया। सहायक नाजिर रुपेन्द्र शर्मा व सुरेश चंद पाण्डेय (सहायक) द्वारा डिक्रीदारों व अन्य गवाहों की निगरानी में की गई। इस कुर्की के दौरान संस्था के सभी अधिकारी नदारद मिले तथा इस बाबत मंत्री अजय अग्रवाल को फोन पर कुर्की बाबत् सूचना दी गई, जिसमें उन्होंने पेमेंट करने में असमर्थता जाहिर की। कुर्की के दौरान डिक्रीदार के अधिवक्ता रामेश्वर शार्मा व अनुराग गुप्ता भी उपस्थित रहे।

राजाखेड़ा में गर्ल्स कॉलेज के लिए सड़क निर्माण की मांग: छात्राओं ने नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी दी

धौलपुर (राजू शर्मा)। राजाखेड़ा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की छात्राओं ने गर्ल्स कॉलेज के लिए सड़क निर्माण की मांग उठाई है। छात्राओं ने नायब तहसीलदार को उपखंड अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा। छात्राओं ने बताया कि बारिश के मौसम में कीचड़ और जलभराव की समस्या से कॉलेज आना-जाना मुश्किल हो गया है। इससे उनकी शिक्षा और सुरक्षा दोनों प्रभावित हो रही है। नायब तहसीलदार ने उपखंड अधिकारी की बीमारी का हवाला देते हुए जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। हालांकि, छात्राओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि अगर शीघ्र सड़क निर्माण शुरू नहीं हुआ तो वे धौलपुर-राजाखेड़ा रोड जाम कर देंगी। छात्राओं ने उग्र आंदोलन की भी चेतावनी दी है। ज्ञापन देने वाली छात्राओं में एबीवीपी की राजाखेड़ा नगर मंत्री पतंजलि, सीता शर्मा, मोनिका मौर्य, निशा, साधना कुमारी, ज्योति, गुड्डीया, राधिका और संगीता सहित अन्य छात्राएं शामिल थीं।

जिले में वार्ड से लेकर गांवों तक तिरंगा यात्रा, महोत्सव और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे आयोजित

जिला कलक्टर लोक बन्धु ने वीसी के माध्यम से दिए निर्देश

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (घनश्याम दास)। हर घर तिरंगा - हर घर स्वच्छता अभियान के सफल संचालन के लिए जिला एवं समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ गुरुवार को जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में वीसी के माध्यम से बैठक का आयोजन किया गया। इसमें राज्य एवं भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के निर्देशानुसार आगामी स्वतंत्रता सप्ताह 15 अगस्त 2025 तक के आयोजन की रूपरेखा पर चर्चा की गई। जिला कलक्टर ने अभियान के तीनों चरणों को प्रभावी तरीके से जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

वार्ड से गांव तक गतिविधियां, तिरंगे से सजेगा हर घर

जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं नगरीय वार्ड स्तर पर गतिविधियां आयोजित की जाएं। स्वयंसेवकों की नियुक्ति कर, घर-घर झंडा वितरण किया जाएगा। सभी राजकीय कार्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में झंडारोहण एवं तिरंगा लाइटिंग सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग की प्रमुख भूमिका के साथ सभी स्कूलों में रंगोली प्रतियोगिता, झंडा सजावट, एनसीसी एवं स्काउट कैडेट्स की सहभागिता से विभिन्न कार्यक्रम होंगे। तिरंगा सेल्फी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाए। लोक बन्धु ने कहा कि यह अभियान तीन चरणों में आयोजित होगा। पहले चरण में 8 अगस्त तक स्कूलों की दीवारों की सजावट, तिरंगा रंगोली और तिरंगा राखी निर्माण जैसी गतिविधियाँ आयोजित होंगी। इन आयोजनों में जनसमुदाय, विद्यार्थी और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय रूप से सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

इसी प्रकार दूसरे चरण में 9 से 12 अगस्त स्वच्छता को विशेष महत्व दिया गया है। इसके लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक स्वच्छता गतिविधि अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए। आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए श्रमदान, सिंगल यूज़ प्लास्टिक के प्रति अभियान, जल स्रोतों की सफाई और शौचालयों के रख-रखाव को प्राथमिकता दी जाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही इस चरण में तिरंगा मेला और तिरंगा कॉन्सर्ट का आयोजन भी किया जाएगा। इसमें स्थानीय उत्पादों की बिक्री, स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए तिरंगा रंग आधारित उत्पादों का प्रदर्शन किया जाए।

उन्होंने कहा कि तीसरे चरण में 13 से 15 अगस्त जिले के सभी राजकीय भवनों, विद्यालयों, कार्यालयों, पुलों, बांधों और अन्य महत्त्वपूर्ण स्थलों पर तिरंगा फहराने के साथ-साथ लाइटिंग की जाएगी। इस चरण में तिरंगा यात्रा, सांस्कृतिक संध्या, देशभक्ति गीतों पर नृत्य प्रस्तुति, समूह व्यायाम और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। सभी कार्यक्रमों में आमजन, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संगठनों और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

तिरंगा महोत्सव व तिरंगा सेल्फी पॉइंट्स से बनेगा जनआंदोलन

बड़े नगरीय निकायों में तिरंगा महोत्सव और सेल्फी पॉइंट्स स्थापित किए जाएंगे। समस्त ग्राम पंचायतों एवं नगरीय वार्डों में तिरंगा रैली आयोजित कर आमजन, जनप्रतिनिधि एवं विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

श्री हरिदत्त फार्मेसी कॉलेज में नवीन छात्रों का स्वागत एवं ओरिएंटेशन, संभाग के सर्वश्रेष्ठ रिज़ल्ट वाले छात्रों का सम्मान

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर(यतेन्द्र पाण्डेय्)। श्री हरिदत्त फार्मेसी कॉलेज में डिप्लोमा इन फार्मेसी कोर्स में प्रवेशित नवीन छात्रों के स्वागत एवं ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन भव्य रूप से किया गया। साथ ही, संभाग का सर्वश्रेष्ठ परिणाम देने वाले मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह भी आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. आलोक शर्मा ने कहा कि फार्मेसी का क्षेत्र आज रोजगार और समाज सेवा दोनों का सशक्त माध्यम है। ष्ठ.क्कद्धड्डह्म्द्व कोर्स छात्रों को दवा निर्माण, वितरण, फार्मास्युटिकल कंपनियों एवं हेल्थ सेक्टर में विविध अवसर प्रदान करता है। मुख्य अतिथि यशवंत सिंह ने कहा कि फार्मेसी छात्रों को नैतिकता, अनुशासन और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करना चाहिए। विनोद छारिया ने कहा कि ष्ठ.क्कद्धड्डह्म्द्व कोर्स छात्रों को स्वास्थ्य सेवाओं में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार करता है। बनवारी सिंह ने टेक्नोलॉजी के महत्व को रेखांकित करते हुए छात्रों को डिजिटल ज्ञान के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। ज्योति जायसवाल ने छात्राओं से कहा कि फार्मेसी में महिलाओं के लिए भी अपार संभावनाएं हैं और वे आत्मनिर्भरता की मिसाल बन सकती हैं। डी सी सैनी ने परीक्षा प्रणाली, इंटर्नशिप व करियर मार्गदर्शन पर जानकारी दी। कृष्ण वीर ने फार्मेसी के नियमों व व्यवहारिक पक्षों को साझा किया। विनोद अवस्थी ने कहा कि यह कोर्स छात्रों को मेडिकल क्षेत्र में सम्मानित भविष्य प्रदान करता है। इस अवसर पर पूर्व छात्रों में से अभिषेक चाहर, हेमंत कुमार, रोहित एवं कुणाल ने भी अपने अनुभव साझा किए और वर्तमान छात्रों को प्रोत्साहित किया कि वे अपने लक्ष्य को निर्धारित कर कठिन परिश्रम से सफलता प्राप्त करें।कार्यक्रम का संचालन कॉलेज टीम द्वारा किया गया तथा अंत में आभार ज्ञापन करते हुए भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं।

बाजार में सज गई राखियों की दुकान,300 रूपये तक की राखी बाजार में उपलब्ध

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (यतेन्द्र पाण्डेय) । रक्षाबंधन का त्योहार को देखते हुए बाजार में एक और जहां राखियो की दुकान सज गई है वहीं बाजारों में राखी खरीदने के लिए महिलाओं चहल-पहल बढ़ती जा रही है। बाजार में महिलाओं की खासी भीड़ देखने को नजर आ रही है। बाजार में 300 रुपये तक की राखी उपलब्ध है ।अबकी बार बाजार से चायना राखियां लगभग गायब सी हो गई है और इंडियन कल्चर की राखियां ही खरीदने में महिलाएं रुचि दिखा रही है । शहर के मुख्य बाजार कुम्हेर गेट से लेकर बिजली घर तक 5 से 6 दर्जन तक अस्थायी राखियों की दुकान सजी हुई है । राखी विक्रेता बदलते हैं कि अबकी बार मा के शुरुआत में राखी का त्योहार पडने के कारण बाजार में खासी भीड़ देखने को मिल रही है महिलाएं खुलकर खरीदारी कर रही है। रक्षाबंधन के त्योहार पर देश मैं व्याप्त महंगाई का असर दिखाई नहीं दे रहा है राजस्थानी रियो के अलावा अन्य प्रति में निर्मित रियो को भी ज्यादा पसंद किया जा रहा है।

सखी बहनों की बनाई राखी से सजेगी भाइयों की कलाई

हिन्दुस्तान ज़िंक के सहयोग से पुठोली की महिलाओं ने तैयार की इको फ्रेण्डली राखियां

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (संजय खाबिया)। बहन भाई के त्यौहार राखी को लेकर शहर के बाजारों-घरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। रंग बिरंगी राखियों से दुकानें सज चुकी हैं। इसी बीच चित्तौडगढ़ के पुठोली गांव की सखी उपाया हैंडलुम टेक्टाइल यूनिट की महिलाओं द्वारा हस्त निर्मित इकोफ्रेण्डली राखियां भी भाइयों कलाई में सजने के लिए उपलब्ध है। खास बात यह है कि इस समूह से जुड़ी सभी 20 महिलाएं ग्रामीण क्षेत्र से हैं जिनमें 8 मुस्लिम महिलाएं भी हैं। समूह की महिलाएं पिछले कई वर्षों से समूह से जुड़ी हैं। इनके द्वारा बनायी गयी राखियां चित्तौडगढ़ ही नहीं प्रदेश के अन्य 4 जिलों उदयपुर, भीलवाड़ा, राजसमंद और अजमेर सहित अन्य जगहों पर भी भेजी जा रही हैं। ये महिलाएं रूई, कपड़े और ऊन से राखियां तैयार कर रोजगार पाने के साथ ही इको फ्रेण्डली प्रेक्टिस को बढ़ावा दे कर बेहतरीन उत्पाद उपलब्ध करा रही हैं। समूह से जुड़ी सखी महिला हीना बानो बताती हैं कि यहां 25 से अधिक डिजाइन में राखियां तैयार की जा रही है। हिन्दू भाईयों के लिए रंग बिरंगी और इको फ्रेण्डली राखियों से न सिर्फ इस त्यौहार में शामिल होने का मौका मिलता है साथ ही रोजगार भी मिला है। हैंडलुम टेक्टाइल यूनिट में राखियों को बनाने का प्रशिक्षण हिन्दुस्तान ज़िंक के सहयोग से मंजरी फाउण्डेशन द्वारा संचालित सखी परियोजना में डिजाइनर द्वारा दिया गया है।

सखी निर्मित राखियां उपाया ब्रांड से आनलाइन उपलब्ध

राखियां बनाने के बाद पैकेट में पैकिंग भी केंद्र की महिलाएं ही करती हैं जो कि सखी उत्पादन समिति निर्मित उपाया ब्राण्ड से उपलब्ध है। महिलाएं बताती हैं कि इन राखियों की खासियत यह है कि यह पुरी तरह इको फ्रेण्डली और किफायती है। इन्हें बनाने में किसी प्रकार के प्लास्टिक या मशीन का उपयोग नही किया गया है। ये राखियां हिन्दुस्तान ज़िंक की विभिनन इकाइयों में स्टॉल पर भी उपलब्ध होगी।

शीतल चैहान का कहना है 'हमने सोचा ही नही था कि हम राखी के त्यौहार के लिए जो राखियां बाजार से लाते थे, आज खुद बनाने का हूनर रखते है और परिवार की आमदनी को बढ़ा सकते है। 2017 में एक छोटे से ट्रेनिंग सेंटर के रूप में शुरू हुआ यह सफर, अब 200 से ज्यादा डिजाइन वाले महिला, पुरुष और होम एक्सेसरीज के वस्त्रों को बनाने वाले एक बड़े हब में बदल गया है। आज, पुठोली यूनिट में 20 कुशल महिला कारीगर काम करती हैं। इनके अलावा, उदयपुर, राजसमंद, भीलवाड़ा और अजमेर के सखी केंद्रो में 300 से ज्यादा महिलाएँ जुड़ी हुई हैं।

मुख्यमंत्री को भेजी गयी सखी द्वारा निर्मित राखियां

सखी महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित राखियां माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भी बांधी गयी। उनके लिये विशेष रूप से राखियों को जयपुर भेजा गया, जिन्हें अनिल अग्रवाल फाउण्डेशन की प्रमुख परियोजना नंदघर और हिन्दुस्तान ज़िंक की सखी परियोजना से जुड़ी महिलाओं द्वारा उनकी कलाई में बांधी।

मिश्रीमल एवं रूपचंद म.सा. की जयंती को कपासन में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाया

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अंबेश भवन के तत्वावधान मे महासाध्वी कंचन कंवर आदि ठाणा के सानिध्य मे मरूधर केसरी मिश्रीमल म.सा. की 135वीं एवं लोकमान्य संत रूपचंद म.सा. की 98वीं जयंती के उपलक्ष्य में अंबेश सौभाग्य स्वाध्याय भवन मे भव्य समारोह का श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ आयोजन किया गया। श्रमण संघ कपासन अध्यक्ष सूर्यप्रकाश सिरोया ने बताया कि एकासन करने का लाभ शंकरलाल,अनिल कुमार बोहरा परिवार कि ओर से लिया गया ।प्रभावना श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ की ओर से रही ।साथ ही समारोह में बसंतीलाल चौहान सुरपुर एवं शांतिलाल सांवला का संघ द्वारा सम्मान किया गया। इस दौरान बंशीलाल संचेती,शंकरलाल लोढा,अनिल बाघमार,रणजीत डांगी,शरद चण्डालिया,रूपलाल डांगी,अशोक बापना,शेलेन्द्र डांगी, जीवनलाल दुग्गड़, महिला मण्डल सदस्य सुशीला संचेती,उगम बाई चण्डालिया, आजाद ढीलीवाल,भावना बोहरा,सपना सिरोया, प्रिंयका दुग्गड़, पूर्व नगर पालिका पार्षद सुनिता सांवला,अंगुरबाला सिरोया आदि श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे।

सैयद गुलाब शाह मस्तान का 29वां तीन दिवसीय उर्स इशा महफिलें मिलाद के साथ शुरू

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। क्षैत्र के ग्राम खात्याखेड़ी में हजरत सैयद गुलाब शाह मस्तान रहमतुल्ला अलैहि का 29वां तीन दिवसीय उर्स गुरुवार को इशा महफिलें मिलाद के साथ शुरू हुआ। जानकारी अनुसार उपखंड क्षैत्र कपासन के ग्राम खात्याखेड़ी में हजरत सैयद गुलाब शाह मस्तान रहमतुल्ला अलैहि के 29वें तीन दिवसीय उर्स के अंतर्गत 7 अगस्त को बाद नमाजे जोहर कुरआन ख्वानी व बाद नमाजे इशा महफिलें मिलाद एवं 8 अगस्त को महफिलें मिलाद तथा महफिलें समां में हाजी असलम साबरी दिल्ली एवं सलीम साबरी व शब्बीर शदाकत साबरी,इम्तियाज साबरी कपासन द्वारा कव्वाल कलाम पेश किये जायेंगे ।इसी क्रम में 9 अगस्त दोपहर 1 बजे कुल की फातिहा की रस्म अदा होगी ।इस मौके पर जायरीनों के लिए लंगर तकसीम किया जायेगा। इधर वरिष्ठ अधिवक्ता सैयद अशफाक अली ने बताया कि दीवाना शाह दरगाह शरीफ कपासन से चादर का जुलूस शुरू हुआ ।साथ ही कुरान ख्वानी से उर्स का गुरुवार रात्रि में आगाज हुआ ।जिसमे महफिलें मिलाद एवं गुस्ल की रस्म अदा की गयी ।नगर पालिका कपासन उपाध्यक्ष सैयद एजाज अली ने बताया यहां तीन दिवसीय उर्स कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को हिंदुस्तान के मशहूर कव्वाल हाजी असलम साबरी फेम मोहम्मद के शहर में, सलीम साबरी शब्बीर,सदाकत साबरी एवं इम्तियाज साबरी द्वारा कव्वाली रूप में कलाम पेश किये गये। उल्लेखनीय है कि उपखंड क्षैत्र कपासन के ग्राम खात्याखेड़ी में हजरत सैयद गुलाब शाह मस्तान रहमतुल्ला अलैहि के 29वें तीन दिवसीय उर्स में आगंतुक जायरिनों के लिए ठहरने एवं खाने की व्यवस्थाओं का सुनियोजित माकूल प्रबंध किया गया है ।यहां कुल की रस्म 9 अगस्त दोपहर 1 बजे अदा की जायेगी

लोकसभा अध्यक्ष बिरला के प्रयासों से मिली किसानों को बड़ी राहत, बूंदी पहुंची 1500 मीट्रिक टन यूरिया की खेप

बढ़ता राजस्थान

बूंदी। बूंदी जिले के हजारों किसानों के लिए गुरुवार का दिन बड़ी राहत लेकर आया। लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला के विशेष प्रयासों से चंबल फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा 1500 मीट्रिक टन यूरिया की रैक बूंदी को आवंटित की गई है, जो बूंदी में पहुंच चुकी है। इस आपूर्ति से फसलों के लिए महत्वपूर्ण समय में यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित होने से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। गौरतलब है कि लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला किसानों के मुद्दों को लेकर निरंतर संवेदनशील रहते हैं और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रयासरत रहते हैं। यूरिया की यह समय पर आपूर्ति उनके %किसान कल्याण% के संकल्प का ही प्रमाण है, जिससे किसानों को अपनी फसल बचाने में सीधी मदद मिलेगी। इस संबंध में संयुक्त निदेशक कृषि ने बताया कि वर्तमान में जिले की लगभग सभी जगहों पर मांग के अनुरूप यूरिया उपलब्ध है। उन्होंने कहा, लोकसभा अध्?यक्ष के प्रयासों से मिली इस बड़ी खेप के बाद अब जिले में यूरिया की कोई कमी नहीं रहेगी। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि आने वाले एक से दो दिनों में हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड एवं नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड से भी यूरिया की अतिरिक्त आपूर्ति होगी, जिससे जिले के हर कोने में किसानों को आसानी से यूरिया मिल सकेगा।

सावा गौशाला में श्री राघव नाथ सरकार ने गुर का लगाया एक पेड़ अपनी मां के नाम अभियान

बढ़ता राजस्थान

निम्बाहेड़ा (प्रकाश खत्री)। सावा में श्री राघव गोविंद गौशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम वन एवं पर्यावरण वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत लगाया गया विधानसभा संयोजक राजू अग्रवाल शंभूपुरा ने कहा की विशिष्ट अतिथि, संतों की जान गो माता के प्राण के श्री श्री रघवनाथ सरकार थे एक पेड़ मां के नाम जिला संयोजक कर्नल सिंह जी, चित्तौड़ विधानसभा संयोजक राजू अग्रवाल सह संयोजक शंकरलाल गुर्जर, जितेंद्र वैष्णव अमराणा ओबीसी मंडल अध्यक्ष उदयलाल गुर्जर, महामंत्री रमेशचंद्र डांगी ने बताया की सावा गौशाला में संतों की जान गौ माता के प्राण विशाल संत समागम के शुभ अवसर पर श्री श्री रघवनाथ सरकार ने नवीन सुखवाल के जन्मदिन के उपलक्ष में व अपनी मां के नाम 21 वृक्षारोपण किया टी गार्ड लगाकर सबको शपथ दिलाई श्री राघव गोविंद गौशाला में एक पेड़ मां के नाम वन एवं पर्यावरण अभियान के अंतर्गत 21पौधारोपण के कई किस्म के पौधे लगाएं देश भर में पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाया जा रहा है हरियालो राजस्थान अभियान के तहत कई महिला पुरुष, बड़े उल्लास के साथ गौ शाला क्षेत्र में वृक्षारोपण अभियान तेजी के साथ लगा रहे है ।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व हरियाणा प्रभारी सतीश पूनिया का भाजपाइयों ने किया भव्य स्वागत, अभिनंदन

साध्वी कुमुदलता जी के किए दर्शन, कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा) । भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं हरियाणा के प्रदेश प्रभारी डॉ सतीश पूनिया के एक दिवसीय भीलवाडा प्रवास के तहत सर्किट हाउस आगमन पर भाजपा जिला संगठन द्वारा जिला प्रमुख बरजी देवी भील, पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर के सान्निध्य में भव्य स्वागत अभिनन्दन किया गया। जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि डॉ पूनिया ने सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं से मुलाक़ात कर उनके हालचाल जाने। वहीँ विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने पूनिया को पगड़ी पहना, माल्यार्पण कर स्वागत अभिनंदन किया। कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद वे जयपुर के लिए रवाना हो गए। इससे पूर्व डॉ सतीश पूनिया आज प्रात: सुभाषनगर स्थित जैन स्थानक में महासाध्वी कुमुदलता जी के दर्शनार्थ उपस्थित हुए, जहाँ जैन समाज के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वे पूर्व सभापति दिनेश शर्मा को मातृशोक होने पर उनके निवास पर श्रद्धांजलि अर्पित करने भी पहुंचे।

स्वागत अभिनन्दन के दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष लादूलाल तेली, उपजिला प्रमुख शंकर गुर्जर, भाजपा जिला महामंत्री भगवतीप्रसाद जोशी, राजकुमार आंचलिया, जिला उपाध्यक्ष प्रहलाद त्रिपाठी, अविनाश जीनगर, जिला मंत्री सुरेन्द्र सिंह मोटरास, गोपाल तेली, अमित सारस्वत, जिला कोषाध्यक्ष ललित अग्रवाल, जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया, जिला मीडिया संयोजक महावीर समदानी, जिलाध्यक्ष प्रवास प्रमुख मनोज बुलानी, सोशल मीडिया सह संयोजक मिनाक्षी नाथ, रागिनी गुप्ता, मोर्चा जिलाध्यक्ष कुलदीप शर्मा, शंकरलाल जाट, पूरण डीडवानिया, मंजू पालीवाल, मंडल अध्यक्ष रितुशेखर शर्मा, मुकेश सोनी, रमेश खोईवाल, नागेन्द्र सिंह राव, मुकेश चेचाणी, उम्मेदसिंह राठौड़, अंकित समदानी, दीपक पाराशर, शशांक बिडला, पीयूष सोनी, पंकज प्रजापत, रेखा शर्मा, मंजू पंचोली सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षको ने रोष प्रकट करते हुए किया प्रदर्शन

शिक्षको की लम्बित मांगो का निस्तारण करने की मांग

बढ़ता राजस्थान

नैनवां,(टी.आर सैनी)। नैनवां में भी गुरूवार को शिक्षक संघ राष्ट्रीय के प्रदेशव्यापी आव्हान पर शिक्षक संघ की ओर से एसडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया। इसके बाद सीएम के नाम उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन मे बताया कि राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)द्वारा शिक्षा व शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर सरकार का समय समय पर ध्यानाकर्षित किया जा रहा है। लेकिन सरकार ने अभी तक शिक्षको की समस्याओ का निस्तारण नहीं किया है। जिससे शिक्षको में भारी रोष है। उन्होने तृतीय श्रेणी शिक्षकों सहित सभी संवर्गों के स्थानान्तरण,डीपीसी,तृतीय श्रेणी शिक्षकों व प्रबोधकों की वेतन विसंगत्ति दूर करने,सभी विद्यालयों में रिक्त पदों को तुरंत भरा जाने,गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्ति,पिछली सरकार में क्रमोन्नत सीनियर विद्यालयों में पद स्वीकृति जारी करने की मांगे रखी गई। ज्ञापन के दौरान नैनवां अध्यक्ष पंकज जैन, मंत्री देवराज गुर्जर जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुगनचंद मीणा,जिला उप सभाअध्यक्ष ज्ञानचंद जैन,जिला उपाध्यक्ष राधेश्याम मीणा,नैनवा उपशाखा अध्यक्ष पंकज जैन,मंत्री देवराज गुर्जर,सभाध्यक्ष कन्हैयालाल चोपदार,कोषाध्यक्ष नाथूलाल बैरवा,उपाध्यक्ष कालूलाल गुर्जर,जिला वरिष्ठ कार्यकर्ता राजाराम मीणा,प्रबोधक प्रतिनिधि रामपाल मीणा,मिडिया प्रभारी शान मीणा,रामधन चैधरी,बुद्धिप्रकाश मीणा,बुद्धिप्रकाश चैधरी,जगदीप सिंह सोलंकी,मोहन जायसवाल,रुचिका वर्मा,शबाना अख्तर,रुबीना,ममता गोयल,विमला गौड,पायल जैन,प्रिया जैन,किरण प्रजापति, नाजिश अख्तर,निर्मला जायसवाल सहित 80 से ज्यादा शिक्षक शिक्षिकाये शामिल रहें।

रंग बिरंगी राखियो से गुलजार हुआ नैनवां का बाजार

सिल्वर-गोल्ड एंव भैया भाभी की राखियो की बढ़ रही है, डिमांड

बढ़ता राजस्थान

नैनवां,(टी.आर सैनी)। सावन महीने की पूर्णिमा तिथि यानी शनिवार 9 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व मनाया जायेगा। रक्षाबंधन हिंदू धर्म का प्रमुख पर्व है। रक्षाबंधन को लेकर बाजार रंग बिरंगी एंव आधुनिक राखिया से सज गया है। दुकानो पर ग्राहक अपने मन पंसद की राखिया खरीद रहे है। रक्षाबंधन के दिन बहनें भाई की कलाई पर उनकी लंबी उम्र और सुखी जीवन की कामना करते हुए राखी बांधती हैं। इसके बदले भाई अपनी बहन को जीवनभर सुरक्षा का वचन देता है। यही नहीं कुछ पैसे या

उपहार भी उसे भेंट के रूप में देता है। रक्षाबंधन पर न केवल राखी का महत्व है बल्कि परिवार और रिश्तों में मिठास लाने के लिए दान-दक्षिणा, पूजा-पाठ जैसे पुण्य कार्य भी किए जाते हैं। बदलते समय के साथ बदली राखिया की वैराईटी- रक्षाबंधन का पर्व केवल रक्षा सूत्र बांध कर मनाया जाता है,लेकिन समय के अनुसार राखिया की वैराईटी भी बदल रही है। जनरल फेंसी स्टोर राखी विक्रेता प्रकाश सैनी ने बताया कि वर्तमान में आधे दर्जन से अधिक राखिया की नई वैराइटी है। जिसको ग्राहक पंसद करते है। जिसमें भैया-भाभी की राखी जिसकी किमत 30 रूपये से 150 रूपये तक है। मारवाड़ी राखी जिसकी किमत 20 रूपये से 60 रूपये तक है। सिल्वर-गोल्ड राखी जिसकी किमत 60 रूपये से 250 रूपये तक है।

विश्व हिन्दू परिषद मातृशक्ति द्वारा निकाली गई भव्य कावड़ यात्रा

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। विश्व हिन्दू परिषद की मातृशक्ति इकाई द्वारा गुरुवार को सावन माह के पावन अवसर पर भव्य कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। मातृशक्ति की सैकड़ों श्रद्धालु बहनें गुलमंडी में एकत्रित हुईं और वहां से कावड़ लेकर मनसा पूर्ण बालाजी मंदिर से भगवान शिव के जलाभिषेक हेतु रवाना हुईं। यात्रा का मार्ग मुख्य बाजार, बड़े मंदिर, सर्राफा मार्केट होते हुए नागोरी मोहल्ला स्थित शिव मंदिर तक रहा।

पूरे मार्ग में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से वातावरण शिवमय हो गया। मातृशक्ति की सदस्यों ने पारंपरिक परिधानों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कावड़ यात्रा में प्रमुख रूप से सुशीला मैडम, गायत्री, शिप्रा, उर्मिला, रुक्मणी, विमला, सीमा, सुमन, मंजू मीना, शांता मीना, कलावती, गीता, इंदु, पार्वती, नीलकमल, वैशाली, ममता, ज्योति, पूजा, चित्रा, सुमित्रा, रितिका, रेखा सहित अनेक बहनों की सक्रिय सहभागिता रही।

मनासा में श्रीनाथ भक्तों का भव्य प्रेम जल, सत्संग समारोह आयोजित

हेडिंग...सत्य की राह पर चलना मानव जीवन की सार्थकता - महंत बालयोगी प्रकाशनाथ

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (नि.स.)। श्रीनाथ आश्रम करवा खेड़ी के महंत सदगुरु बालयोगी प्रकाशनाथ महाराज के सानिध्य में नीमच जिले के मनासा शहर में गत दिवस भव्य प्रेम जल का आयोजन हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में आसपास व सुदूरस्थ क्षेत्र के गुरु भक्तों ने शामिल होकर गुरु प्रेमजल और आशीर्वाद का लाभ लिया । यह आयोजन मनासा की गुरु भक्त श्रीमती शांति बाई बारसाके द्वारा करवाया गया जिसमें बड़ी संख्या में संत - महात्मा सहित गुरु भक्त शामिल हुए। इससे पूर्व तीन दिवसीय नानी बाई का मायरा कथा का आयोजन भी किया गया। मनासा में गुरु भक्त श्रीमती शांति बाई बारसाके द्वारा उनके पति स्व. रमेश चंद बारसाके की स्मृति में तीन दिवसीय नानी बाई का मायरा कथा आयोजन के साथ करवा खेड़ी ताल में सिद्ध योगी बाबा सदगुरु शंभू नाथ महाराज के सुशिष्य ,श्रीनाथ आश्रम के महंत बालयोगी प्रकाशनाथ महाराज के सानिध्य में प्रेम जल में गुरु भक्तों को सत्संग के साथ ही सद मार्ग की राह प्रशस्त की गई। प्रारंभ में मनासा के गुरु भक्त बलवंतराव, राजेंद्र राव, सुरेश राव, धनराज प्रजापति, राजेंद्र कुमावत, देवीलाल प्रजापति, व नगजीराम प्रजापति आदि ने संतो व अतिथियों का स्वागत किया। समारोह का संचालन जयंत उपाध्याय शामगढ़ द्वारा किया गया। इस मौके पर योगी ज्ञाननाथ, योगी संतोषनाथ, योगी राजनाथ, योगी बालक नाथ, योगी चेतन नाथ, योगी लालू नाथ, योगी रूपनाथ, योगी विश्वास नाथ, योगी दीपक नाथ, व योगिनी चेतन नाथ वीरीयाखेड़ी सहित अन्य संतों का भी आत्मीय स्वागत किया गया। महंत योगी प्रकाश नाथ जी ने गुरु महिमा करते हुए सभी गुरु भक्तों को सद्मार्ग पर चलते हुए सांसारिक दायित्व का निर्वाह करने का समसामयिक संदेश दिया। आपने कहा कि सांसारिक जीवन में अपने कर्म और दायित्व का निर्वहन सत्य मार्ग पर चलते हुए करना और स्व के साथ परमार्थ भाव से आत्मा का कल्याण करके आत्मा को परमात्मा स्वरुप की ओर ले जाना ही मनुष्य जीवन की श्रेष्ठता व उपयोगिता है।

बूंदी-सवाईमाधोपुर वाया हिंडोली बस सेवा बंद होने से यात्री परेशान

बढ़ता राजस्थान

जजावर (पदम शाह)। राजस्थान रोड़वेज के बूंदी आगार की लंबे समय से बूंदी से सवाईमाधोपुर वाया हिंडोली, जजावर, नैनवां संचालित रोड़वेज बस सेवा करीब एक सप्ताह से अधिक समय से बंद होने से दर्जनों गांवो कस्बो के यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। गौरतलब रहे यह बस सेवा हिंडोली एवं नैनवां उपखंड मुख्यालय सहित उपखंड क्षेत्र के गांवो एवं कस्बो के लिए एक महत्वपूर्ण बस सेवा मे शुमार है । लेकिन डिपो प्रशासन द्वारा इस बस सेवा को बीच बीच मे बंद कर देने से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ जाता है । पूर्व पंचायत समिति सदस्य मुकेश नागर ने बताया कि इस रूट पर वेसे ही बसों की सुविधा ना के बराबर है इस समय रक्षा बंधन की वजह से यात्री भार भी ज्यादा है इस स्तिथि मे इस बस सेवा के बंद होने से क्षेत्रवासीयों में निगम प्रशासन के प्रति आक्रोश है। उधर बूंदी आगार के मुख्य प्रबंधक घनश्याम गौड़ ने बताया कि डिपो के बीस से अधिक चालक हड़ताल पर है जिससे डिपो की कई बस सेवाएं प्रभावित हो रही है उनमें यह बस भी शामिल है. गौड़ ने बताया कि कुछ चालक काम पर लौट आए हैं एवं आज कल मे ही इस बस का यथावत संचालन शुरु हो जाएगा ।

जिंदगी मे एक किस्सा, गज़ब का देखा ज़िंदे को डूबता और मुर्दे को तैरता देखा

-हर्षित विजयवर्गीय, बढ़ता राजस्थान

ममता बनर्जी की सरकार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है: नड्डा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर ''राज्य पुलिस की मौजूदगी में'' हुए हमले के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बृहस्पतिवार को आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि यह घटना राज्य में उनकी सरकार में कानून-व्यवस्था के पूरी तरह से ध्वस्त होने को दर्शाती है। नड्डा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''अराजकता और राजनीतिक हिंसा की इस संस्कृति को बढ़ावा देने'' के लिए ममता बनर्जी को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराधों को लेकर निकाली गई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की रैली पर कुछ लोगों ने बुधवार को कथित रूप से पथराव किया और काले झंडे दिखाए। भाजपा ने इस घटना के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया है। नड्डा ने कहा, ''मैं पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर कूचबिहार में तृणमूल के गुंडों द्वारा किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि यह हमला राज्य पुलिस की मौजूदगी में हुआ जो ममता बनर्जी की सरकार में कानून-व्यवस्था के पूरी तरह से ध्वस्त होने की बात को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि यह केवल एक निर्वाचित प्रतिनिधि पर हमला नहीं बल्कि लोकतंत्र पर भी हमला है।

ट्रंप के सलाहकार बोले- भारत टैरिफ महाराजा

वे अमेरिकी सामानों पर सबसे ज्यादा टैरिफ लगा रहे; ट्रम्प की भारत पर सेकेंडरी सैंक्शंस की धमकी

बढ़ता राजस्थान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सलाहकार पीटर नवारो ने भारत पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने के अमेरिकी फैसले का बचाव किया। उन्होंने भारत को टैरिफ का महाराजा करार देते हुए कहा कि भारत अमेरिकी सामानों पर दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ और नॉन-टैरिफ बाधाएं लगाता है, जिससे अमेरिकी प्रोडक्ट्स को भारतीय मार्केट में एंट्री करने में मुश्किल होती है। वहीं, ट्रम्प ने भारत पर और ज्यादा प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी है। उन्होंने बुधवार रात पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा, अभी सिर्फ 8 घंटे ही हुए हैं। अभी तो बहुत कुछ होना बाकी है। बहुत सारे सेकेंडरी सैंक्शंस आने वाले हैं। ट्रम्प ने भारत पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लागू करने को लेकर पूछे गए सवाल पर यह जवाब दिया। ट्रम्प से पूछा गया था कि अमेरिका ने भारत पर ही क्यों सख्ती की, जबकि चीन जैसे और देश भी रूस से तेल खरीद रहे हैं। भारत पर अब कुल अमेरिकी टैरिफ 50% हो गया है। ट्रम्प ने बुधवार को एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर 25% टैरिफ बढ़ा दिया। बढ़ा हुआ टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा। आज से भारत पर 25% टैरिफ लागू हो गया है। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में कहा गया है कि रूसी तेल खरीद की वजह से भारत पर यह एक्शन लिया गया है।

धराली त्रासदी-5 की मौत; एक आर्मी ऑफिसर, 8 जवान लापता धराली से 70, हर्षिल से 190 और गंगोत्री से 274 लोगों का रेस्क्यू

बढ़ता राजस्थान

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के धराली में हुए हादसे में अब तक 5 मौतों की पुष्टि हो चुकी है। 70 लोगों का रेस्क्यू किया गया है। प्रशासन के हवाले से सेना ने बताया कि 50 से ज्यादा लोग लापता हैं। एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर और 8 जवान लापता हैं। वहीं, आर्मी के 9 जवानों और 3 सिविलियंस को हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू कर देहरादून लाया गया। गंभीर रूप से घायल 5 लोगों को एम्स ऋषिकेश, 9 लोगों को उत्तरकाशी के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आपदा प्रबंधन सचिव ने बताया कि गंगोत्री और आसपास के क्षेत्रों में करीब 400 लोग फंसे हैं। वहां से अब तक 274 लोगों को हर्षिल लाया गया है। सभी को हर्षिल से उत्तरकाशी और देहरादून लाने का काम जारी है। हर्षिल से अब तक 190 लोगों को आईटीबीपी मातली शिफ्ट किया जा चुका है। राज्य सरकार, जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन विभाग, आईटीबीपी, एनडीआरएफ और अन्य एजेंसियां रेस्क्यू व राहत कार्यों में जुटी हैं। सीएम पुष्कर सिंह धामी स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

दरअसल, उत्तरकाशी जिले के धराली में मंगलवार 5 अगस्त को दोपहर 1.45 बजे बादल फट गया था। गंगोत्री के पहाड़ों से बहने वाली खीर गंगा नदी में बाढ़ आ गई। तेज रफ्तार पानी के साथ आए मलबे ने 34 सेकेंड में धराली गांव को जमींदोज कर दिया था।

राज्यसभा सांसद कमल हासन ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात, कर दी यह बड़ी मांग

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के राज्यसभा सांसद और अभिनेता-राजनेता कमल हासन ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सांसद बनने के बाद यह उनकी पहली मुलाकात थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बातचीत का विवरण साझा करते हुए, कमल हासन ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री से मिलने का सौभाग्य मिला और उन्होंने इस अवसर का उपयोग तमिलनाडु के लोगों की ओर से प्रमुख चिंताओं को प्रस्तुत करने के लिए किया। कमल हासन ने लिखा कि आज मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

तमिलनाडु की जनता के प्रतिनिधि और एक कलाकार के रूप में, मैंने उनके समक्ष कुछ अनुरोध रखे, जिनमें सबसे प्रमुख था कीलाडी की प्राचीनता को मान्यता दिलाने में तेज़ी लाने का अनुरोध है। मैंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे तमिल सभ्यता की भव्यता और तमिल भाषा के शाश्वत गौरव को दुनिया के सामने लाने में तमिल लोगों का सहयोग करें। हासन ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री से तमिल सभ्यता की भव्यता और तमिल भाषा की शाश्वत विरासत की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने में पूर्ण सहयोग देने का आग्रह किया। सांकेतिक रूप से, सांसद ने प्रधानमंत्री मोदी को कीझाड़ी थीम पर आधारित एक स्मृति चिन्ह भी भेंट किया, जिसमें कीलाड़ी उत्खनन के सांस्कृतिक और पुरातात्विक महत्व को रेखांकित किया गया।

ट्रेड वार पर राज्यवर्धन बोले राजस्थान एक मार्केट पर निर्भर नहीं

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए अतिरिक्त टैरिफ को लेकर कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा है कि भारत और राजस्थान के उद्योग केवल एक मार्केट पर निर्भर नहीं हैं। हमको यह बात समझनी चाहिए। हमारे पास अनेकों मार्केट हैं। उन्होंने कहा- हमारे पास यूरोप, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और चाइना भी है। भारत बहुत मजबूत स्थिति में है। इस बात को देशवासी और दुनिया के अन्य देश भी जानते हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार देश के किसान, ट्रेडर्स, मैन्यूफेक्चर्स का ध्यान रख रही हैं।

अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमेसी में ट्रेड वार साधारण बात-उन्होंने ट्रेड वार को लेकर कहा कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीति और डिप्लोमेसी के अंदर यह साधारण बातें है। भारत पूरी तरह से सक्षम है, अभी ट्रेड टॉक्स चल रही है। आज एक घोषणा हुई है, कल दूसरी घोषणा हो जाए, कुछ भी संभव हैं।पीएम मोदी के चायना दौरे को लेकर मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि इंटरनेशनल डिप्लोमेसी डायनेमिक हैं, जो हर क्षण बदल सकती है। इसे लेकर लगातार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री काम कर रहे हैं। आज दुनिया के देशों में भारत की स्थिति महत्वपूर्ण और मजबूत हैं।

पेट पर कपड़ा बांधकर भूखा रहना जानते है-वहीं, ट्रेड वार को लेकर राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि यह 140 करोड़ लोगों का भारत है। हम नवरात्रा में 9 दिन पेट पर कपड़ा बांधकर भूखा रहना जानते हैं। लेकिन भारत के स्वाभिमान को नहीं छोड़ते हैं। ट्रंप भूल गया है कि यह वो भारत है, जिसने पूरे विश्व को संदेश देने का काम किया हैं। मुझे विश्वास है कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बड़ी से बड़ी चुनौती से भी हम निकलेंगे और इस विषय पर भी भारत आगे निकलकर विश्व के सामने आएगा।

जैसलमेर-बाड़मेर-बीकानेर में धूल भरी हवा चली

भरतपुर संभाग में बारिश की संभावना; पारा 36 डिग्री सेल्सियस के पार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। राजस्थान में मानसून ब्रेक के बाद अब पश्चिमी जिलों में सूखा मौसम होने लगा है। सीमावर्ती जिलों में दिन के दौरान धूलभरी हवाएं चल रही हैं और तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया जा रहा है। मौसम में आए इस बदलाव के बाद राजस्थान के कई जिलों में दिन में तेज धूप निकल रही है, जिससे वातावरण में उमस भरी गर्मी का अहसास हो रहा है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, 8 अगस्त को एक कमजोर मौसम प्रणाली पूर्वी राजस्थान के क्षेत्र में सक्रिय होने की संभावना है। इस प्रणाली के प्रभाव से भरतपुर संभाग के जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की प्रबल संभावना बनी हुई है।

पिछले 24 घंटों के मौसम का जायजा लें तो राज्य में कुछ स्थानों पर सीमित वर्षा दर्ज की गई। झालावाड़ के डग में सर्वाधिक 22 मिलीमीटर वर्षा हुई, जबकि भरतपुर के डीग में 4 मिलीमीटर, बारां के अटरू में 3 मिलीमीटर, तथा बांसवाड़ा और अलवर में 2-2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। राज्य के अन्य हिस्सों में मौसम शुष्क रहा। जयपुर, अजमेर, सीकर, नागौर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, हनुमानगढ़ और झुंझुनूं समेत अधिकांश जिलों में दिन के दौरान आसमान में हल्के बादल छाए रहे और धूप निकलती रही। मौसम विभाग लगातार क्षेत्र विशेष में होने वाले मौसम परिवर्तनों पर नज़र बनाए हुए है और आवश्यक चेतावनियां जारी कर रहा है।

धूलभरी हवाएं चलने से गर्मी जैसा मौसम

पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, गंगानगर के एरिया में कल दिन में धूलभरी हवाएं चली। इस कारण यहां मौसम मार्च-अप्रैल जैसा रहा। इन जिलों में कल दिन का अधिकतम तापमान 36 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ। सबसे ज्यादा तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस गंगानगर में दर्ज हुआ। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक मानसून ट्रफ के नॉर्थ में शिफ्ट होने के बाद से पश्चिम से आने वाली हवाएं ज्यादा प्रभावी हो गई, जिस कारण सीमावर्ती जिलों में इन दिनों मौसम शुष्क रहने लगा है।

किरोड़ी बोले-नरेश मीणा से मिलने पर दिल्ली से फोन आया

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा- नरेश मीणा से जेल में मिलने चला गया तो दिल्ली से फोन आ गया। वह सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रहा है और आप उससे मिलने जा रहे हो। मैंने कहा- मैं खुले में मिल रहा हूं, तुम तो उसे चुपचाप चुनाव लड़वा रहे हो। अब मेरी यह चीज सब जगह जाएगी। अब फिर डांट पड़ेगी। मंत्री हो इस तरह के भाषण देते हो। कृषि मंत्री बुधवार शाम को राजस्थान यूनिवर्सिटी में बिरसा मुंडा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। किरोड़ीलाल मीणा ने कहा- जो किसान के साथ धोखा करेगा, मैं उसको बर्दाश्त करने वाला नहीं। इतनी तो मेरी धाक है कि मुझे रोकने की हिम्मत अच्छे-अच्छों की नहीं होती।

अरुण चतुर्वेदी ने राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष का पद संभाला

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। बीजेपी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और पूर्व कैबिनेट मंत्री अरुण चतुर्वेदी ने गुरुवार को राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण कर लिया। चतुर्वेदी ने वित्त भवन में उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा की मौजूदगी में पदभार ग्रहण किया।

प्रदेश घाटे में मिला

पदभार ग्रहण करने के बाद चतुर्वेदी ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपने कर्मों को याद रखना चाहिए। 2018 में बीजेपी की सरकार प्रदेश को सरप्लस स्थिति मे छोड़कर गई थी। लेकिन जब 2023 में हमें प्रदेश फिर से मिला तो घाटे में मिला। उन्होंने कहा अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार कुशल वित्तीय प्रबंधन कर रही है। मुझे विश्वास है कि हम केंद्र सरकार से मिलने वाले सहयोग और अपने स्तर पर रेवेन्यू जनरेट करके नगर निकाय और पंचायतों की स्थिति सुदृढ़ करने का काम करेंगे।

योग्य व्यक्ति को पद मिला

कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि योग्य व्यक्ति को यथायोग्य पद मिला है। अरुण चतुर्वेदी एक सुलझे हुए बुद्धिजीवी व्यक्तित्व के धनी है। उनके नेतृत्व में राजस्थान की वित्तीय स्थिति में सुधार होगा और उनकी सलाह पर राजस्थान सरकार को वित्तीय प्रबंधन में सहायता मिलेगी।

ये रहे मौजूद

अरुण चतुर्वेदी के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, मंत्री झाबर सिंह खर्रा, विधायक बालमुकुंदाचार्य, हरलाल सहारण, ग्रेटर नगर निगम मेयर सौम्या गुर्जर, बीजेपी प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा, बीजेपी नेता राजेन्द्र राठौड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

पंजाब सीएम को हत्या की धमकी

आतंकी बोला-15 अगस्त को निशाने पर रहोगे; मंदिर समेत 3 जगह खालिस्तानी नारे लिखवाने का दावा

बढ़ता राजस्थान

अमृतसर (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस के मुखिया गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अब पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को हत्या की धमकी दी है। पन्नू ने वीडियो जारी कर कहा कि इस बार 15 अगस्त पर फरीदकोट में भगवंत मान निशाने पर रहोगे। हम मान के झंडा फहराने का विरोध करते हैं। पन्नू ने लैंड पूलिंग पॉलिसी को लेकर भी लोगों को भड़काने की कोशिश की। पन्नू ने वीडियो में यह भी दावा किया कि अमृतसर में बस स्टैंड के पास मंदिर, कोर्ट परिसर और खालसा कॉलेज की दीवारों पर खालिस्तानी, एसएफजे रेफरेंडम और भगवंत मान मुर्दाबाद के नारे लिखवाए हैं।

वीडियो में आतंकी पन्नू ने ये दावे किए....

पन्नू ने कहा- 15 अगस्त पंजाब की आजादी का दिवस नहीं है। आज खालिस्तानी समर्थकों ने बस स्टैंड के पास हिंदू मंदिर पर नारे लिखवाए हैं। जिला कचहरी पर स्स्न्नछ्व रेफरेंडम जिंदाबाद, भगवंत मान मुर्दाबाद लिखा है। यहां दो मंदिर बेइंसाफी हैं। ये सिख पंथ व सिखों के हक में नहीं बोलते। आतंकी ने आगे कहा कि हिंदू समाज और किसानों, 15 तारीख याद रखो। फरीदकोट में या अन्य आम आदमी पार्टी वाले जहां भी तिरंगा फहरा रहे हैं, वहां खालिस्तान का झंडा फहराओ।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग नहीं रुकेगा:सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज की, कैश कांड में कार्रवाई को चुनौती दी थी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका को खारिज कर दिया। इस याचिका में जस्टिस वर्मा ने कैश कांड को लेकर उनके खिलाफ की गई कार्रवाई को चुनौती दी थी। दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस वर्मा ने उनके घर जले नकदी नोट मामले में इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने की अपील की थी। रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया है।

इस्तीफा सौंप दें: अगर जस्टिस वर्मा अपने पद से इस्तीफा दे देते हैं तो वह महाभियोग का सामना करने से बच जाएंगे। साथ ही उन्हें रिटायर्ड जज के तौर पर पेंशन भी मिलेगी।

महाभियोग का सामना करें: जस्टिस वर्मा को अगर महाभियोग के जरिए पद से हटाया जाता है तो उन्हें पेंशन और अन्य लाभ नहीं मिल पाएंगे।

सीआरपीएफ की गाड़ी फिसलकर 200 फीट गहरी खाई में गिरी

3 की मौत, 5 गंभीर

21 जवान सवार थे, उधमपुर में हादसा

जम्मू-कश्मीर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के बसंतगढ़ इलाके में गुरुवार सुबह 10:30 बजे सीआरपीएफ जवानों की बंकर गाड़ी 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 3 जवानों की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य घायल हो गए। प्रशासन के मुताबिक, 5 जवानों की हालत गंभीर है। सीआरपीएफ के अफसरों के अनुसार, गाड़ी जवानों के एक दल को ले जा रहा था, जो सड़क से फिसलकर खड़ी ढलान से नीचे खाई में जा गिरा। 3 शव घटनास्थल से बरामद किए जा चुके हैं, जबकि कई घायल जवानों को गंभीर हालत में रेस्क्यू कर पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एनएसए डोभाल ने पुतिन से मॉस्को में मुलाकात की

कहा- भारत और रूस का रिश्ता बहुत खास; पुतिन इस साल भारत आएंगे

बढ़ता राजस्थान

मॉस्को/नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने गुरुवार को मॉस्को यात्रा के दौरान क्रेमलिन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। यह मुलाकात सुरक्षा, आर्थिक और ऊर्जा सहयोग पर द्विपक्षीय वार्ता के लिए हुई।

रूसी सरकारी मीडिया स्पूतनिक ने एक वीडियो जारी किया जिसमें डोभाल ने भारत-रूस संबंधों को बेहद खास बताया और दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक साझेदारी पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, %हमारा रिश्ता बहुत खास और पुराना है। हम अपनी रणनीतिक साझेदारी को बहुत महत्व देते हैं। हमें राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा की खबर से बहुत खुशी है। तारीखें लगभग तय हो चुकी हैं।

पुतिन इस साल भारत आ सकते हैं

राष्ट्रपति पुतिन इस साल के आखिरी हफ्ते में भारत दौरे पर आ सकते हैं। रूसी न्यूज एजेंसी तास ने सुबह यह जानकारी एनएसए अजीत डोभाल के हवाले से दी थी।

डोभाल ने रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु से मुलाकात में कहा था, अब हमारे रिश्ते बहुत खास बन गए हैं, जिनकी हम कदर करते हैं। हमारे देशों के बीच एक मजबूत साझेदारी है और हम हाई लेवल पर बातचीत करते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से रूस के साथ भारत के संबंधों पर की गई टिप्पणियों की वजह से ये यात्रा काफी अहम मानी जा रही है। ट्रम्प ने रूस से तेल खरीदने को वजह बताकर ही भारत पर पहले 25% फिर 50% टैरिफ लगाया है।

आखिरी बार 2021 में भारत आए थे पुतिन राष्ट्रपति पुतिन ने 06 दिसंबर 2021 को भारत की यात्रा की थी। तब वे सिर्फ 4 घंटे के लिए भारत आए थे। इस दौरान भारत और रूस के बीच 28 समझौते पर दस्तखत हुए थे। इसमें मिलिट्री और तकनीकी समझौते शामिल थे। दोनों देशों ने 2025 तक 30 अरब डॉलर (2 लाख 53 हजार करोड़ रुपए) सालाना ट्रेड का टारगेट रखा था।

विधानसभा का मानसून सत्र एक सितंबर से संभावित

धर्मांतरण विरोधी बिल पास होने की संभावना, कानून मंत्री बोले- स्पीकर से सत्र पर चर्चा हो चुकी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। विधानसभा का मानसून सत्र एक सितंबर से शुरू हो सकता है। सरकार के स्तर पर विधानसभा सत्र बुलाने पर चर्चा हो चुकी है। कानून और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा है कि विधानसभा सत्र बुलाने को लेकर स्पीकर से दो बार चर्चा हो चुकी है। मुख्यमंत्री से भी चर्चा हो चुकी है। जल्द इस पर फाइनल फैसला हो जाएगा। विधानसभा का बजट सत्र 24 मार्च तक चला था, इसके बाद बजट सत्र का सत्रावसान कर दिया गया था।छह महीने के भीतर विधानसभा का सत्र बुलाया जाना जरूरी होता है। सितंबर के आखिर में छह महीने पूरे हो रहे हैं। छह

महीने की अवधि पूरी होने से पहले ही सत्र बुलाने की तैयारी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस,हमीदपुरा रोड खण्डवा,निवाई टोंक (राज.) से मुद्रित एवं 185/ 116 ''प्रतीक्षा'' सेक्टर-18, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर से प्रकाशित, संपादक-तनुजा पठान*। प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय मो.नं. 9414242258, 9214048888,जयपुर फोन नं.0141-2796794,795 टोंक कार्यालय-बाईपास निवाई, टोंक मो.नं.9414823448 अलवर कार्यालय-मेहताब सिंह का नोहरा,अलवर मो.नं. 7733000123,कोटा कार्यालय-छावनी मेन रोड,कोटा मो.नं.7023350734 । ई मेल-badhatarajasthan@yahoo.com *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार